सुप्रभात
रांची, शुक्रवार
09.02.2024
* नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net माघ, कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी/ अमावस्या संवत 2080 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 207

06 तेलंगा खड़िया ने अंग्रेजी हुकूमत की चूल हिला दी

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

अबुआ आवास सबका आवास

अबुआ आवास योजना

के अंतर्गत स्वीकृति पत्र वितरण समारोह

20 लाख से अधिक लाभुकों को मिलेगा अबुआ आवास

मुख्य अतिथि

श्री चम्पाई सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री अर्जुन मुण्डा
माननीय केंद्रीय मंत्री, जनजातीय कार्य एवं कृषि और किसान कल्याण, भारत सरकार

श्री आलमगीर आलम
माननीय मंत्री
झारखण्ड सरकार

श्री सत्यानन्द भोक्ता
माननीय मंत्री
झारखण्ड सरकार

श्री बिद्युत बरन महतो
माननीय सांसद, जमशेदपुर
लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र, झारखण्ड

श्रीमती गीता कोड़ा
माननीय सांसद, सिंहभूम
लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र, झारखण्ड

श्री संजय सेठ
माननीय सांसद, रांची
लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र, झारखण्ड

सम्मानित अतिथि

श्री बन्ना गुप्ता — माननीय विधायक, जमशेदपुर पश्चिम, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र

श्री सरयू राय — माननीय विधायक, जमशेदपुर (पूर्वी) , विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र

श्री रामदास सोरेन — माननीय विधायक, घाटशिला, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र

श्री मंगल कालिंदी — माननीय विधायक, जुगसलाई, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र

श्री समीर कुमार मोहन्ती — माननीय विधायक, बहरागोड़ा, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र

श्री संजीव सरदार — माननीय विधायक, पोटका, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र

श्रीमती जोबा माझी — माननीय विधायक, मनोहरपुर, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र

श्री दीपक बिरुवा — माननीय विधायक, चाईबासा, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र

श्री निरल पुरती — माननीय विधायक, मझगांव, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र

श्री सुखराम उरांव — माननीय विधायक, चक्रधरपुर, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र

श्री सोना राम सिंकू — माननीय विधायक, जगन्नाथपुर, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र

श्रीमती सबिता महतो — माननीय विधायक, ईचागढ़, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र

श्री दशरथ गागराई — माननीय विधायक, खरसावाँ, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र

दिनांक: **9 फरवरी 2024** | समय: **दोपहर 12 बजे**
स्थान: **गोपाल मैदान, बिष्टुपुर, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम**

₹2 लाख की सहायता प्रति आवास

तीन कमरों का पक्का मकान, रसोई घर और शौचालय का भी निर्माण

वर्ष 2027 तक सभी जरूरतमंद लोगों को मिलेगा अबुआ आवास

श्री चम्पाई सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PRNO 318379 (IPRD)23-24

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

जेएसएससी एडमिट कार्ड हेमंत सोरेन के करीबी के यहां बरामद होना गंभीर विषय : संजय सेठ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा सांसद संजय सेठ ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके करीबी विनोद सिंह के व्हाट्सएप चैट के खुलासे का मामला गुरुवार को लोकसभा में शून्यकाल के दौरान उठाया। श्री सेठ ने लोकसभा में कहा कि झारखंड में झामुमो और कांग्रेस की सरकार को लेकर रोज नये-नये खुलासे हो रहे हैं। झारखंड में पूर्व की जो सरकार चल रही थी, वह व्हाट्सएप पर चलती थी। ट्रांसफर, पोस्टिंग जैसे कार्य व्हाट्सएप पर किये जाते थे। उन्होंने कहा कि इससे भी गंभीर विषय है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री के करीबी विनोद सिंह के यहां जेएसएससी की परीक्षा के एडमिट कार्ड बरामद हुये हैं। यह बहुत गंभीर मामला है। लोकसभा में उन्होंने केंद्र से मांग की कि जेएसएससी के पेपर लीक और व्हाट्सएप चैट मामले की जांच सीबीआई से कराई जाये।

आदित्य साहू ने राज्यसभा में पूछा था सवाल

257 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण का लक्ष्य : नितिन गडकरी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा सांसद आदित्य साहू ने राज्यसभा में झारखंड राज्य में कितने किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण का प्रस्ताव है तथा विगत तीन वर्षों में कितनी धनराशि निर्धारित की गई है, से संबंधित सवाल पूछा। श्री साहू के तारांकित प्रश्नों का जवाब देते हुये केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि वर्ष 2023-24 के दौरान 257 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण का लक्ष्य है। राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के लिए राज्य को विगत तीन वर्षों में 8,588 करोड़ रूपये की राशि मिली है। उन्होंने विगत तीन वर्षों में झारखंड के सभी जिलों से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रख रखाव के लिए 8,588 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। उन्होंने पिछले तीन वर्षों का ब्योरा देते हुये बताया कि वर्ष 2020-21 में झारखंड में 135 किलोमीटर, 2021-22 में 103 किलोमीटर और 2022-23 में 473 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण पूर्ण किया गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023-24 में राज्य में 257 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण का लक्ष्य है।

इडी की 539 पन्नों की रिपोर्ट में पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के व्हाट्सएप चैट पर भाजपा हमलावर

मेधा घोटाले में सीएमओ की संलिप्तता की सीबीआई जांच हो: कुणाल षाड़ंगी

आरोप : पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने राजस्व विभाग से 8.46 एकड़ की विवादित जमीन की जमाबंदी रद्द कर दी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी ने मेधा घोटाले में सीएमओ की संलिप्तता का आरोप लगाकर इसकी सीबीआई जांच की मांग की है। श्री षाडंगी गुरूवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जमीन घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय की जांच में अब मेधा घोटाला सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि जिस 8.46 एकड़ जमीन के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी ने हिरासत में लिया है, उसमें हेमंत सोरेन अपने आवास से ईडी अधिकारियों के आने के पहले 40 घंटे तक गायब रहे थे, उसी दिन उन्होंने राजस्व विभाग से 8.46 एकड़ की विवादास्पद जमीन की जमाबंदी रद्द कर दी। इसके साथ ही, अब मेधा घोटाले के सामने आने के बाद लाखों युवाओं में निराशा एवं रोष का माहौल है।

उन्होंने कहा कि जमीन घोटाले की जांच में जुटी ईडी ने कोर्ट में जमा 539 पन्नों की व्हाट्सएप चैट में राज्य में पिछले दिनों आयोजित जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा में हुए प्रश्न पत्र लीक के मामले में सीधे तौर पर मुख्यमंत्री कार्यालय की संलिप्तता पाई है। इस 539 पन्नों की रिपोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री का विभिन्न दलालों के साथ सीट बेचने की चैट है। एडमिट कार्ड शेयर करने से स्पष्ट है कि जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक सरकारी संरक्षण एवं मुख्यमंत्री कार्यालय के संज्ञान में कराई गई है। उन्होंने कहा कि मुख्य परीक्षा एकसाथ कराकर अपने छात्रों का चयन कराना सीधे-सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय पर भ्रष्टाचार के संगीन आरोप को इंगित करता है।

उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच सीबीआई से करायी जाये। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने युवाओं को धोखा देकर उनके हितों पर लगातार प्रहार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जनजाति समाज की बेटी द्रौपदी मुर्मू को देश का राष्ट्रपति बनाया, लेकिन झामुमो के गठबंधन के साथी कांग्रेस ने उनका भी विरोध किया। उन्होंने कहा कि इन मामलों में संलिप्त सभी दोषियों को सख्त से सख्त सख्त सजा मिलनी चाहिए जिससे कि भविष्य में कोई भी युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं हो।

इस अवसर पर मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक एवं सह मीडिया प्रभारी अशोक बड़ाइक भी उपस्थित थे।

प्रश्न पत्र लीक को लेकर भाजयुमो ने राजभवन के पास दिया धरना

प्रश्न पत्र लीक मामले में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भी है संलिप्तता : बाबूलाल मरांडी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजयुमो के तत्वावधान में गुरूवार को जेएसएससी प्रश्न लीक मामले में राजभवन के समीप एकदिवसीय धरना दिया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जेएसएससी की परीक्षा की तिथि घोषणा से 2-3 दिन पहले से ही सूचना थी कि 35 लाख से लेकर 50 लाख तक में सीट बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर कोई पैसा लेकर युवा पदाधिकारी या कर्मचारी बनता है तो यह स्पष्ट है कि करप्शन की बुनियाद पड़ेगी। बाबूलाल ने कहा कि यह पहले भी ऐसी कई तरह की परीक्षाओं में गड़बड़ी सामने आई थी। छात्रों ने जब सड़क पर उतर कर विरोध किया और सारा सबूत दिखाया तो सरकार को स्वीकार करना पड़ा। उन्होंने मुख्यमंत्री चंपई सोरेन से मांग की है कि मेधा घोटाले की जांच सीबीआई से कराने की अनुशंसा करें। मौके पर शशांक राज ने कहा हर युवा छात्र इस भ्रष्ट सरकार से परेशान और तंग हो चुका है। धरना कार्यकम में रोमित नारायण सिंह, अशोक बड़ाइक, वरूण साहू, रमेश सिंह, संजीव विजयवर्गीय, रूपेश सिन्हा, भूपेंद्र सिंह, सूर्यप्रभात, नीरज सिंह, जितेंद्र सिंह पटेल, राजू सिंह, रोहित सिंह रानी, पवन पासवान, पूजा सिंह, सुरेश शर्मा, रंजीत नाथ साहदेव, कुंदन कुमार, सचिन साहू, धर्मवीर सिंह, साहित्य पवन, अमित अग्रवाल, राजेश साहू, रविंद्र सिन्हा, विनोद कुमार, अमन यादव, तुषार आरव, उज्जवल मिश्रा, राजू पांडे, बसंत पांडे, सनी सिंह, समुंद्र मिर्धा, मदन साहू, सूरज भान सिंह, राहुल गुप्ता, आयुष सिंह, सिद्धांत राम, तन्मय झा आदि युवा छात्र शामिल हुये।

जेएसएससी पेपर लीक मामले में अधिकारियों ने एसआइटी पर लगाया प्रताड़ित करने का आरोप

सीएस को लिखा- काम में हो रही परेशानी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जेएसएससी पेपर लीक मामले में जेएसएससी के पदाधिकारियों ने एसआईटी पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। इसे लेकर जेएसएससी के पदाधिकारियों ने गुरुवार को मुख्य सचिव को पत्र भी लिखा है। इसमें कहा गया है कि 28 जनवरी को जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा ली गई थी। इसमें पेपर लीक होने की घटना आमने आयी है। इसके बाद परीक्षा को रद्द कर दी गई। परीक्षा में संज्ञान में आए अनियमितता में सरकार के द्वारा गठित एआईटी द्वारा जांच की जा रही है। जांच में आयोग के सभी पदाधिकारी/कर्मी सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं लेकिन गुरुवार को परीक्षा से संबंधित पदाधिकारियों को अपराधियों की भांति जोनल आईजी के आवासीय कार्यालय, रांची में बुलाया गया। इसमें दोनों पदाधिकारियों द्वारा ससमय जांच में सहयोग के लिए उपस्थिति दर्ज कराई गई परंतु वरीय पुलिस अधिकारियों द्वारा पूछताछ के क्रम में परीक्षा में प्रश्न पत्र लीक करने के मामले में संदिग्ध अपराधी का नाम बताने के लिए दबाव बनाया गया तथा अमर्यादित व्यवहार किया गया। इस घटना से आयोग कार्यालय के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी जो आयोग में प्रतिनियुक्त हैं, कार्य करने में असहज महसूस कर रहे हैं।

इस कदाचार में आयोग का कोई भी अधिकारी/कर्मी संलिप्त नहीं

मुख्य सचिव को लिखे पत्र में कहा गया है कि आयोग के वर्तमान अध्यक्ष द्वारा मुख्य सचिव, कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग और प्रेस मीडिया को स्पष्ट सूचना दी गई है कि इस कदाचार में आयोग के किसी पदाधिकारी/कर्मी की संलिप्त नहीं है। उनके द्वारा स्पष्ट किया गया है कि आयोग के तत्वावधान में आयोजित परीक्षाओं में ऑनलाईन आवेदन पत्र प्राप्त करने से लेकर परीक्षाफल तैयार करने तक की सारी प्रकियाएं आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से संचालित कराई जाती है।

राष्ट्रीय खेल घोटाले की क्लोजर रिपोर्ट कोर्ट में की गयी दाखिल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। 34वें राष्ट्रीय खेल घोटाले के एक मामले में सीबीआई ने विशेष अदालत में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी है। क्लोजर रिपोर्ट में कहा गया है कि मामले में छानबीन की गई। मगर घोटाले को लेकर छानबीन के दौरान कोई ठोस साक्ष्य हासिल नहीं किये जा सके। इसलिये इस मामले को बंद कर दिया जाये। कोर्ट ने सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट जमा कर ली गई है। मालूम हो कि झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने 25 अप्रैल 2022 को राष्ट्रीय खेल घोटाले को लेकर दो प्राथमिकी दर्ज की थी। पहली प्राथमिकी होटवार स्थित स्पोर्टस कांप्लेक्स निर्माण में हुई गड़बड़ी को लेकर की गई थी। इस मामले में सीबीआई ने जांच प्रारंभ की थी। इसी मामले में सीबीआई ने डेढ़ साल से अधिक समय तक जांच की। दाखिल क्लोजर रिपोर्ट पर अदालत 20 फरवरी को सुनवाई करेगी। बता दें कि 34वें राष्ट्रीय खेल में 28 करोड़ 38 लाख रुपए के घोटाले का आरोप है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा

–: रद्द संबंधी सूचना :–

पत्रांक 155 / ग्रा.वि.वि.प्र., चतरा, दिनांक–7.2.2024

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा डी0एम0एफ0टी0 के तहत ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं.– RDD/SD/CHATRA /17/2023-24/RE-1, नगर परिषद अन्तर्गत (चतरा शहर में) 1950 सोलर एल0ई0डी0 स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य का निविदा आमंत्रित की गई थी जिसका PR No. 311615 Rural Development(23-24):D है। उक्त निविदा को अपरिहार्य कारण से रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा

PR 318251 (Rural Development)23-24*D

कार्यालय :– जिला मत्स्य पदाधिकारी, कोडरमा।

मत्स्य अण्ड बीज (स्पॉन) की आपूर्ति हेतु अति अल्पकालीन निविदा

आमंत्रण–सूचना

एतद् द्वारा निदेशक मत्स्य, झारखंड, राँची के पत्रांक– 219 दिनांक 05.02.2024 के आलोक में मत्स्य स्पॉन उत्पादकों / आपूर्त्तिकर्त्ताओं को सूचित किया जाता है कि विभिन्न योजनान्तर्गत भारतीय मेजर कॉर्प (रोहू, कतला, मृगल) / विदेशी कॉर्प (ग्रास कॉर्प, कॉमन कॉर्प) का मत्स्य अण्ड बीज (स्पॉन) की आपूर्ति वित्तीय वर्ष 2024–25 के अंतर्गत किया जाना है। इच्छुक मत्स्य स्पॉन उत्पादकों / आपूर्तिकर्त्ताओं / स्थानीय हैचरी संचालकों से स्पॉन आपूर्ति हेतु मुहरबंद निविदा दिनांक 16.02.2024 के अपराह्न 02:00 बजे दिन तक जिला मत्स्य कार्यालय, कोडरमा के कार्यालय में स्वीकार किया जाएगा। निविदा हेतु परिमाण विपत्र कार्यालय से क्रय कर उसी परिमाण विपत्र में निविदा / दर स्वीकार किया जाएगा। निविदा आमंत्रण हेतु आवश्यक शर्त्तें जिला कोडरमा के NIC Website- https://koderma.nic.in/ एवं जिला मत्स्य कार्यालय, कोडरमा के सूचना– पट्ट पर देखा जा सकता है। निविदा निष्पादन की तिथि एवं स्थान बाद में सूचित की जायेगी।

1. मत्स्य अण्ड बीज का अधिकतम सरकार द्वारा निर्धारित दर मो0 550 / – रूपये प्रति लाख परिवहन व्यय सहित।
2. परिमाण विपत्र का मूल्य :– मो0 6,000.00 (छः हजार रूपये) मात्र।
3. परिमाण विपत्र क्रय करने की तिथि :– दिनांक 12.02.2024 से 15.02.2024 (कार्यालय कार्य अवधि में)

जिला मत्स्य पदाधिकारी, कोडरमा।

PR 318335 Fish(23-24)D

कार्यालय नगर पंचायत कोडरमा।

अति अल्पकालिन ई – निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 08 / 2023–24

दिनांक 08.02.2024

क0 सं0	वार्ड सं0	कार्य का नाम	निविदा की राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
सडक परिवहन मद						
1	01	साधु यादव के दुकान से दिलीप दास के घर तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण कार्य।	1139600.00	22800.00	5000.00	03 Months
2	12	लखीबागी बसुन्धरा पेट्रोल पम्प के पिछे दुर्गा मण्डप के सामने से राजेश यादव के घर तक पी0सी0सी0 सडक निर्माण कार्य।	1153410.00	23100.00	5000.00	03 Months
नागरिक सुविधा मद						
3	14	जय नगर रोड रेलवे पुल से अरघोती नदी तक ढक्कन सहित नाली निर्माण कार्य।	1654900.00	33100.00	5000.00	03 Months
4	01	नगर पंचायत कोडरमा कार्यालय के सामने पार्क निर्माण कार्य एवं भगवान बिरसा मुण्डा का प्रतिमा अधिष्ठापन कार्य।	2047700.00	41000.00	5000.00	03 Months
5	05	अफताब पत्रकार घर के सामने से सोनु डीस वाला के घर तक आर0सी0सी0 नाली ढक्कन सहित निर्माण कार्य।	1612600.00	32300.00	5000.00	03 Months
6	08	भवानन्द सिंह के घर से (सरकारी चापाकल) नरेन्द्र पाल के घर होते हुए राजेन्द्र चौक तक आर0सी0सी0 नाला निर्माण।	1099300.00	22000.00	5000.00	03 Months
7	09	सहाना रोड लाला बाबु के घर से NH-31 तक आर0सी0सी0 नाला निर्माण कार्य।	1236400.00	24800.00	5000.00	03 Months
8	11	राजन साव के घर से NH-31 तक आर0सी0सी0 नाला का निर्माण।	1484500.00	29700.00	5000.00	03 Months
A	Date of Publication of Tender on website				12-02-2024	
B	Last Date / Time for receipt bid on online				20-02-2024	
C	Date of opening Tender				22-02-2024	
D	Name & Address of office inviting tender				Executive Officer Nagar Panchayat Koderma	
E	Helpline No.				+91-8434850985	

Note :-
- Only E-Tenders will be accepted.
- Further details can be seen on website- http://jharkhandtenders.gov.in
- E-procurement में Tender Fee एवं EMD की राशि ऑनलाईन सूचना प्रौधोगिकी एवं ई–गवर्नेस विभाग, झारखण्ड, राँची का आदेश ज्ञापांक – 120 दिनांक – 03.10.2023 एवं नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड राँची का पत्रांक 05 / विविध (e-tender)–12 / 2023 / न0वि0–4847 (अनु0) दिनांक – 11.10.2023 के तहत् ली जायेगी।

ह0 / –

प्रशासक नगर पंचायत कोडरमा

PR 318253 Urban Development(23-24)D

कोयला खान भविष्य निधि संगठन

संशोधित पेंशन पेमेंट ऑर्डर जारी करने की प्रक्रिया शुरू

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कोयला खान भविष्य निधि संगठन द्वारा दिवंगत सेवानिवृत्त कर्मियों के आश्रित विधवा/विधुर को पेंशन भुगतान की प्रक्रिया को सरल करते हुए संशोधित पेंशन पेमेंट ऑर्डर जारी करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। बता दें कि सेवानिवृत्त कर्मियों के विधवा/विधुर पेंशन भुगतान प्रक्रिया के सरलीकरण तथा परेशानी मुक्त पेंशन प्राप्त करने के उद्देश्य से सीएमपीएफओ द्वारा संशोधित पेंशन पेमेंट ऑर्डर जारी किये जाने की प्रक्रिया अपनायी जा रही है।

संशोधित पेंशन पेमेंट ऑर्डर प्राप्त करने के लिए पेंशन भोगी जिनके जीवनसाथी (पति/पत्नी) जीवित हैं उन्हें कोल इंडिया अनुषंगिक कंपनी के उस क्षेत्र में संपर्क कर निर्धारित फॉर्म में अपनी एवं अपने जीवनसाथी (पति/पत्नी) की जानकारी देनी होगी।

फॉर्म को पूर्णतः भरकर स्वयं एवं जीवनसाथी के आधार कार्ड, पैनकार्ड, संयुक्त बैंक बचत खाता पासबुक (जीवनसाथी के साथ फॉर्मर एवं सर्वाइवर मोड़ में) जिसमें पेंशन प्राप्त हो रही है की स्वसत्यापित प्रतिलिपि, सेवानिवृत्त के समय जारी पेंशन पेमेंट आर्डर की प्रतिलिपि एवं पेंशनर तथा जीवनसाथी के 3 संयुक्त छायाचित्र के साथ उस क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक के पास जमा करना होगा जहाँ से पेंशन भोगी सेवानिवृत्त हुआ है।

सेवानिवृत्त होने के पश्चात कोयला खान पेंशन योजना 1998 के तहत मासिक पेंशन का भुगतान कोयला खान भविष्य निधि संगठन के द्वारा किया जाता है। पेंशन भोगी की मृत्यु के उपरान्त विधवा/विधुर पेंशन भुगतान का प्रावधान है, जिसके लिए विधवा/विधुर को उस इकाई/खान में जाकर अपना पेंशन दावा एवं दस्तावेज जमा करना होता है जहाँ से पेंशन भोगी सेवानिवृत हुआ था।

कोल इंडिया उत्पादन लक्ष्य से 169.89 एमटी दूर

कंपनी	लक्ष्य	उत्पादन
बीसीसीएल	41.00	33.66
सीसीएल	84.00	64.75
ईसीएल	51.00	35.19
एमसीएल	204.00	166.11
एनसीएल	135.00	115.71
एसईसीएल	197.00	142.86
डब्ल्यूसीएल 51.87		68.00
एनईसी कुल	0.20	0.15
सीआईएल	780.20	610.31

रांची। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) उत्पादन लक्ष्य से 169.89 मिलियन टन (एमटी) दूर है। चालू वित्त वर्ष में जनवरी तक की स्थिति में सीआईएल का कुल उत्पादन 610.31 मिलियन टन तक पहुंचा है। टारगेट 780.20 मिलियन टन का है। सीआईएल का कोल डिस्पैच 619.77 मिलियन टन दर्ज हुआ है।

राज्य सूचना सेवा के 22 अधिकारी बदले, उर्वशी रांची की डीपीआरओ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड सूचना सेवा के 22 अधिकारियों का तबादला-पदस्थापन किया गया है। धनबाद की डीपीआरओ उर्वशी पांडेय को रांची का डीपीआरओ बनाया गया है। वहीं रांची डीपीआरओ प्रभात शंकर को रामगढ़ के डीपीआरओ बनाये गये हैं। चाईबासा की डीपीआरओ ईशा खंडेलवाल को कोल्हान प्रमंडल के उप जनसम्पर्क निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं उप जनसम्पर्क निदेशक पलामू प्रमंडल मेदिनीनगर के आनंद को उप जनसंपर्क निदेशक उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल हजारीबाग बनाया गया है। संजीव कुजूर उप जनसम्पर्क निदेशक उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल हजारीबाग को उप जनसम्पर्क निदेशक पलामू प्रमंडल मेदिनीनगर के पद पर पदस्थापित किया गया है। वहीं रश्मि सिन्हा को गिरिडीह से जामताड़ा तबादला किया गया है। इसी तरह सैयद राशिद अख्तर, डीपीआरओ खूंटी को सहायक निदेशक, जनसम्पर्क निदेशालय, रांची का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। प्रभात शंकर को रामगढ़ का डीपीआरओ बनाया गया है। सुनील कुमार सिंह को सरायकेला-खरसावां से धनबाद भेजा गया है। रवि कुमार को देवघर से कोडरमा, पलटू महतो को लोहरदगा से गुमला, अविनाश कुमार को गोड्डा से सरायकेला-खरसावां, राहुल कुमार भारती को बोकारो से देवघर, पंचानन उरांव को हजारीबाग से जमशेदपुर, शिवनंदन बड़ाईक को कोडरमा से लोहरदगा, रोहित कुमार को जमशेदपुर से हजारीबाग, रोहित कंडुलना को लातेहार से दुमका साकेत कुमार पांडेय को गढ़वा से बोकारो, असीम कुमार को रामगढ़ से पलामू, अंजना भारती को दुमका से गिरिडीह, चंदन को पाकुड़ से लातेहार, शकील अहमद को आदिवासी कार्यालय से स्थानांतरित करते हुए चतरा और शकील अहमद संपादक, आदिवासी कार्यालय रांची के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। इसके अलावा वैसे जिले जहां किसी पदाधिकारी का पदस्थापन नहीं किया गया है। वैसे जिलों में डीसी अपने स्तर से किसी पदाधिकारी को डीपीआरओ का अतिरिक्त प्रभार देंगे।

गैर भाजपा शासित राज्यों में राज्यपाल के रवैये के विरोध में सीपीएम ने निकाला आक्रोश मार्च

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। गैर बीजेपी शासित राज्यों में राज्यपाल के भेदभावपूर्ण रवैये के विरोध में गुरुवार को सीपीएम ने रांची में आक्रोश मार्च निकाला और राजभवन के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपना विरोध जताया।

मालूम हो कि राज्यों को मिले संवैधानिक अधिकारों का केंद्र सरकार द्वारा हनन किए जाने और गैर बीजेपी शासित राज्यों में राज्यपालों की सरकार विरोधी भूमिका के विरोध में गुरुवार को दिल्ली में केरल के मुख्यमंत्री और उनका पूरा कैबिनेट द्वारा दिये जा रहे धरना के समर्थन में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया मार्क्सवादी (सीपीएम) की झारखंड इकाई ने शहीद चौक से आक्रोश मार्च निकाला और राजभवन पर प्रदर्शन किया।

प्रकाश विप्लव और प्रफुल्ल लिंडा के नेतृत्व में निकले आक्रोश मार्च में केंद्र सरकार विरोधी नारे लगाकर प्रदर्शन किया गया। आक्रोश मार्च में शामिल प्रफुल्ल लिंडा ने कहा कि केरल की आम जनता के वोट से बनी लोकतांत्रिक सरकार ने जनहित के चार कानून विधानसभा से पास कर राजभवन भेजा था लेकिन वहां के राज्यपाल ने लेटलतीफी के साथ सिर्फ एक बिल को पास किया और बाकी के तीन कानूनों को केंद्र के पास भेज दिया। प्रफुल्ल लिंडा ने कहा कि जहां जहां विपक्षी दलों की सरकारें हैं वहां के राज्यपाल तानाशाह के जैसा व्यवहार कर रहे हैं। प्रकाश विप्लव ने कहा कि संविधान द्वारा प्रदत्त राज्यों के अधिकारों पर हमला किया जा रहा है। एक ओर जहां जीएसटी लगाकर राज्यों के रेवेन्यू को सीमित कर दिया गया है, तो दूसरी ओर केंद्र द्वारा विपक्षी दलों की सरकार वाले राज्यों की आर्थिक नाकेबंदी की जा रही है। आज मोदी सरकार द्वारा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग और विपक्ष शासित राज्यों में राज्यपालों की संविधान विरोधी भूमिका सार्वजनिक हो चुकी है।

सुप्रभात
रांची, शुक्रवार
09.02.2024
नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net माघ, कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी/ अमावस्या संवत 2080 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 207

06 तेलंगा खड़िया ने अंग्रेजी हुकूमत की चूल हिला दी

न्यूज डायरी

सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को उस कानूनी सवाल पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया कि क्या किसी राज्य सरकार को दाखिले और सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने के लिए अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) में उप-वर्गीकरण करने का अधिकार है।

मोदी जन्म से नहीं हैं ओबीसी : राहुल गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को पीएम मोदी की जाति को लेकर सवाल उठाया और तीखे अंदाज में देश की जनता को बताया कि श्री मोदी ओबीसी नहीं हैं। कहा कि श्री मोदी जाति से ओबीसी नहीं हैं बल्कि भाजपा की गुजरात इकाई ने उन्हें ओबीसी बनाया है इसलिए वह पिछड़ों के हितों के काम नहीं कर सकते हैं।

मुठभेड़ में घायल जवान की स्थिति खतरे से बाहर

रांची। चतरा जिले में अफीम विनष्टीकरण अभियान से लौट रहे सुरक्षाबलों और नक्सलियों से हुई मुठभेड़ में घायल आकाश सिंह की स्थिति खतरे से बाहर है। आकाश सिंह का आर्किड अस्पताल में इलाज चल रहा है। लालपुर थाना प्रभारी ने अदिकांत महतो ने बताया कि डॉक्टरों के अनुसार जवान की स्थिति खतरे से बाहर है।

मॉर्निंग वॉक कर रहे सब इंस्पेक्टर की मौत

पलामू। पाटन थाना में छह माह से कार्यरत अवर निरीक्षक राजनंदन यादव (54) मॉर्निंग वॉक के दौरान गिरकर बेहोश हो गये। उन्हें इलाज के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर में भर्ती किया गया। यहां करीब 10 मिनट इलाज के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

तेज रफ्तार कार से भिड़ी ट्रेलर, दो लोगों की मौत

चाईबासा। चाईबासा-सरायकेला मुख्य मार्ग पर पुंडीहासा (घाघरी) के पास बुधवार की रात में तेज रफ्तार कार ट्रेलर से टकरा गयी। इस हादसे में कार सवार दो महिलाओं की मौत हो गयी, जबकि दो लोग घायल हैं। कार चालक और उसके साथी को मामूली चोट है।

कोडरमा : तालाब में डूबने से महिला की मौत

कोडरमा। थाना के पीछे राजा तालाब में गुरुवार की सुबह तालाब में डूबने से एक महिला की मौत हो गयी। मृतका की पहचान रूबी देवी (47) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार पैर फिसल कर तालाब में डूबने से मौत बतायी जा रही है।

ट्रेन लूट की योजना बनाते 15 अपराधी गिरफ्तार

लातेहार। एसपी अंजनी अंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापामारी कर लातेहार से लुटेरा गिरोह के 15 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। ट्रेन लूट की योजना बना रहे गिरोह के पास से छह बंदूक और 20 जिंदा गोली भी बरामद हुआ है।

गहना आभूषण
सोना (बिक्री) : 58,900 रु./10 ग्राम
चांदी : 75,000 रु./प्रति किलो

श्वेत पत्र : घोटाला, महंगाई, बैंकिंग संकट यूपीए सरकार की देन

- **वित्त मंत्री ने यूपीए के कुप्रबंधन पर लोकसभा में रखा श्वेत पत्र**
- **एनडीए ने देश को उबारा, 2047 तक भारत बनेगा विकसित**

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में यूपीए सरकार के दस साल के कार्यकाल की अर्थव्यवस्था पर श्वेत पत्र पेश किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसे लोकसभा में पटल पर रखा। श्वेत पत्र में भ्रष्टाचार, घोटाला, महंगाई और बैंकिंग क्राइसिस के लिए यूपीए सरकार पर ठीकरा फोड़ा। श्वेत पत्र में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के 2004 से 2014 के कार्यकाल में आर्थिक विकास के ठप पड़ने, भ्रष्टाचार के आरोपों के साथ निवेशकों के भरोसे में कमी को लेकर हमला बोला गया। श्वेत पत्र में मोदी सरकार ने कहा, 2014 में उसे बेहद खराब हालत में अर्थव्यवस्था मिली थी पर अपने बेहतर प्रबंधन के जरिये सबसे तेज गति से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बना दिया है। भरोसा दिया गया है कि अमृतकाल की अभी शुरुआत हुई है और 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य है। हमारी सरकार ने दस वर्षों में यूपीए सरकार के पिछले दस वर्षों के आर्थिक कुप्रबंधन से हुई गड़बड़ियों को दूर कर दिया है। 2024 में, आत्मविश्वास और उद्देश्य ने 2014 के अविश्वास और नकारात्मकता की जगह ले ली है। **(शेष पेज 11 पर)**

तीन भागों में चर्चा : श्वेत पत्र में अर्थव्यवस्था की चर्चा तीन भागों में की गयी है। पहले भाग में यूपीए सरकार के दौरान 2004 से 2014 के बीच देश की अर्थव्यवस्था का जिक्र है। दूसरे भाग में यूपीए सरकार के दौरान हुए घोटालों का जिक्र है और तीसरे भाग में बताया गया है कि कैसे मोदी सरकार ने विरासत में मिली खराब अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे पिछले दस सालों में सुधारा है। अंतरिम बजट के दौरान ही वित्त मंत्री ने श्वेत पत्र लाने की बात कही थी।

नाजुक हालत में मिली अर्थव्यवस्था : श्वेत पत्र में सरकार ने बताया है कि कैसे 10 साल पहले 2014 में जब मोदी के नेतृत्व में एनडीए ने सत्ता संभाली, तो उसे अर्थव्यवस्था बेहद नाजुक हालत में मिली थी। पब्लिक फाइनेंस बुरी अवस्था में था, आर्थिक मैनेजमेंट का बुरा हाल था, वित्तीय अनुशासनहीनता व्याप्त थी साथ ही भ्रष्टाचार का तब बोलबाला था। भारत में निवेश करने वाले निवेशकों का भरोसा डगमगा चुका था। ऐसे में मोदी सरकार के सामने अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की सबसे बड़ी चुनौती थी। फिर भी 10 सालों में 2014 से पहले की अवधि की सभी चुनौतियों पर अपने शानदार इकोनॉमिक मैनेजमेंट और गवर्नेंस के जरिए मोदी सरकार उसपर पार पाने में सफल रही। यूपीए के कार्यकाल में 2010 से लेकर 2014 तक पांच साल की अवधि में महंगाई दर दहाई अंकों में जा पहुंची थी।

मोदी सरकार के 10 साल अन्याय काल : खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र में पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 10 साल के कार्यकाल को अन्याय काल करार दिया। उन्होंने कहा कि वह गैर-भाजपा शासित राज्यों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार करती है और उन्हें समय पर पैसा नहीं देती। श्री खड़गे ने गुरुवार को यहां अपने आवास पर संवाददाता सम्मेलन में एनडीए सरकार के 10 साल के कार्यकाल पर 57 पेज का ब्लैक पेपर जारी करते हुए इसे अन्याय काल नाम दिया है। कहा कि मोदी सरकार अपनी कामयाबी का बखान करने और नाकामयाबी को छुपाने में महारत हासिल है। सदन में जब हम बोलते हैं, तब उसे महत्व नहीं दिया जाता है। इसलिए हम ब्लैक पेपर निकालकर जनता को सरकार की विफलताओं के बारे में बताना चाहते हैं। श्री खड़गे ने कहा- अभी बड़ा मुद्दा बेरोजगारी, महंगाई है, पर मोदी सरकार इसकी बात कभी नहीं करती। वे कभी पंडित नेहरू की उपलब्धियों के बारे में कभी नहीं बताते। पीएम सामाजिक न्याय की सिर्फ बातें करते हैं लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ नहीं करते। पीएसयू की बात करते हैं लेकिन पीएसयू को बर्बाद कर रहे हैं क्योंकि पीएसयू बनते तो वहां एससी, एसटी, ओबीसी और आदिवासियों को रोजगार मिलता। जिस राज्य में भाजपा का शासन नहीं है, वहां मनरेगा का पैसा भी नहीं देती और बाद में कहती है कि पैसा रिलीज किया गया, लेकिन खर्च नहीं किया गया। ब्लैक पेपर में मोदी सरकार के 10 साल में युवाओं, महिलाओं, किसानों, अल्पसंख्यकों और श्रमिकों पर हुए अन्याय का जिक्र किया। भाजपा के इस काल में बेरोजगारी 45 वर्षों में सबसे अधिक पहुंच गयी है। किसान संकट में हैं, पर पीएम के पूंजीपति मित्रों की समृद्ध करने के लिए संसद के माध्यम से तीन कृषि कानूनों को पारित किया गया। इन काले कानूनों के खिलाफ आवाज उठाते हुए 700 किसान शहीद हुए।

हेमंत प्रकरण में राजभवन की कोई भूमिका नहीं : राज्यपाल

सभी आरोप गलत, खुद आकर सौंपा इस्तीफा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने पहली बार गुरुवार को हेमंत सोरेन के इस्तीफे और गिरफ्तारी पर पर अपनी बात रखी। 31 जनवरी की रात हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी में राजभवन की भूमिका और साजिश से जुड़े आरोपों को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि इस पूरे प्रकरण में राजभवन की कोई भूमिका नहीं थी। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि 31 जनवरी को पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के साथ जितने लोग आये थे, वे सभी जानते हैं कि हेमंत सोरेन ने 31 जनवरी को राजभवन आकर खुद इस्तीफा सौंपा था। मैंने उन्हें इस्तीफा देने को नहीं कहा था।

राज्यपाल के अनुसार 31 की शाम इडी की टीम ने उनके प्रधान सचिव को फोन पर सूचित किया था कि हेमंत सोरेन को कस्टडी में लिया गया है। फिर मुख्य सचिव एल खियांग्ते ने भी उनके प्रधान सचिव को फोन किया और कहा कि इडी ने हेमंत सोरेन को कस्टडी में ले लिया है। अब वह राजभवन आकर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहते हैं। इसी दौरान मुख्य सचिव ने आग्रह किया कि हेमंत सोरेन के साथ पांच लोग राजभवन जाना चाहते हैं, इसकी स्वीकृति भी दे दी गयी।

खुद इस्तीफा सौंपा था : राज्यपाल ने कहा कि इडी ने हेमंत सोरेन को हिरासत में ले लिया था, इस बात का जिक्र खुद हेमंत सोरेन ने अपने इस्तीफे में किया है। उन्होंने बताया था कि उन्हें ईडी ने हिरासत में ले लिया है, इसलिए मैं इस्तीफा देना चाहता हूं। मैंने कहा तो ठीक है, मैं मानने को तैयार हूं। इसके बाद मैंने इस्तीफा स्वीकार कर लिया। राज्यपाल ने बताया कि वो तीन घंटे से तत्कालीन सीएम हेमंत सोरेन इंतजार कर रहे थे। जब वह आये और इस्तीफा सौंपा तो उसे स्वीकार कर लिया। ऐसे में राजभवन पर लग रहे आरोपों का कोई आधार नहीं है। यह तो हेमंत सोरेन के बाहर आने के बाद ही साबित हो पायेगा।

राजभवन संविधान का रक्षक : उन्होंने कहा कि अगर लोग राजनीतिक लाभ के लिए कुछ करना चाहते हैं, तो हम क्या कर सकते हैं। संवैधानिक प्राधिकारी के रूप में हम यहां संविधान की रक्षा के लिए हैं। और जब वे आरोप लगा रहे हैं, तो सबूत कहा है? कुछ दैनिक समाचार पत्रों ने भी लेख में लिखा है कि राज्यपाल ने राष्ट्रपति शासन की सिफारिश की थी।

संविधान के तहत किया है कार्य

राज्यपाल ने चंपाई सोरेन को सरकार बनाने के लिए आमंत्रण देने में वक्त लगने की वजह बतायी। उन्होंने कहा कि संविधान के तहत उन्होंने कार्य किया है। उन्हें कई कॉल आये, जिसमें कहा गया कि वे चंपाई सोरेन सरकार को समर्थन नहीं दे रहे हैं। इस पर निर्णय लेने के बाद उन्होंने सरकार बनाने का न्योता भेजा। वहीं झारखंड में वीसी (कुलपति) की नियुक्ति पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि जल्द ही वे इस पर निर्णय लेंगे। उनकी कोशिश है कि अच्छे लोग आयें, ताकि विश्वविद्यालयों की स्थिति और बेहतर हो सके। विवि में शैक्षणिक स्तर उत्कृष्ट हो, इस दिशा में वे कार्य कर रहे हैं।

आवंटित खनिज ब्लॉकों में जल्द खनन कार्य करें शुरू : सीएम

जो कंपनी रुचि नहीं ले रहीं शोकॉज कर आवंटन रद करें

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने गुरुवार को खान एवं भूतत्व विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में कार्य प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि खनन कार्य में रुचि नहीं लेनेवाली कंपनियों को शोकॉज करें उनका आवंटन रद करें। सीएम ने कहा कि पूर्व से आवंटित खनिज ब्लॉकों में जल्द से जल्द खनन कार्य शुरू करायें। फॉरेस्ट क्लीयरेंस के कार्य समय से पूरा करें। विभाग द्वारा चिन्हित 10 विभिन्न खनन ब्लॉक को जल्द चालू करायें। उन्होंने कहा कि खनन विभाग राजस्व का एक मुख्य स्रोत माना जाता है।

सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वैसे खनन ब्लॉक जिनकी नीलामी अथवा आवंटन हो चुका है, उन खनन ब्लॉकों को जल्द से जल्द चालू किया जाये। खनन कार्य का जिम्मा जिस कंपनी या संस्थान को आवंटित है, उनके साथ बैठक कर कार्य शीघ्र प्रारंभ करायें। उन्होंने अधिकारियों से राज्य के विभिन्न खनिज ब्लॉकों की नीलामी करने संबंधित कार्य प्रगति की जानकारी ली। साथ ही इस माह के अंत तक खनन विभाग द्वारा चिह्नित 10 विभिन्न खनन ब्लॉक के नीलामी अथवा आवंटन प्रक्रिया को पूरा करने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। **(शेष पेज 11 पर)**

खान एवं भूतत्व विभाग की समीक्षा बैठक

- **चिह्नित खनन ब्लॉक को जल्द चालू करें**
- **उपभोक्ताओं को बालू संकट नहीं होने दें**

मार्च तक नीलामी प्रक्रिया पूरी करें

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि मार्च माह 2024 तक मेजर तथा माइनर खनिज ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया से संबंधित सभी कार्यवाही पूरा कर ली जाये। वैसे कोल ब्लॉक जिनकी नीलामी हो चुका है पर खनन कार्य शुरू नहीं हुआ है, उन सभी कोल ब्लॉकों में खनन कार्य अविलंब चालू करायें। खनन कार्य विलंब होने से राजस्व का नुकसान होता है। फॉरेस्ट क्लीयरेंस के लिए प्रधान सचिव वन विभाग के साथ बैठक कर समन्वय स्थापित करते हुये सभी प्रक्रिया पूरा करें।

जल्द नियुक्ति करें जियोलॉजिस्ट

सीएम ने कहा कि खनन विभाग में जियोलॉजिस्ट के स्वीकृत पद के आलोक में कार्यहित को देखते हुए वर्तमान में संविदा पर नियुक्ति करें तथा नियमित नियुक्ति के लिये जेपीएससी को अधियाचना भेजें।

हल्द्वानी में हिंसा, कर्फ्यू गोली मारने का आदेश

एजेंसी

हल्द्वानी। उत्तराखंड के हलद्वानी में अवैध मस्जिद-मजार के ध्वस्त होने के बाद बवाल हुआ और इस दौरान आगजनी की घटनाओं को देखते हुए कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने के आदेश दे दिये गये हैं। वहीं इस घटना को लेकर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उच्च स्तरीय बैठक के बाद यह आदेश जारी कर दिया है। बिगड़ते हालात को देखते हुए उत्तराखंड सरकार ने हल्द्वानी में कर्फ्यू घोषित करते हुए ही दंगा करने वालों के खिलाफ यूएपीए के अंतर्गत कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। वहीं सीएम धामी ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के साथ हालात की समीक्षा की और लोगों से शांति बनाये रखने की अपील की। उत्तराखंड सरकार ने घटना के बाद इलाक में पैरामिलिट्री फोर्स तैनात कर दी है। थाना बनभूलपुरा के पास मलिक के बगीचे में अवैध मदरसे और नमाज स्थल को तोड़ने के दौरान बवाल हुआ। जब नगर निगम की टीम जेसीबी लेकर पहुंची तो इसी दौरान वहां मौजूद उपद्रवियों ने प्रशासन, पुलिस और पत्रकारों के ऊपर पत्थर बाजी की। इसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गये। उपद्रवियों ने पुलिस, नगर निगम और पत्रकारों की गाड़ियों में भी आग लगा दी। पुलिस की गाड़ी में आग लगा दी। हालात बेकाबू हैं और पुलिस द्वारा कई राउंड की फायरिंग भी की गयी है।

दिल्ली में जब्त बीएमडब्ल्यू कार का संबंध धीरज साहू से

कांग्रेस सांसद से पूछताछ करेगी इडी, कल बुलाया

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) की चल रही कार्रवाई की जद में कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू भी आ गये हैं। इडी ने उन्हें 10 फरवरी को रांची स्थित रिजनल ऑफिस में पूछताछ के लिए बुलाया है। उनका बयान दर्ज होगा। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 29 जनवरी को पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के नयी दिल्ली स्थित आवास से बरामद बीएमडब्ल्यू कार के सिलसिले में इडी उनसे पूछताछ करेगी।

बरामद कार का कनेक्शन कांग्रेस के धीरज साहू के साथ सामने आया है। इडी सूत्रों के मुताबिक कार को धीरज साहू ने ही भिजवाया था। छापेमारी के दौरान ईडी की टीम ने एक हरियाणा नंबर की बीएमडब्ल्यू कार जब्त कर साथ ले गयी थी। वह कार कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मानेसर के आवास के पते पर रजिस्टर थी। ईडी की टीम सासंद धीरज साहू के मानेसर स्थित आवास पर पहुंचकर इसकी पुष्टि भी कर चुकी है। इसके बाद ही इस मामले में इडी ने सांसद धीरज साहू को पूछताछ के लिए समन भेजा है। सूत्रों के अनुसार इडी ने 7 फरवरी को गुरुग्राम के करदारपुर गांव में उस परिसर पर छापा मारा, जिसके पते पर यह हरियाणा नंबर प्लेट वाला स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) रजिस्टर्ड था। **(शेष पेज 11 पर)**

अब परमानेंट एनडीए में ही रहूंगा : नीतीश

एजेंसी

पटना। दो दिन के दिल्ली दौरे के बाद नीतीश कुमार गुरुवार शाम पटना पहुंचे। एयरपोर्ट पर लैंड होते हुए उन्होंने एनडीए में ही स्थायी रूप से रहने को लेकर फिर बयान दिया। उन्होंने कहा कि मैं पहले ही बता चुका हूं कि हम (भाजपा-जदयू) पहले एक साथ थे। बीच में भले ही दो बार मैं इधर-उधर हो गया, लेकिन अब एक बार फिर मैं एनडीए आ गया हूं। अब मैं परमानेंट यहीं रहूंगा। 12 की चिंता मत करिये, सरकार हर हाल में बहुमत सिद्ध कर लेगी। वहीं राजद ने कहा कि देखते जाइए 12 को शक्ति परीक्षण में बड़ा खेला होगा। नीतीश से यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने दिल्ली में पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और बीजेपी प्रमुख जेपी नड्डा के साथ हुई बैठक में किसी विशेष पैकेज का मुद्दा उठाया था। इस पर उन्होंने कहा कि बिहार के विकास के बारे में चिंता न करें। हम इसके लिए काम कर रहे हैं। 2005 से बिहार का विकास हो रहा है।

राजद बोला-12 को होगा बड़ा खेला होगा : बिहार में 12 फरवरी को नीतीश सरकार की अग्नि परीक्षा। उसी दिन फ्लोर टेस्ट होने वाला है। इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दिल्ली जाकर पीएम मोदी , लालकृष्ण आडवाणी अमित शाह और जेपी नड्डा से बारी बारी से मिले। इन मुलाकातों के इस सिलसिले पर राजद ने बड़ा हमला किया है। कहा है कि बिहार सीएम को डर है इसलिए दिल्ली दरबार लगा रहे हैं क्योंकि 12 तारीख को बड़ा खेला होने वाला है। पार्टी के विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा है कि अभी राज को राज रहने दीजिये।

राहत : रेपो रेट यथावत, नहीं बढ़ेगी इएमआइ

आरबीआइ ने नहीं किया बदलाव, 6.5 फीसदी पर कायम

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक के बाद गुरुवार को आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास रेपो रेट घोषणा की कि एमपीसी ने रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया है। रिजर्व बैंक ने स्थिर रुख बरकरार रखते हुए पिछले साल के लिए रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। आखिरी बदलाव फरवरी 2023 में हुआ था जब वैश्विक आर्थिक

गतिशीलता से प्रेरित मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए बेंचमार्क दर 6.25 फीसदी से बढ़ा दी गयी थी।

आर्थिक स्थिरता बढ़ी : मौजूदा प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच, सार्वजनिक लोन का ऊंचा स्तर उन्नत देशों सहित देशों में व्यापक आर्थिक स्थिरता के मुद्दों को बढ़ा रहा है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि नए आपूर्ति झटकों पर सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस साल हेडलाइन मुद्रास्फीति काफी अस्थिरता के साथ ऊंची बनी हुई है। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए, सभी खुदरा और एमएसएमई लोन को कवर करने के लिए फैक्ट डिटेल्स की आवश्यकता को बढ़ाया जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा कि बैंकों को इस कार्रवाई का अनुपालन करने के लिए कुछ समय मिलेगा।

श्री दास ने कहा कि आरबीआइ इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के लिए संशोधित नियामक ढांचा जारी करेगा। शक्तिकांत दास ने कहा कि चालू खाता घाटा काफी हद तक प्रबंधनीय होने की उम्मीद है। श्री दास ने मौद्रिक नीति पैनल बैठक के नतीजे की घोषणा करते हुए कहा कि 2 फरवरी, 2024 को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 622.5 बिलियन डॉलर था। मौद्रिक नीति घोषणाओं के दौरान 10-वर्षीय बेंचमार्क बांड उपज 1 बीपीएस से अधिक बढ़कर 7.0738 फीसदी हो गयी। **(शेष पेज 11 पर)**

हिंदी बेल्ट के दस राज्यों से ही एनडीए बहुमत के करीब

बोनस मिलाकर 300 पार, लोकसभा चुनाव पूर्व सर्वे रिपोर्ट

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के ओपिनियन पोल के मुताबिक भाजपा अकेले हिंदी पट्टी के ही 10 राज्यों से 205 सीटें पा सकती है। गुजरात और महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों में भी उसके अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। इंडिया टुडे और सीवोटर का सर्वे के अनुसार, 2024 लोकसभा चुनाव में एनडीए को 56 प्रतिशत वोट शेयर मिल सकता है। सर्वे में इंडिया गठबंधन को वोट शेयर में नुकसान होता हुआ दिखाई दे रहा है। इसके अलावा दूसरी पार्टियों को 14 प्रतिशत वोट मिल सकता है। इंडिया टुडे के 'मूड ऑफ द नेशन' सर्वे के मुताबिक भाजपा को हिंदी पट्टी कहे जाने वाले 10 राज्यों में बड़ी बढ़त हासिल हो रही है। अकेले इन्हीं राज्यों से वह 205 सीटें हासिल कर लेगी। इन राज्यों में यूपी, बिहार, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, हिमाचल और उत्तराखंड शामिल हैं। **(शेष पेज 11 पर)**

आज का राशिफल
09 फरवरी 2024

विक्रम संवत 2080, शक संवत 1945। ऋतु : शिशिर। सूर्य उत्तरायण। मास : माघ, पक्ष : कृष्ण, तिथि : चतुर्दशी 08:03 बजे तक, तदनंतर अमावस्या 04:29 बजे प्रातः में समाप्त। नक्षत्र : श्रवण 23:29 बजे रात्र में समाप्त। योग : व्यतीपात 19:07 बजे को समाप्त। करण : शकुनि 08:03 बजे तक, चतुष्पद 18:18 बजे तक, तदनंतर नाग 04:29 बजे प्रातः में समाप्त। सूर्य : मकर राशि में। चंद्रमा : मकर राशि में दिन-रात। दिशाशूल : पश्चिम।

मेष : व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम संपन्न हो जाएंगे।

वृष : आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी।

मिथुन : आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। मातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

कर्क : व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है।

सिंह : खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें।

कन्या : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने को अधिक सक्रिय पायेंगें।

तुला : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है।

वृश्चिक : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे।

धनु : कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में धन व्यय होगा।

मकर : परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

कुंभ : शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी।

मीन : आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा।

वैश्विक स्तर पर झारखंडी भाषाओं का विकास सुनिश्चित हो : डॉ साहु

रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय में मनायी गयी प्रफुल्ल कुमार राय की 98वीं जयंती

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय में नागपुरी भाषा विभाग की ओर से गुरुवार को नागपुरी भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार प्रफुल्ल कुमार राय की जयंती मनायी गयी। प्रफुल्ल जयंती के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो त्रिवेणी नाथ साहु उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि आज का दिन संकल्प लेने का दिन है। नागपुरी भाषा साहित्य के उतरोत्तर विकास में नागपुरी भाषा के मूर्धन्य साहित्यकार प्रफुल्ल कुमार राय का बहुत ही बहुमूल्य योगदान रहा है। भाषा के प्रति उनकी जो श्रद्धा और सोच थी उस सपनें को हम सभी को मिलकर, बगैर किसी भेदभाव के, निःस्वार्थ भाव के साथ साकार रूप देने की आवश्यकता है। आज हम सफल हैं और जिस मुकाम पर हैं वहां तक पहुंच पाने में हमारी मातृभाषा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। और ये संभव हो पाया प्रफुल्ल दा कल्पना, परिकल्पना व भाषा के सर्वांगीण विकास के लिए नौ जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा की स्थापना से। इन्होंने झारखंडियो को जगाने व चेताने का काम किया।

डॉ साहु ने कहा कि भाषाओं को विकसित करना है तो हमें अपनी दृष्टि नहीं बल्कि दृष्टिकोण को बदलना होगा। हमारी कोशिश है कि वैश्विक स्तर पर झारखंडी भाषाओं का विकास सुनिश्चित हो, इसके लिए झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय में जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा की पढ़ाई शुरू किया है। उन्हेंने कहा कि फैकल्टी की बहाली जल्द किया जायेगा। इसके लिए रोस्टर बनाकर भेजा जा चुका है।

अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवेश कराते हुए नागपुरी विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ सविता

केशरी ने प्रफुल्ल कुमार राय के साहित्यिक व सांस्कृतिक परिदृश्य को उजागर करते हुए कहा कि हम नागपुरी भाषा भाषी ऐसे महान व्यक्ति को पाकर धन्य हैं। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए टीआरएल संकाय के समन्वयक डॉ हरि उरांव ने कहा कि आज का दिन अविस्मरणीय दिन है। उन्होंने कहा कि प्रफुल्ल दा ने नौकरी करने के साथ साथ गायन, वादन, लेखन के साथ साथ सामाजिक चिंतक भी थे। विभाग जाति व समाज का उन्होंने अध्ययन किया। उनके आदर्शों को हमें अपने जीवन में उतारने की जरूरत है। विशिष्ट अतिथि डॉ खालिक अहमद ने कहा कि प्रफुल्ल कुमार राय की कविता आब नागपुर चुप नइ रही, आब नागपुर बोली, को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रफुल्ल दा जैसे सख्त का मिलना मुश्किल है। डॉ अहमद ने सभी छात्र छात्राओं व लेखकों को अपनी मातृभाषा में अधिक से अधिक लेखन कार्य करने के साथ साथ अपने हक और अधिकार के लिए सजग रहने की बात कही। विशिष्ट अतिथि डॉ नाफर अली ने कहा कि प्रफुल्ल कुमार राय अपने आप में एक अथाह समुद्र थे। उनका मुकाबला नहीं। हमें प्रफुल्ल दा के जीवन संघर्ष से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

डॉ दिनेश कुमार दिनमणि ने प्रफुल्ल कुमार राय को याद करते हुए कहा कि जो दायित्व प्रफुल्ल दा ने सौंपा है उस दायित्व को निश्छल भाव से पूरा करना चाहिए। हम अपने अस्मिता को बचाये. जिससे कि हमारा अस्तित्व बच सके. डॉ दिनमणि ने बांचय राखा बहुत कुछ बांचल हय दुखु बूढ़ा ठीन कविता का पाठ भी प्रस्तुत किया। संकाय के शोधार्थी नमिता पूनम ने प्रफुल्ल कुमार राय के जीवन व साहित्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। संचालन विकी मिंज व धन्यवाद डॉ रीझू नायक ने किया। मौके पर डॉ गीता कुमारी सिंह, मनय मुंडा, डॉ रामकिशोर भगत, डॉ. बीरेन्द्र कुमार महतो, डॉ रीझू नायक, तारकेश्वर मुंडा, डॉ किशोर सुरीन, करम सिंह मुंडा, डॉ बंदे खलखो, डॉ दिनेश कुमार दिनमणि, डॉ सरस्वती गागराई, डॉ नरेंद्र कुमार दास, जयप्रकाश उरांव, गुरुचरण पूर्ति, युगेश प्रजापति, आलोक कुमार मिश्रा, प्रवीण कुमार सिंह, रवि कुमार, युवराज साहु, श्रीकांत गोप, संदीप कुमार महतो, सुखराम उरांव, सरिता, जगदीश, चन्द्रिका कुमारी, श्यामसुंदर, बब्लू कुमार साहु, विष्णु पदा महतो, रवि कुमार, प्रवीण कुमार के अलावे बड़ी संख्या में भाषा प्रेमी, साहित्यकार, शोधार्थी और छात्र-छात्रायें मौजूद थे।

रांची विश्वविद्यालय में आज होगा 3 दिनी यूथ फेस्टिवल का आगाज

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रांची विश्वविद्यालय में शुक्रवार से तीन दिन यूथ फेस्टिवल का आयोजन किया गया है। यूथ फेस्टिवल रीझ रंग 2024 के नाम से जाना जाएगा। इसका आयोजन रांची विश्वविद्यालय के मोराबादी कैंपस में किया जाएगा। इससे संबंधित आदेश कल्चरल कमेटी के अध्यक्ष ने जारी कर दिया गया है।

उन्होंने कहा है कि विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों के प्राचार्य अपने-अपने कॉलेज से कल्चरल टीम को इसके लिए तैयार करेंगे। गूगल के माध्यम से इसके लिए कल्चरल कमेटी का निबंध होगा। अधिक जानकारी के लिए डॉ किशोर सुरीन और सुजीत कुमार शर्मा से उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। इस यूथ फेस्टिवल में लिटरेरी इवेंट्स, फाइन आर्ट, डांस और म्यूजिक का आयोजन होगा। फाइन आर्ट्स में पोस्टर मेकिंग, कार्टूनिंग, रंगोली, मेहंदी और स्पॉट फोटोग्राफी होगा। वहीं लिटरेरी इवेंट्स में एलोक्यूशन और क्विज होगा। डांस में बच्चे खूब मस्ती करेंगे। इसमें फोक डांस, ट्राइबल डांस और क्लासिकल डांस होगा। वहीं म्यूजिक में क्लासिकल वोकल सोलो तो ग्रुप सॉन्ग में इंडियन, ग्रुप सॉन्ग, वेस्टर्न, वेस्टर्न वोकल सोलो आदि का आयोजन होगा।

जिला परिषद की स्थायी समिति ने की समीक्षा बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जिला परिषद स्थाई समिति की बैठक गुरूवार को परिषद के सभागार में हुई। बैठक में स्थाई समिति के कृषि और उद्योग विभाग के सभापति आदिल अजीम और शिक्षा स्वास्थ्य विभाग के अध्यक्ष ने विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक में कृषि, उद्योग शिक्षा और स्वास्थ्य की सारी योजनाओं पर क्या-क्या काम चल रहा है और लक्ष्य पर क्या काम हुआ है, इस पर चर्चा की गई। किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए कई तरह के योजना चल रही है, उसपर भी चर्चा की गई। जिला परिषद के 6 स्थाई समिति के सदस्यों ने कहा कि जिला परिषद द्वारा लक्ष्य के विरुद्ध काम कम हुआ है। इस पर अधिकारियों ने कहा कि हर योजना पर कई सारी समस्याएं हैं। जिसे दूर कर लक्ष्य को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। जिला परिषद के द्वारा कृषि ऋण, समेत कई लोन पर भी चर्चा की गई और उस पर आ रही परेशानियों को दूर करने का आदेश दिया गया।

केंद्रीय परिवहन विभाग को सीएनजी ऑटो चालक महासंघ ने सौंपा ज्ञापन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी के नेतृत्व में गुरूवार को केन्द्रीय परिवहन मंत्रालय नई दिल्ली को ऑटो चालकों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

इस ज्ञापन के माध्यम से कई मांगों को रखा गया हैं। जिसमें प्रमुख रूप से झारखंड में परमिट की समस्या, ऑटो पडाव की समस्या सहित अन्य मांगों को रखा गया है। इस मौके पर इंडियन कन्फेडरेशन आफ लेबर के राष्ट्रीय महासचिव अवतार सिंह राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मेहरात, सदस्य भोला नाथ एवं राष्ट्रीय निर्माण मजदूर संघ के सदस्य दिव्यानी मौजूद थी।

दो साइबर अपराधी लखनऊ से गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। अपराध अनुसंधान विभाग (सीआइडी) की साइबर क्राइम थाना ने दो साइबर अपराधियों को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में राहुल त्रिपाठी और देव प्रकाश शामिल हैं। इनके पास से दो मोबाइल फोन, चार सिम कार्ड, एक आधार कार्ड, एक पैन कार्ड, एक चेक बुक, एक एटीएम कार्ड और मोबाइल से मामले के ट्रांजेक्शन के साक्ष्य बरामद किये गये है।

साइबर डीएसपी नेहा बाला ने गुरुवार को बताया कि सात दिसंबर को 2023 को एक युवती ने साइबर काइम थाने में मामला दर्ज कराया था। दर्ज मामले में बताया गया था कि युवती से टेलीग्राम के माध्यम से संपर्क किया गया, जिसमें लूडो और फिशडोम को लाइक कर स्क्रीन शॉट भेजने का पार्ट टाइम जॉब ऑफर किया गया। इसके पश्चात उन्हें टेलीग्राम प्रोफाइल पर रजिस्टर कर वीडियो लाइक करने का काम दिया गया। उक्त टेलीग्राम प्रोफाइल के माध्यम से दिये गये टास्क को करने के लिए इन्हें विभिन्न बैंक खाताओ में पैसे डालने को बोला गया। फिर उनसे यह कहा गया कि पैसे को क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर दिया जायेगा। इससे मिलने वाले लाभ को ग्लोबल कम्पनी के साइट पर दिखाया जायेगा।

इसके बाद युवती को इन्वेस्ट किये हुए पैसे फेक वेवसाइट में दिखना शुरू हो गया, जिससे वह झांसे में आ गयी। झांसा में लेने के लिए इनके एकाउंट में कुछ पैसे डाले गये लेकिन बाद में पैसे डालना बंद कर दिया गया। इस तरह से इनके साथ कुल 63 लाख 98 हजार 824 रुपये का साइबर ठगी कर ली गयी। इस अपराध को करने के लिए इसके लिए युवती से अलग-अलग बैंक खाताओ में यूपीआइ के माध्यम से पैसे डालने को कहा गया।

फाइनेंसियल ट्रेल एनालिसिस में फेक कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड कंपनी राजस्थान, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के बैंक खाता पाये गये। इसमें करोड़ो रुपये के ट्रांजेक्शन किये गये थे।

श्री कृष्ण प्रणामी ने किया गर्म कपड़ों का वितरण

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी ट्रस्ट ने ठंड के मौसम को दखते हुए गुरूवार को गर्म कपड़ो का वितरण किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल व सचिव मनोज चौधरी के देखरेख में राजधानी के आसपास के गाँवो एवं गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले जरूरतमंदों के बीच ट्रस्ट ने लगभग 6000 से ज्यादा कम्बल एवं उनी वस्त्रों का निःशुल्क वितरण किया गया। गाँव और आसपास के स्लम एरिया के कमजोर वर्ग के आये हुए महिलाओ और पुरुषों के बीच ऊनी वस्त्र (टोपी-मोजा मफलर व कंबल आदि) का वितरण किया गया।

जाति को लेकर पीएम पर सवाल उठाना हास्यास्पद : राजेंद्र प्रसाद

खबर मन्त्र ब्यूरो

तेली जाति देश के सभी राज्यों में ओबीसी में है शामिल

रांची। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद और मोर्चा के नेता अमित साहू ने कांग्रेस के पुर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री के जाति पर सवाल उठाने पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोढ़ घांची तेली जाति से आते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें मालूम होना चाहिए कि देश के सभी राज्यों में तेली समाज अति पिछड़ी जाति में शामिल है। ऐसे में प्रधानमंत्री के जाति पर सवाल उठाना हास्यास्पद है। प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी प्रतिपक्ष के नेता हैं और वे जातीय जनगणना करने की मांग कर रहे हैं जो स्वागत योग्य है लेकिन तेली समाज ओबीसी नहीं है कहना हास्यास्पद है। राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि प्रतिपक्ष के नेता होने के नाते उन्हें यह कहना चाहिए था कि प्रधानमंत्री ओबीसी होकर जातीय जनगणना क्यों नहीं करना चाहते हैं? ना कि उनके जाति तेली पर सवाल उठाना चाहिए । प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी को उनके सलाहकार सही जानकारी नहीं देते हैं। बताया कि वे स्वयं प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जातीय जनगणना करने का आग्रह कर चुके हैं।

सेंट माइकल पब्लिक स्कूल का मना 25वां वार्षिक खेलकूद दिवस

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सेंट माइकल पब्लिक स्कूल न्यू अशोक नगर के बच्चों के बीच अरगोड़ा मैदान में 25वां वार्षिक खेल-कूद दिवस धूमधाम से गुरूवार को मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों के द्वारा डम्बल, लेजियम, विभिन्न आकृतियों पर आधारित ड्रिल, पि.टी एवम पिरामिड आदि प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने बच्चों के क्रिया-कलाप, प्रस्तुति और अनुशासन की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए अपने संबोधन में खेल के महत्व को बताया कि हमारे जीवन में खेल का महत्वपूर्ण योगदान है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में संजीव विजयवर्गीय, अरूण कुमार झा, महानगर बीजेपी अध्यक्ष वरुण साहू और अरगोड़ा मंडल अध्यक्ष मुनेश्वर साहू मौजूद थे।

57700 मानदेय करने के लिए अतिथि शिक्षकों ने कुलपति को दी बधाई

खबर मन्त्र ब्यूरो

वीसी से मिला शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल

रांची। रांची विश्वविद्यालय में वर्ष 2015 से कार्यरत अतिथि शिक्षक समान कार्य समान वेतन की मांग को लेकर पिछले कई दिनों से धरने पर थे। इनकी मांगों को लेकर रांची विश्वविद्यालय के द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। अब इन्हें भी 57700 मानदेय का भुगतान किया जायेगा।

इस अवसर पर शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल कुलपति से मुलाकात कर उन्हें पौधा देखकर धन्यवाद दिया। संघ के अध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने कहा कि कुलपति अजीत कुमार सिन्हा ने हमें हमारा सम्मान लौटाया है। इसके लिये हम सभी शिक्षक विश्वविद्यालय के प्रति आभारी हैं। मौके पर विश्वविद्यालय के कुल सचिव विनोद नारायण, डीएसडब्ल्यू डॉक्टर सुदेश कुमार साहू तथा प्रॉक्टर मुकुंद कुमार मेहता को भी पौधा देकर धन्यवाद दिया गया। मालूम हो कि आवश्यकता आधारित सहायक अध्यापकों के अनुरूप ही पहले से कार्यरत अतिथि शिक्षकों को भी मानदेय का भुगतान किया जाना था। इसी के आधार पर सभी शिक्षक अपनी मांगों को लेकर धरना पर बैठे थे। इस अवसर पर अंकित कुमार शर्मा, विकास कुमार, डॉ राजु हजाम, डॉ जमील, डॉ रंजू कुमारी, डॉ ज्योति डुंगडुंग, अभिषेक आर्यन, निहारिका महतो, चक्षु पाठक, निशा कुमारी, मनमोहन टुडू आदि भी उपस्थित थे।

झारखंड में कल से धर्म रक्षा निधि समर्पण अभियान चलायेगी विहिप

विश्व हिंदू परिषद की प्रांत कार्यकारिणी की हुई बैठक, चंद्रकांत रायपत बने अभियान के प्रांत संयोजक

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) झारखंड प्रांत कार्यकारिणी की बैठक हरमू स्थित प्रांत कार्यालय में गुरुवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रांत उपाध्यक्ष चंद्रकांत रायपत ने की।

मौके पर रायपत ने कहा कि विहिप 10 फरवरी से झारखंड में धर्म रक्षा निधि समर्पण अभियान चलायेगी। वर्ष में एक बार धर्म रक्षा निधि समर्पण अभियान चलाया जाता है। यह अभियान पूरे देश में प्रांत सह विहिप के जरिये अपने-अपने स्तर पर चलाया जाता है। विहिप की ओर से शिक्षा, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए विहिप कई सेवा प्रकल्प के माध्यम से विद्यालय, प्रशिक्षण केंद्र संचालित करता हैं। इसी तरह, पर्यावरण को बचाने के लिए श्मशान घाटों पर अंतिम संस्कार में लकड़ी का उपयोग रोकने के लिए संयंत्र लगाये जा रहे हैं, ताकि गोबर से अंतिम संस्कार हो सके। अभी तक ऐसे संयंत्र कई श्मशान घाटों पर लगाये गये हैं।

बैठक में उपस्थित प्रांत उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद यादव ने इस अभियान के लिए चंद्रकांत रायपत को प्रांत संयोजक के रूप में नाम प्रस्तावित किया। इसे सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने ओमकार ध्वनि से पारित किया।

धर्म रक्षा निधि समर्पण अभियान के प्रांत संयोजक चंद्रकांत रायपत ने बताया कि संगठन की दृष्टि से प्रांत को 300 प्रखंड के 5000 खंड में बांटा गया है और विगत वर्ष के लक्ष्य से इस वर्ष अधिक से अधिक धन संग्रह करके हिंदू समाज को और भी अधिक सुदृढ़ किया जायेगा।

मौके पर प्रांत सहमंत्री रंगनाथ महतो ने बताया कि दो फरवरी से चलकर चार फरवरी को श्री राम जन्मभूमि अयोध्या में रामलला का प्रांत के 1500 से अधिक लोगों ने केंद्र द्वारा चलायी गयी विशेष आस्था ट्रेन से और 200 से अधिक लोग ने अपनी व्यवस्था से दर्शन किया।

उन्होंने बताया समाज को मजबूत एवं सुदृढ़ करने के लिए विहिप के माध्यम से प्रत्येक वर्ष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाता है। इस निमित्त इस वर्ष 25 मई से 4 जून 2024 तक परिषद शिक्षा वर्ग, 28 मई से 4 जून 2024 तक, बजरंग दल प्रशिक्षण वर्ग, 28 मई से 4 जून 2024 तक दुर्गावाहिनी प्रशिक्षण वर्ग गुमला में और एक जून से चार जून तक मातृशक्ति प्रशिक्षण वर्ग गुमला में होगी।

कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना प्राथमिकता

निर्धारित लक्ष्य को जल्द पूरा करायें संबंधित पदाधिकारी : राजेश्वरी बी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी ने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर लागू करना हमारी प्राथमिकता है। लंबित योजनाओं को समय पर पूरा करें, ताकि निर्धारित लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा किया जा सके। यह निर्देश उन्होंने गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से मनरेगा अंतर्गत विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करने के दौरान दिया।

बिरसा सिंचाई कूप योजना में पीछे रह गये जिले अपने कार्य में तेजी लायें : मनरेगा आयुक्त ने बिरसा सिंचाई कूप योजना की समीक्षा करते हुए योजना के अंतर्गत लाभुकों के चयन और स्वीकृति की विस्तार से जानकारी ली। इस क्रम में बिरसा सिंचाई कूप योजना (मनरेगा) के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध किये गये कार्यों की प्रस्तुतिकरण के माध्यम से जानकारी दी गयी। सभी डीडीसी को निर्देश दिया गया कि प्रखंडवार और पंचायतवार सिंचाई कूप के निर्धारित लक्ष्य को ससमय पूरा किया जाये।

सभी अधिकारी सक्रिय रूप से प्रयासरत रहें : उन्होंने अपेक्षाकृत कम प्रगति करने वाले जिलों को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। मनरेगा आयुक्त ने कहा कि सभी कार्यों का धरातल पर उचित अनुश्रवण/पर्यवेक्षण आवश्यक है। उन्होंने सभी प्रखंडों के वरीय पदाधिकारियों एवं बीडीओ को सभी एक्टिव साईट व मनरेगा के तहत किये जा रहे कार्यों का निरंतन अनुश्रवण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आमजन के हित के लिए संचालित इन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर सफल बनाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। इसके लिए सभी अधिकारी सक्रिय रूप से प्रयासरत रहें।

कोई भी लाभुक वंचित न रहे : मनरेगा आयुक्त ने बिरसा सिंचाई कूप योजना मनरेगा से दिये जाने वाले सिंचाई कूप की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कोई भी सुयोग्य लाभुक बिरसा सिंचाई कूप योजना के लाभ से वंचित नहीं हो। उन्होंने उप विकास आयुक्तों को ऐसे लाभुकों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया, जिन्हें सिंचाई कूप की आवश्यकता है। उन्होंने जिले के उप विकास आयुक्तों को ससमय रॉयल्टी जमा करवाने का निर्देश किया।

मनरेगा आयुक्त ने आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर पिछले वर्ष 24 नवंबर से 26 दिसंबर तक आयोजित शिविरों में मनरेगा योजना से संबंधित जो आवेदन मिले, उसकी अद्यतन जानकारी ली। उन्होंने इस क्रम में निष्पादित, अस्वीकृत और लंबित आवेदनों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आवेदन लंबित नहीं रहे, इसे हर हाल में सुनिश्चित करें। जिन आवेदनों को अस्वीकृत किया गया है, उसकी वजह भी बताई जानी चाहिए। बैठक में सभी जिलों के डीडीसी और परियोजना पदाधिकारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन कार्य संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित

मतदाता फोटो पहचान पत्र का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करायें पदाधिकारी : डीसी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची राहुल कुमार सिन्हा ने गुरुवार को लोकसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी और विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी उपस्थित थे, जबकि सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं कर्मचारी ऑनलाइन जुड़े थे।

उपायुक्त ने सभी ईआरओ एवं एईआरओ को कहा कि सभी अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के इलेक्शन फोटो आईडेंटिटी कार्ड (इपीआइसी) का शत प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करायें। डाक से मतदाताओं तक इपीआइसी पहुंचाया जा रहा है। अधूरे पता के कारण अगर मतदाता पहचान पत्र डिलिवर नहीं हो पा रहा है तो इसका वितरण बीएलओ के माध्यम से सुनिश्चित करायें।

बूथों पर एस्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी सुनिश्चित करायें : उपायुक्त श्री सिन्हा ने बैठक के दौरान विधानसभावार बूथों में एस्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी की जानकारी ली। सभी बूथों में पानी, बिजली, शौचालय, रैंप आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश उन्होंने सभी ईआरओ/एईआरओ को दिया। उपायुक्त ने कहा कि बूथों में भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार रैंप का निर्माण करायें। सभी ईआरओ/एईआरओ को उन्होंने अपने-अपने स्तर से जांच कर बीएलओ ऐप के माध्यम से रिपोर्टिंग करवाने को कहा।

वल्नरेबल बूथों की रिपोर्टिंग करने का निर्देश : राहुल कुमार सिन्हा ने सभी विधानसभा क्षेत्र के एईआरओ/ईआरओ को वल्नरेबल बूथों की रिपोर्टिंग करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि जिन विधानसभा क्षेत्र से वल्नरेबल मैपिंग-1 की रिपोर्ट आ चुकी है वो वल्नरेबल मैपिंग-2 की रिपोर्ट भी दें।

लो वोटर टर्न आउट बूथों पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भ्रमण कर योजना बनाने का निर्देश : उपायुक्त ने लो वोटर टर्न आउट बूथों को लेकर संबंधित एईआरओ से बात की। ऐसे बूथों पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर उपायुक्त ने बूथवार कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि वे स्वयं लो वोटर टर्न आउट बूथों का भ्रमण करेंगे। उपायुक्त ने सभी ईआरओ/एईआरओ को 20 प्रतिशत से कम मतदान होनेवाले बूथों का भ्रमण कर मतदान प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में योजना बनाने का निर्देश दिया।

स्वीप एक्टिविटी पर फोकस करने का निर्देश : उपायुक्त ने मतदाताओं को जागरुक करने के लिए स्वीप गतिविधियों पर फोकस करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्वीप एक्टिविटी में सबसे अहम है कि मतदाता को इस बात की जानकारी दें कि उनका नाम किस बूथ में है और उनका सीरियल नंबर क्या है।

सीनियर सिटीजन, पीडब्ल्यूडी और थर्ड जेंडर वोटर को न हो परेशानी : बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा ने कहा कि इलेक्शन डे त्योहार जैसा होता है, सभी ईआरओ एवं एईआरओ बूथ पर आने के लिए अच्छी व्यवस्था रखें। उन्होंने कहा कि विशेषकर 80 प्लस, सीनियर सिटीजन, पीडब्ल्यूडी और थर्ड जेंडर वोटर को परेशानी न हो इसका ख्याल रखें। पीवीटीजी वोटर्स की जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने कहा कि आदिम जनजाति के मतदाता लाइन लिस्ट में सबसे उपर होने चाहिए, अगर वो अपने मताधिकार के उपयोग के लिए आगे आते हैं तो ये प्रिंसपल ज्यादा महत्वपूर्ण है, उनकी वोटिंग हर हाल में सुनिश्चित करायें।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 में किये गये कार्यों की सराहना : राहुल कुमार सिन्हा ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के निर्वाचन कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि एसएसआर अवधि में जिला में निर्वाचन कार्यों को सही से संपादित करने के लिए आप सभी का साधुवाद। उपायुक्त ने कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश अनुसार फॉर्म 6,7 और 8 का आवेदन प्राप्त कर निष्पादित करें।

रांची से देवघर जाना होगा आसान बचेगा समय : डॉ लंबोदर महतो

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह विधायक डॉ लंबोदर महतो ने सेंट्रल रोड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (सीआरआईएफ) के तहत बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड अंतर्गत गझंडी मोड़ से हुरलुंग भाया चतरोचट्टी 27 किलोमीटर, ललपनिया रजरप्पा मोड़ से रजरप्पा रोड तक 20 किलोमीटर एवं रामगढ़ जिले के फोरलेन रोड में एनएच 33 पर सांडी मोड़ से बिजुलिया 12.8 किमी सड़क निर्माण की प्रशासनिक मंजूरी की दिशा में केन्द्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के सकारात्मक पहल करने के मिले आश्वासन का स्वागत किया है।

लंबोदर महतो ने कहा कि पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष सह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री से मिलकर इस विषय को उनके समक्ष विस्तारपूर्वक रखा तो उन्होंने प्रशासनिक मंजूरी देने की दिशा में शीघ्र आवश्यक प्रक्रिया को पूरा कर लेने को लेकर आश्वस्त किया। डॉ लंबोदर महतो ने आशा जतायी कि सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी का यह प्रयास सार्थक होगा। इसका लाभ बोकारो व रामगढ़ जिले के साथ-साथ अन्य जिलों को भी मिलेगा। विशेष कर कई ग्रामीण इलाके इस सड़क से जुड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अब रांची से देवघर जाने में भी लोगों को काफी आसानी होगी। साथ ही समय भी कम लगेगा। सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी के प्रयास से 440 करोड़ की लागत से गिरिडीह बाईपास निर्माण की प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है। इस सड़क का निर्माण गिरिडीह-डुमरी पथ पर जोड़ा पहाड़ी से लेकर गिरिडीह- बेंगाबाद पर महुआर (24 किलोमीटर) तक होगी। लोगों को जाम से भी छुटकारा मिल सकेगा। उन्होंने इसके लिए केंद्रीय मंत्री के प्रति आभार भी जताया।

अग्निवीर योजना से केंद्र की मोदी सरकार ने डेढ़ लाख युवाओं के सपनों को तोड़ दिया : नेटा डिसूजा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। महिला कांग्रेस की नेत्री नेटा डिसूजा ने कहा कि अग्निवीर योजना के जरिए, मोदी सरकार ने 1.5 लाख युवाओं के सपनों को चकनाचूर कर दिया। जिन्हें नियमित भर्ती के तहत कठिन मानसिक और शारीरिक परीक्षण के बाद सैन्य बलों में भर्ती होनी थी। भाजपा ने करोड़ों युवाओं को धोखा दिया है। बेरोजगारी 45 साल के उच्चतम स्तर पर है। 31 जनवरी 2024 को बिहार में राहुल गांधी ने एक राष्ट्रव्यापी अभियान जय जवान-अन्याय के विरुद्ध न्याय का युद्ध की शुरूआत की है। जिसके जरिए युवाओं को न्याय मिलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अग्निवीर योजना के माध्यम से मोदी सरकार लाखो युवाओं को ठगने का काम किया है। नेटा डिसूजा गुरुवार को कांग्रेस भवन में प्रदेश कांग्रेस द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बोल रही थी। डिसूजा ने कहा कि कांग्रेस की ओर से जय जवान अभियान की दो महत्वपूर्ण मांगें हैं। इसके तहत अग्निपथ योजना लागू होने पर 1.5 लाख युवाओं से क्रूरतापूर्वक छीनी गई नौकरियां वापस हो एवं सैन्य बलों के लिए पिछली भर्ती प्रणाली को बहाल किया जाये। **50 लाख से ज्यादा युवाओं ने 100 करोड़ से अधिक जमा किया परीक्षा शुल्क** : नेटा डिसूजा ने कहा कि सेना ने 2020-21 में देशभर में केवल 97 भर्तियां आयोजित हुयी। लाखों युवाओं ने भाग लिया जो शारीरिक-चिकित्सा और दस्तावेज सत्यापन पास कर चुके थे और सेना भर्ती परीक्षा (अंतिम चरण) की प्रतीक्षा कर रहे थे। सेना ने 4 बार लिखित परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी किया, लेकिन हर बार परीक्षा स्थगित कर दी गई और भविष्य में परिक्षा आयोजित करने की घोषणा की गई। इसके मुताबिक 50 लाख से ज्यादा युवाओं ने परीक्षा शुल्क के रुप में 100 करोड़ रुपये से अधिक जमा किये लेकिन इसका प्रतिफल नहीं मिला।

रोजगार के अवसरों में आयी कमी : नेटा डिसूजा ने आरटीआई के हवाले से बताया कि 2022-23 में आवेदन करने वालो की संख्या 34 लाख थी। जो 2023-24 में 10 लाख के करीब हो गई है। इसका स्पष्ट संकेत है कि युवाओं का सेना की ओर रुझान अब घट रहा है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनो में यूपी कांस्टेबल की भर्ती में 50 लाख से भी अधिक आवेदन किए गए हैं। जिससे साबित हो कि युवाओं को रोजगार के अवसरों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। 4 साल के अग्निवीर बनने की जगह वह दूसरे क्षेत्रों में रोजगार की खोज कर रहे हैं। इस मौके पर प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, संगठन महासचिव अमुल्य नीरज खलखो, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह, सैनिक विभाग के अध्यक्ष सूबेदार एचएन यादव, प्रदेश प्रवक्ता जगदीश साहु, ऋषिकेश सिंह उपस्थित थे।

खबर एक नजर में

सीएम चंपई से मिलीं डॉ अजिता भट्टाचार्य

रांची। मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन से गुरूवार को कांके रोड स्थित आवास में झारखंड लोक सेवा आयोग की सदस्य डॉ अजिता भट्टाचार्य ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

शांतिपूर्ण हुई मैट्रिक और इंटर की परीक्षा

रांची। राजधानी में चल रहें मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षा गुरूवार को शान्तिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। आपको बता दे राजधानी में माध्यमिक परीक्षा के लिए कुल 100 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है। मैट्रिक की परीक्षा में कुल 3475 परीक्षार्थी शामिल हो रहें है। वहीं इंटरमीडिएट में 57 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है। कुल परीक्षार्थियों की संख्या 17558 है। दोनों पाली में किसी भी परीक्षा केन्द्र से निष्कासन की कोई सूचना नहीं प्राप्त हुई है। परीक्षा 26 फरवरी तक चलेगी।

पांच आरोपियों के खिलाफ एनआइए ने अदालत में दाखिल की चार्जशीट

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। विभिन्न राज्यों में अपनी आतंकी योजनाओं को पुनर्जीवित करने के लिए सीपीआई (माओवादी) के प्रयासों से संबंधित एक मामले में एनआईए ने पांच आरोपियों के खिलाफ जांच पूरी कर विशेष न्यायाधीश एमके वर्मा की अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। यह चार्जशीट स्पेशल एनआईए कांड संख्या 2/2022 मामले में की गई है। चार्जशीट सीपीआई, माओवादी के पोलित ब्यूरो सदस्य प्रशांत बोस उर्फ किशन दा उर्फ निर्भय उर्फ काजल उर्फ महेश उर्फ किशनजी, सब जोनल कमांडर नुनुचंद महतो उर्फ नुनुलाल महतो उर्फ लखन उर्फ टाइगर उर्फ मुखिया जी उर्फ नेता जी, पोलित ब्यूरो के सदस्य और संगठन के उत्तरी क्षेत्रीय ब्यूरो का नेतृत्व कर्ता प्रमोद मिश्रा उर्फ बनबिहारी जी उर्फ नेता जी उर्फ सोहन दा उर्फ डॉक्टर साहब, बाबा जी उर्फ जनार्दन उर्फ जोनाथन, माओवादी के क्षेत्रीय कमेटी सदस्य दुर्योधन प्रसाद महतो उर्फ मिथिलेश सिंह उर्फ अवधेश उर्फ बड़का दा उर्फ बड़ा बाबू एवं क्षेत्रीय कमेटी सदस्य सह जोनल कमांडर कृष्णा हंसदा उर्फ सौरव दा के खिलाफ की गई है। एनआईए ने उक्त आरोप में 26 अप्रैल 2022 को मुकदमा किया है। आगे की जांच जारी है।

चार्जशीटेड आरोपियों पर झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों में प्रतिबंधित संगठन की हिंसक विचारधारा का विस्तार, पुनर्जीवित और प्रचार करने के लिए आपराधिक साजिश रचने का आरोप है। सीपीआई माओवादी के शीर्ष नेताओं के साथ मिलकर आरोपियों सक्रिय रूप से कैडरों की भर्ती, आतंकवादी कृत्यों के लिये धन जुटाने, हथियारों और गोला बारूद की खरीद के साथ हथियारों को संभालने, फील्ड क्राफ्ट में प्रशिक्षण प्रदान करने में लगे हुये थे। आईईडी निर्माण और उनका लगाने का भी आरोप है। प्रशांत बोस पर विभिन्न थानों में 47, नुनुचंद महतो पर 60, दुर्योधन प्रसाद महतो पर 77, कृष्णा हांसदा पर 37 एवं प्रमोद मिश्रा पर 47 आपराधिक मामले दर्ज है।

तीसरे दिन 15524 लोगों ने राजभवन उद्यान देखा

12 फरवरी तक आम लोगों के लिए खुला रहेगा राजभवन का उद्यान

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज भवन उद्यान को देखने के लिए गुरूवार को काफी भीड़ देखी गई। तीसरे दिन 15524 लोगों ने राज भवन उद्यान का भ्रमण एवं परिदर्शन किया। विदित हो कि माननीय राज्यपाल के निर्देश पर राज भवन उद्यान आम नागरिकों के भ्रमण और परिदर्शन के लिए दिनांक 6 फरवरी से 12 फरवरी, तक खोला गया है। उद्यान भ्रमण का समय पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक है। उद्यान में प्रवेश राज भवन के गेट न. 2 से सुरक्षा जांचोपरांत 1 बजे अपराह्न तक दिया जा रहा है।

आजसू पार्टी का मिलन समारोह आयोजित, जेएमएम नेता समेत कई युवाओं ने थामा पार्टी का दामन

भ्रष्ट आचरण राजनीतिक शुचिता का परिचायक नहीं : सुदेश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर जो आरोप लगे हैं अब उन आरोपों के सामने आने का दौर आ गया है। जल्द ही आरोपों से पर्दा हटेगा। सरकार और शासन में भयमुक्त अराजकता का पटाक्षेप होना तय है। जनादेश पाना और सत्ता में आना एक बात है। आज राज्य में अराजकता का माहौल है। सरकार अपने वादे से इतर भ्रष्ट इरादे दिखा रही है। राज्य और राज्यवासियों के प्रति समर्पण नहीं होने के वजह से अकसर निर्णय गलत हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार अपने बनाए कानून का ही पालन नहीं कर पा रही है। कानून बनाना आसान है लेकिन उसे लागू करना और उस पर खड़ा रहना मुश्किल। सुदेश कुमार महतो गुरुवार को रांची स्थित आवासीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मिलन समारोह में पार्टी नेता मो. जुबेर अलाम के नेतृत्व में जेएमएम नेता डॉ.पार्थ पारितोष और उनकी टीम समेत हटिया और रांची विधानसभा क्षेत्र के कई डॉक्टरों, जनप्रतिनिधियों और युवाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मौके पर उन्होंने पार्टी के नीति तथा सिद्धातों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

सुदेश महतो ने पार्टी में शामिल हुए सभी लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि युवा बेहतर भविष्य के निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित करना चाहते हैं। आप सभी को जनता की सेवा करने का मंच आजसू पार्टी देगी। आपके काम एवं विचार को यहां महत्व और सम्मान मिलेगा।

पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले डॉ. पार्थ पारितोष ने कहा कि सुदेश जी द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों तथा राज्य के विकास को लेकर उनके विचारों से प्रभावित होकर आजसू में अपनी पूरी टीम के साथ शामिल हो रहा हूँ। पार्टी में जो भी जिम्मेदारी मिलेगी उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाऊंगा। इससे पूर्व मैं जेएमएम में संयुक्त सचिव था। राज्य में जगह जगह पर जाकर लोगों को हेल्थ से जुड़ी जानकारी देने और उन्हें जागरूक करने का काम किया था, लेकिन इन कामों को जेएमएम ने तरजीह नहीं दी। मिलन समारोह में पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत, केंद्रीय मीडिया संजोयक परवाज खान मुख्य रूप से उपस्थित रहें।

इन्होंने ली सदस्यता : मयंक पराशर, आकाश भाटिया, सुमित शर्मा, अभय पासवान, यश कुमार, शुभम कुमार, आकाश तिवारी, संकेत सिंह, दीपक कुमार सिंह समेत कई युवाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

दीपक प्रकाश ने राज्यसभा में खनन से संबंधित सवाल पूछा

अवैध खनन रोकने के लिए उपग्रह आधारित प्रणाली का किया जायेगा उपयोग : प्रह्लाद

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सांसद दीपक प्रकाश ने राज्यसभा में खान एवं कोयला मंत्रालय से झारखंड में अवैध खनन और इससे हो रहे जान-माल, राजस्व के नुकसान की जानकारी मांगी। इससे निबटने के केंद्र सरकार के द्वारा उठाये गये कदम से संबंधित सूचना की भी मांग की। इसके जवाब में केंद्रीय खान, कोयला एवं संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बताया कि खान और खनिज, विकास और विनियमन अधिनियम, 1957 की धारा 23ग के अनुसार राज्य सरकारों को अवैध खनन, अवैध रूप से खनन किये गये खनिजों की ढुलाई एवं भंडारण पर अंकुश लगाने और इससे संबंधित प्रयोजनों के लिए नियम बनाने का अधिकार दिया गया है। राज्य सरकारों को अवैध खनन से संबंधित मामले सौंपे गये हैं। झारखंड सरकार से राज्य में अवैध खनन के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने के लिए कई बार अनुरोध किया गया है। श्री जोशी ने बताया कि झारखंड सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार अवैध खनन के खिलाफ 2019 से लेकर नवम्बर 2023 तक कुल 6597 एफआईआर दर्ज की गई थी। ढुलाई में उपयोग किये गये कुल 12,280 वाहनों को जब्त किया गया है।

उन्होंने कहा कि झारखंड खनिज अवैध खनन, ढुलाई और भंडारण की रोकथाम नियमए 2017 को एमएमडीआर अधिनियमए 1957 ;यथा संशोधित की धारा 23 ग 1 और 23 ग ;2 के तहत राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किया गया है कि राज्य में प्रमुख खनिजों के लिये खनन निगरानी प्रणाली और कोयले के लिये खनन प्रहरी के अलावा गौण खनिजों के लिये भी एमएसएस शुरू किया है। राज्य सरकार द्वारा पारदर्शिता सुनिश्ति करने के लिये ई परमिट, ई चालान, ई भुगतान आदि जैसे खानों और खनिजों से संबंधित सभी प्रकार के ऑनलाइन लेन-देन के लिये झारखंड एकीकृत खान और खनिज प्रबंधन प्रणाली कार्यान्वित की गई है। केन्द्र सरकार ने अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिये वर्ष 2015 में एमएमडीआर अधिनियम में संशोधन करके अवैध खनन के लिए दंड को और अधिक कठोर बनाया है।

खबर मन्त्र

रांची. शुक्रवार .09 फरवरी 2024

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

श्वेत- श्याम पत्र

लो कसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार ने अपने 10 साल के कामकाज और उपलब्धियां बताने के लिए श्वेत पत्र जारी किया है। यूपीए सरकार को एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था विरासत में मिली, जो अधिक सुधारों के लिए तैयार थी लेकिन इसने अपने दस वर्ष गैर-निष्पादित बना दिया। यूपीए सरकार ने 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद किसी भी तरह से उच्च आर्थिक विकास को बनाए रखने की अपनी खोज में व्यापक आर्थिक नींव को गंभीर रूप से कमजोर किया। त्वरित समाधान करने के बजाय, राजग सरकार ने साहसिक सुधार किए 2014 में जब एनडीए सरकार ने सत्ता संभाली थी, अर्थव्यवस्था खराब स्थिति में ही नहीं थी वरन, संकटग्रस्त थी। हमने एक दशक के लिए कुप्रबंधित अर्थव्यवस्था को ठीक करने और इसके मूल ढांचों को मजबूत स्थिति में बहाल करने की बहुत सी चुनौतियों का सामना किया। तब हम 'कमजोर पांच' अर्थव्यवस्थाओं में से थे; अब, हम 'शीर्ष पांच' अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं, जो हर साल वैश्विक विकास में तीसरा सर्वाधिक योगदान देते हैं। तब दुनिया का भारत की आर्थिक क्षमता और गतिशीलता से भरोसा उठ गया था, अब हमारी आर्थिक स्थिरता और विकास की संभावनाओं के साथ, हम दूसरों में आशा का संचार कर रहे हैं। हम अनुलग्नक 1 में दो प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों की धारणाओं का एक चित्र साझा करते हैं। फिर, हमारे पास 12 दिवसीय राष्ट्रमंडल खेलों का घोटाला-भरा था, अब हमने 2023 में एक बहुत बड़े और साल भर चलने वाले जी20 प्रेसीडेंसी की सफलतापूर्वक मेजबानी की। वहीं कांग्रेस ने भी एक काला पत्र जारी किया जिसमें वर्तमान सरकार की कमियों पर ध्यान खींचा गया है। लेकिन आर्थिक मुद्दों पर गंभीरता और सच्चाई अनिवार्य है।

लखपति दीदी

ज ब भी महिलाओं की तरक्की की बात होती है, तो जो समाज के उदाहरण दिये जाते हैं, वे महज प्रतीकात्मक होते हैं। जहां आम स्त्रियों के लिये लैंगिक भेदभाव के चलते अनुकूल कार्य परिस्थितियां उपलब्ध नहीं हैं। उनको न्यायसंगत मेहनताना भी नहीं मिलता है। इसके बावजूद व्यक्तिगत व स्वयं सहायता समूहों की तरफ से उत्साहवर्धक शुरूआत हुई है। सरकारी आंकड़ों पर विश्वास करें तो महिला श्रम बल की भागीदारी में वृद्धि हुई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण रिपोर्ट 2022-23 के अनुसार वर्ष 2021-22 में राष्ट्रीय श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी 32.8 फीसदी थी, जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 37 फीसदी हो गई है। निश्चिय रूप से 4.2 फीसदी की वृद्धि उत्साहजनक है। हाल ही में अंतरिम बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने उत्साहवर्धक जानकारी दी कि देश में एक करोड़ कर्मशील महिलाएं लखपति बन चुकी हैं, अब तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। दरअसल, लखपति दीदी योजना का मकसद साधनविहीन महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिये, उन्हें स्किल डेवलपमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल करके आय अर्जन के योग्य बनाना है। उन्हें अपना बिजनेस शुरू करने के लिये प्रेरित किया जाता है। स्वयं सहायता समूहों के साथ जुड़कर इस योजना का लाभ उठाया जा सकता है। महिलाएं अपने निकटवर्ती आंगनवाड़ी केंद्र में से इस बाबत सूचना प्राप्त कर सकती हैं। इस योजना के अंतर्गत महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्हें ड्रोन संचालन, कृषि उत्पादों के बाजारीकरण तथा एलईडी बल्ब बनाने आदि का प्रशिक्षण देकर अपना काम शुरू करके आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास होता है।

संजीवनी फल

विचार-प्रवाह

स्वामी सत्यानंदजी परमहंस

राम के सबरी के बैर खाने के आग्रह को लक्ष्मण समझ नहीं सके। उन्हें लगा कि यह एक भिलनी का खाया हुआ जूठा बैर ही है। अत3 न खाकर उसे फेंक दिया था। समय आने पर वही बैर पंक्षियों के सहारे हिमालय में गया और उगा था इसलिये ह्दय के लिये वह ठंडा होने के कारण उपयोगी था। लक्ष्मण जी को ठंडा चीज देना जरूरी था।जब हनुमानज को संजीवनी बूटी के विषय में सुषेण बैद्य को बता दिया था और कहा कि आप चले जाइये, पहचान जाइयेगा। अन्य पौधों से अलग उसमें चमक होगी। हनुमान जी रात्रि में अत्यंत वेग से चले। उन्हें कहीं से कहीं से कहीं आने-जाने की गति थी। उनके जाने के क्रम में रावण को सूचना मिल गयी कि मेघनाथ ने जो वाण मारा था उसकी दवा सुषैन वैद्य ने बता दिया है जिसे लाने हनुमानजी के लिये धौरागिरी जा रहे हैं। उसने सोचा कि कुछ ऐसा उपाय किया जाए कि इनको मार्ग में ही रोक दिया जाए, ताकि समय पर ये न तो जा सके और न ही पहुंच सके। कालनेमि राक्षण अनेक तरह का कल-बल और छल करने में नामी था। उसको रावण ने भेज दिया कि जाकर हनुमान का रास्ता रोक लो। जिस रास्ते से हनुमान जी जा रहे थे उस रास्ते में कालनेमि ने वेश बदल कर एक झोपड़ीनुमा कुटिया बनाकर बैठ गये। हनुमान जी को लगा कि कोई संत नजर आ रहा है तो काम करने के पहले प्रणाम कर लूं। यदि मैं संत को प्रणाम करके आऊंगा तो मेरा काम जरूर अच्छे ढंग से हो जाएगा। जब हनुमान जी ने प्रणाम किया तो उसने इनको देखते उनका नाम,पता, काम सब बोल दिया- तुम केशरीनंदन हो और राम के काम से जा रहे हो।

(ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम)

तेलंगा खड़िया ने अंग्रेजी हुकूमत की चूल हिला दी

वीर शहीद तेलंगा खड़िया का जन्म 9 फरवरी 1806 ई को गुमला जिला अंतर्गत सिसई थाना के मुरगू ग्राम में हुआ था। उनका जन्म एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम दुलिया खड़िया और माता का नाम पेतो खड़िया था। उनके दादा का नाम सिरू खड़िया और दादी का नाम बुच्ची खड़िया था। तेलंगा खड़िया मूरगू ग्राम के जमीनदार तथा पाहन परिवार से संबंध रखते थे। उनके दादाजी सिरू खड़िया बहुत ही धार्मिक, साहित्यिक एवं सुलझे हुए सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। खड़िया भाषा में वीर, साहसी और अधिक बोलने वाले व्यक्ति को तेब्बलंगा कहा जाता है। वीर शहीद तेलंगा खड़िया बचपन से ही बहुत वीर, साहसी, कर्मठ एवं अधिक बोलने वाले थे। यही कारण रहा कि उनका नाम तेब्बलंगा से तेलंगा हुआ। तेलंगा खड़िया बिलुंग गोत्र से संबंध रखते थे। वैसे तो उनकी पढ़ाई लिखाई बहुत ही कम हुई थी, लेकिन वे सरल स्वभाव वाले ईमानदार, मिलनसार एवं कर्मठ समाज सेवी यक्ति थे।

तेलंगा खड़िया का मुख्य पेशा कृषि एवं पशुपालन था। घरेलू कार्य को करते हुए उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत से मुक्ति के लिए अपने अनुयायियों को अखाड़े में तीर-धनुष तथा गद्दा चलाने की कला का प्रशिक्षण भी दिया करते थे। ग्राम मूरगू से पूर्व में स्थिति सिसई के अखाड़े में लोगों को एकत्रित कर युद्ध विद्या का प्रशिक्षण दिया करते थे। इनकी सेना की संख्या 9 सौ से 15 सौ तक थी। तेलंगा खड़िया के सैनिकों के संबंध में खड़िया भाषा में एक लोकगीत भी प्रचलित है-

तेलंगा भैया बारियो चारियो कोना जाबे।
नौ सै कड़म के मलि छोड़ाबे।

उपर्युक्त गीत में बताया गया है कि तेलंगा भइया चारो ओर जाइएगा लेकिन नौ सौ सेना को कभी मत छोड़ियेगा। ये नौ सौ सैनिक तो तुम्हारे ही मूल सपना हैं। हे तेलंगा भइया नौ सौ सेना को कभी मत भुलियेगा इन्हें कभी मत छोड़ियेगा।

तेलंगा के पिताजी छोटानागपुर के नागवंशी महाराजा रातूगढ़ के भंडारपाल थे। नागवंशी शासन काल में भंडापाल की पदवी बहुत ही इमानदार व्यक्ति को दी जाती थी। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि खड़िया जनजाति के लोग आरंभ से ही बहुत अधिक ईमानदार और कर्तव्य निष्ठ रहे हैं। तेलंगा खड़िया अपने पिता के साथ कभी-कभी

- डॉ दुलार कुल्लू

तेलंगा खड़िया आरंभ से ही शोषण और अत्याचार के सतत विरोधी थे। इससे मुक्ति के लिए वे गांव-गांव घुमकर जागृति उत्पन्न करने लगे। गांवों में जाकर ग्रामजूरी पंचायत की स्थापना करने लगे। उन्होंने 13 ग्रामजूरी पंचायत का गठन किया और अंग्रेजी हुकूमत से मुक्ति के लिए बिगूल फूंका। उनके द्वारा गठित 13 ग्रामजूरी की सूची भी अनुसंधान के बाद उपलब्ध हो चुका है।

महाराजा के दरबार में जाया करते थे। इस क्रम में सामाजिक एवं राजनीतिक बातों को सुनकर परिपक्व हुए। तेलंगा खड़िया आरंभ से ही शोषण और अत्याचार के सतत विरोधी थे। इससे मुक्ति के लिए वे गाँव-गाँव घुमकर जागृति उत्पन्न करने लगे। गाँवों में जाकर ग्रामजूरी पंचायत की स्थापना करने लगे। उन्होंने 13 ग्रामजूरी पंचायत का गठन किया और अंग्रेजी हुकूमत से मुक्ति के लिए बिगूल फूंका। उनके द्वारा गठित 13 ग्रामजूरी की सूची भी अनुसंधान के बाद उपलब्ध हो चुका है। ये हैं- ग्राम मूरगू सिसई, ग्रामजूरा, ग्राम डाइगढ़ नागर थाना सिसई, ग्राम देठौली थाना गुमला, ग्राम दुन्दरिया थाना गुमला, सोसो थाना गुमला, नीमटोली थाना गुमला, ग्राम बघिमा थाना पालकोट, ग्राम नाथपुर थाना पालकोट, ग्राम कुम्हारी थाना बसिया, ग्राम बेन्दोरा थाना चैनपुर, ग्राम कोलेबिरा थाना कोलेबिरा, ग्राम महाबुआंग थाना बानो। माना जाता है कि इसके अतिरिक्त भी ग्रामजूरी रहे होंगे जो अभी अज्ञात हैं।

एक बार तेलंगा जब बसिया थाना में ग्रामजूरी पंचायत का गठन कर रहे थे तभी उन्हें अंग्रेज पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया था। गिरफ्तार करने के बाद उन्हें लोहरदगा जिला मुख्यालय के जेल में बंद कर दिया गया था। उन्हें पकड़वाने में जमीनदरों का हाथ था। इसका वर्णन भी खड़िया लोकगीत में मिलता है। यह लोकगीत है-

लोहारदगाते जोरी बेरी ओबुसुतेमोय,
साहेब हुकुम तेरोअ, जोरी बेरी ओबसुतेमोय,
कटा रो ती, ते जोरी बेरी ओबसुतेमोय।।

इस गीत में कहा गया है कि लोहरदगा में जोड़ा भर बेड़ी (हथकड़ी) पहनाते हैं। यह हुकूम साहब देते हैं। हाथ और पांव में जोड़ा भर बेड़ी पहनाते हैं। लोहरदगा जेल में कुछ दिन रखने के बाद तेलंगा खड़िया को कलकत्ता जेल भेज दिया गया। कहा जाता है कि उन्हें 14 साल की कठोर सजा सुनायी गयी थी। इसका उल्लेख खड़िया लोककथा एवं लोकगीतों में भी मिलता है। एक गीत उदाहरण स्वरूप देखा जा सकता है-

कहां कर राइज राजा ,
कहां का हिरा राजा,
राजा भाई कलिकत्ता तेलंगा का डेरा
राजा भाई कलिकत्ता तेंलेंगा का डेरा।।
जसपुर कर राइज राजा
नागपुरी कर हिरा राजा भाई कलिकता .....
बुडु कर कर राइज राजा, राजा भाईकलि ...
पांच भाषा पाँचों परगना, राजी तोरा के
तेलेंगा न डोले देबे।।

कलकत्ता जेल से छुटने के बाद तेलेंगा पुनः अपने गाँव लौट आये और सिसई अखाड़े में अपने समर्थकों से मिले। आंदोलन के लिए विचार-विमर्श किये और फिर नये सिरे से उलगुलान करने में लग गये। तेलेंगा खड़िया अंग्रेजी हुकूमत को भारत से उखाड़ फेकने के लिए अजीवन संघर्ष किये। स्वतंत्रता आंदोलन उनके द्वारा दी गयी कुबार्नी को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। आज हम आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम मना रहे हैं, झारखंड की धरती में जन्मे तेलेंगा खड़िया जैसे प्रत्येक वीर सपूतों के संघर्षपूर्ण जीवन को संकलित कर प्रकाशित कराना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अंत में प्रेमधवन द्वारा शहीद फिल्म में लिखित गीत की पंक्तियाँ सहज ही याद आ जाती है- **जलते भी गए कहते भी गये**
आजादी के परवाने
जीना तो उसी का जीना है
जो मरना देश पर जाने।।

(लेखक मानवशास्त्री और खड़िया समाज के चिंतक है।)

खास बात

पिता की साया में जीवन

अरुण नैथानी

गंगाराम राजी हिमाचल के पर्वतीय अंचल में सक्रिय ऐसे सृजनकार हैं जो प्रगतिशीलता के साथ सूक्ष्म विषयों पर बेहद संवेदनशील सृजन करते हैं। उनके विपुल साहित्य में इसकी बानगी शिद्दत के साथ नजर आती है। एक तरफ संवेदनशील रचनाकार तो दूसरी ओर निजी जीवन में मुस्कराते-खिलखिलाते अलमस्त-अल्लहड़ किरदार। जीवन के नौवें दशक में दस्तक देते राजी के व्यवहार में कोई राज नहीं, एक खुली किताब है। समीक्ष्य कृति पिता के साए में (बाबा) में बारे में उनका कहना है कि गोर्की की विश्वप्रसिद्ध रचना मां पढ़ते-पढ़ते यह विचार मन में आने लगा कि जीवन में मां का जितना महत्व है पिता का महत्व भी कोई कम नहीं। दरअसल, गोर्की को मां के महत्व के साथ रूसी क्रांति के समय के समाज का हाल दशार्ना भी था।

निस्संदेह, गोर्की की रचना मां ने ही पिता के योगदान पर केंद्रित उपन्यास लिखने की आधारभूमि गंगाराम राजी को दी। जिसके प्रसंगवश वे समकालीन समाज के यथार्थबोध से पाठकों को अवगत कराने में सफल भी हुए। उनके अवचेतन में पिता के लिये बाबा शब्द ही रचा बसा रहा, जिसकी वजह से उन्होंने साहित्यकारों मित्रों की सलाह पर नाम ह्यपिता के साये में रखने के बावजूद कोष्ठक में बाबा शब्द भी शीर्षक में जोड़े रखा। जो अखरता तो है लेकिन रचनाकार के मनोभावों को भी दशार्ता है।

वास्तव में राजी ने उपन्यास में पिता के दायित्व, महत्व व योगदान का संवेदनशील चित्रण किया है। उपन्यास के केंद्र में बाल जीवन में उपेक्षित एक साधारण इंसान गुलाबू की कहानी है जो अनपढ़ होते हुए भी हाड़-तोड़ मेहनत करके बच्चों को शिक्षा-संस्कार देकर उन्हें योग्य व संस्कारी बनाता है। सगी न होने के बावजूद श्यामा का बेटी की तरह लालन-पालन करता है। रचनाकार ने इन पात्रों के जरिये समकालीन समाज के यथार्थ और आदर्श का समन्वय दशार्या है। उपन्यास के घटनाक्रम के साथ इतिहास, राजनीति व सामाजिक विद्रूपताओं का जीवंत अक्स उभरता है।

श्रील प्रभुपाद जी के विचार और संदेश से आज भी भारत के जनमानस को मार्गदर्शन मिल रहा है।

उनकी 150वीं जयंती के कार्यक्रम में शामिल होना मेरा परम सौभाग्य है।

- नरेन्द्र मोदी

आपके ट्वीट

हमारा प्रयास रहेगा कि भगवान बिरसा मुंडा, सिदो- कान्हू एवं बाबा तिलका मांझी समेत सभी शहीदों के आदर्शों को धरातल पर उतार कर, राज्य के आदिवासियों, मूलवासियों, दलितों एवं आम नागरिकों के जीवन स्तर में बदलाव लाया जाये।

- चंपई सोरेन सीएम

गुजरे कल की गलतियां सुधारते हुए बेहतर आज बनाते हैं उज्ज्वल भविष्य का ताना बाना बुनते हैं, तभी तो सबका भरोसा है मोदी पर तभी तो सब मोदी को चुनते हैं।

- अन्नपूर्णा देवी, केन्द्रीय मंत्री

खेती के प्रारूप में बदलाव से होगी बेहतर स्थिति

सरकारी आकड़ों के अनुसार दस करोड़ परिवार यानी पचास करोड़ लोग कृषि पर निर्भर है। हालांकि हमने कृषि कार्यों को कभी स्थायित्व या उचित पोषण के नजरिये से नहीं देखा। हमारा ध्यान सदैव इस बात पर रहा कि अधिक से अधिक उत्पादन कैसे अर्जित करें।

इसका परिणाम यह हुआ है कि कृषि क्षेत्र एक गंभीर संकट का शिकार बन गया है। खासकर, कोविड महामारी में यह बात पूरी तरह दिखने लगी है।

खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) और नीति आयोग द्वारा जारी एक हालिया परिपत्र (सिम्बायोसिस ऑफ वाटर ऐंड एग्रीकल्चर ट्रांसफॉर्मेशन इन इंडिया) में पी एस विजयशंकर और मैंने तर्क दिए हैं कि एक ही फसल बार-बार उगाने (मोनोकल्चर) और हरित क्रांति की तकनीकों से हटकर देश में कृषि क्षेत्र की विविधताओं के अनुरूप फसलों की खेती कर बड़े पैमाने पर जल संचय किया जा सकता है।

कृषि कार्यों में देश के जल संसाधन का 90 प्रतिशत तक हिस्सा इस्तेमाल होता है। इनमें भी 80 प्रतिशत जल की मात्रा धान, गेहूं और गन्ना उगाने पर खर्च हो जाती है। हमने अपनी तरह की एक अनोखी गणना के तहत विभिन्न परिस्थितियों के विश्लेषणों से यह अनुमान लगाने का प्रयास किया है कि देश के 11 बड़े कृषि राज्यों में फसल विविधता के जरिये कितना जल बचाया जा सकता है। ये 11 राज्यों का देश की कुल सिंचित भूमि में दो-तिहाई हिस्सा है। मुख्य रूप से इन फसलों की जगह दलहन, तिलहन और पोषक अनाज (ज्वार, बाजार

कृषि

आदि) प्रत्येक कृषि क्षेत्रों के लिए उपयुक्त हैं। हम यह दशार्ने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत में पेयजल संकट दूर करने के लिए हम कितनी मात्रा में जल की बचत कर सकते हैं और किस तरह लाखों छोटे एवं पिछड़े किसानों के खेतों तक सिंचाई की सुविधा पहुंचा सकते हैं। कभी-कभी यह तर्क दिया जाता है कि फसल में बदलाव से कुल पैदावार कम हो जाएगी क्योंकि इनके बदले उगाई जाने वाली वैकल्पिक फसलों की उत्पादकता बहुत अधिक नहीं है। यह तर्क अपनी जगह है लेकिन हमें यह बिल्कुल नहीं भूलना चाहिए कि अधिक सिंचाई की जरूरत वाली धान एवं गेहूं की फसलों का उत्पादन पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में बरकरार रख पाना मुश्किल है जहां भूमिगत जल तेजी से नीचे जा रहा है। दूसरी तरफ, पूर्वी भारत से धान की सरकारी खरीद की मात्रा बढ़ाने से जल संसाधन से भरपूर इस क्षेत्र को अपने खाद्यान्न की आपूर्ति के लिए जल संकट झेल रहे राज्यों पर निर्भर नहीं रहना होगा। हमें यह भी ध्यान में रखनी चाहिए कि पिछले एक दशक के दौरान खाद्यान्न भंडार गेहूं एवं चावल के 3.1 करोड़ टन 'सुरक्षित भंडार' (बफर स्टॉक) से भी अधिक रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान अतिरिक्त निकासी के बाद भी केंद्रीय भंडार में अक्टूबर 2020 तक 6.3 करोड़ अनाज शेष था।

हमने जिन वैकल्पिक फसलों का जिक्र किया है उनमें पोषक तत्त्वों की मात्रा भी अधिक है। इन फसलों में आहारीय रेशे (डाइटरी फाइबर), विटामिन, खनिज, प्रोटीन एवं ऐंटीऑक्सीडेंट्स अधिक मात्रा में हैं और इनमें शर्करा बढ़ाने वाले तत्त्व भी कम मात्रा में पाए जाते हैं। कम उत्पादन लागत और फसल उगाने के लिए जरूरी तत्त्वों की कम से कम खपत से किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। हाल के दिनों में पोषक आहार की उत्पादकता बढ़ रही है और रकबा कम रहने के बावजूद उनका उत्पादन कम नहीं हुआ है। यह एक सकारात्मक संकेत है और साथ में इस तथ्य की ओर भी ध्यान आकृष्ट हो रहा है कि शोध एवं विकास पर अधिक निवेश कर इन फसलों की उत्पादकता में और इजाफा किया जा सकता है।

कार्टून वर्ल्ड

हमास की बर्बादी ...

कार्टून मूवमेंट डॉट कॉम

लेटर टू एडिटर

लोकतंत्र की शर्त

राजनीति में सुधार के लिए जनता को ही एकजुट होकर भ्रष्टाचारी, घोटालेबाज, धनबलधारियों और बाहुबलियों को हराने के लिए मतदान करना चाहिए। राजनीतिक दल भी सिर्फ जीत सकने वाले उम्मीदवार को ही टिकट देते हैं! जिसमें अधिकांश धनबल और बाहुबल के आधार पर चुनाव जीतते हैं। दूसरे चुनाव आयोग को मुफ्त की रेवड़ियां बांटने पर भी सख्त पाबंदी हो। - **रवि रांची**

धुर रिश्तों का बजट

वित्तमंत्री द्वारा संसद में वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट पेश किया गया जिसमें नेबर हुड फर्स्ट नीति के तहत 18050 करोड़ की राशि को बढ़ाकर 22154 करोड़ कर दिया है। संकेत हैं कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध मधुर हो और परस्पर सहयोग की भावना को बल मिले। वहीं मालदीव के लिए करीब 770 करोड़ रुपए की धनराशि रखी गई है।

- वीरेंद्र कुमार, हजारीबाग

विश्व को विशिष्टाद्वैत सिद्धांत देने वाले स्वामी रामानुजाचार्य

धर्म

विश्व को विशिष्टाद्वैत सिद्धांत देने वाले स्वामी रामानुजाचार्य शिवांगी संत यमुनाचार्य जी के वैकुंठ गमन के पश्चात एक अभूतपूर्व घटना घटी, जिससे एक साधारण बालक के असाधारण बनने की प्रक्रिया आरंभ हुई। बालक ने देखा की शरीर त्यागने के पश्चात भी गुरू जी की तीन उंगलियां मुड़ी हुई थी, सभी इस भेद को जानने के लिए उत्सुक थे। उदासीन बालक यह भांप गया की गुरुवर के तीन इच्छा बाकी थी।

भारतवर्ष पर सैकड़ों वर्षों से ही अनगिनत आक्रमण होते आए हैं परन्तु इसकी अखण्डता को अक्षुण्ण रखने हेतु अनेकों वीर, महात्मा, संत, कवि आदि ने इस भूमि पर जन्म लिया और हर प्रकार से इसकी रक्षा की। ऐसा ही एक दौर था आज से लगभग हजार वर्ष पूर्व, जब भारत की अस्मिता पर आँच आई थी। विदेशी आक्रांताओं के अत्याचार, लूट-पाट और भय से मनुष्य का मन निराशा से भर उठा था। ऐसे में दक्षिण भारत के तमिल नाडु राज्य के श्रीपेरुमबुदुर नामक ग्राम में सन 1017 ई० में एक ब्राह्मण परिवार में बालक का जन्म होता है।

माता कांतिमती तथा पिता केशव उसे लक्ष्मण कहकर पुकारते थे। वह बालक भक्ति का ऐसा बीज बोता है जिससे जनमानस में सांस्कृतिक क्रांति, चेतना और जागृति हो जाती है। छोटी उम्र में पिता को खोने के बाद बालक परिवार सहित कांची जाकर ह्यादव प्रकाशह्न से वेदांत की शिक्षा ग्रहण करता है। अपने गुरु की वेद चर्चा और तर्क से असंतुष्ट और असहमत बालक आगे चलकर आलवर संत श्रीपाद यमुनाचार्य जी महाराज की शरण में चला जाता है और उनका प्रधान शिष्य भी बन जाता है।

संत यमुनाचार्य जी के वैकुंठ गमन के पश्चात एक अभूतपूर्व घटना घटी, जिससे एक साधारण बालक के असाधारण बनने की प्रक्रिया आरंभ हुई। बालक ने देखा की शरीर त्यागने के पश्चात भी गुरू जी की 3 उंगलियां मुड़ी हुई थी, सभी इस भेद को जानने के लिए उत्सुक थे। उदासीन बालक यह भांप गया की गुरुवर के तीन इच्छा बाकी थी। अकस्मात ही वह बोल पड़ा, ह्लमैं ब्रह्मसूत्र पर भाष्य लिखूंगा और इतना कहते ही गुरु यमुनाचार्य की एक उंगली खुल गई। उसने और ऊँचे स्वर तथा दृढ़ निश्चय के साथ दो और प्रण किए की वह श्रीविष्णु सहस्त्रनाम और दिव्य प्रबंधम पर भी टीका लिख अपने गुरू की इच्छा और साथ ही समस्त मानव जाति का कल्याण करेंगे। इसके पश्चात ही बाकी दो उंगलियां भी खुल गई। कार्य अत्यंत ही दुष्कर था परन्तु दृढ़ संकल्प, विराट इच्छाशक्ति, आत्म विश्वास और गुरु के आशीर्वाद से यह कार्य पूर्ण हुआ और लक्ष्मण से श्रीपाद स्वामी रामानुजाचार्य तक का सफर भी तय हुआ।

समानता की दृष्टि

आचार्य रामानुज का कम उम्र में ही थंगाम्मा नामक युवती से विवाह संपन्न हुआ था। कुलीन कन्या होने के कारण उनके मन में तथाकथित निम्न जाति-वर्ग के लोगों के प्रति द्वेष था साथ ही वह उनसे अनुचित व्यवहार भी करती थी। भगवान वरदराज के प्रियभक्त श्री कांचीपूर्ण जी (जो निम्न वर्ग से आते थे) को आचार्य अपना गुरु मानते थे। एक दिन मध्यान भोजन हेतु उन्होंने उन्हें अपने निवास पर आमंत्रित किया। उनके भोजन करके चले जाने के पश्चात थंगाम्मा ने बचे हुए भोजन को बांट दिया, घर को गोबर से लीपा। पुनः स्नान किया और पति के लिए दुबारा भोजन पकाने लग गईं। उनके इस कृत्य से आचार्य जी को बहुत कष्ट हुआ, मन द्रवित हो उठा। उनकी दृष्टि में केवल मनुष्य ही नहीं अपितु प्रत्येक प्राणिमात्र भी।

ईश्वर के समतुल्य ही था।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

संपादक
अविनाश ठाकुर*

फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

स्पीड न्यूज

अंबा प्रसाद की अनुशंसा पर 59 लाख की लागत से बनेगा पीसीसी पथ

भुरकुंडा (रामगढ़)। बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद की पहल पर पतरातू प्रखंड के रिवर साइड बिरसा मुंडा वर्कशॉप से जुबली कॉलेज मोड़ तक लगभग 500 मीटर पीसीसी पथ का निर्माण लगभग 59 लाख की लागत से होगा। इस संबंध में ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा सड़क निर्माण के लिए निविदा जारी कर दी गई है। उक्त जानकारी देते हुए विधायक प्रतिनिधि कृष्णा सिंह ने बताया कि उक्त पथ का निर्माण जिला योजना अनाबद्ध निधि मद से होगा। उन्होंने बताया की विधायक अंबा प्रसाद द्वारा विगत दिनों दर्जनों योजनाओं की अनुशंसा रामगढ़ जिला योजना पदाधिकारी को भेजा गया था। इसके बाद उक्त सड़क निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हुई है। श्री सिंह ने कहा की सड़क विकास का पैमाना होता है। सड़को का जाल बिछाकर विधायक अंबा प्रसाद ग्रामीणों के आवागमन के लिए बेहतर सुविधा मुहैया कराने के प्रति कटिबद्ध हैं।

शैक्षणिक वनभोज आयोजित

रामगढ़ । राधा गोविन्द विश्वविद्यालय ने प्रशिक्षुओं को गेतलसूत डैम रांची में दिया वनभोज। प्रशिक्षुओं ने गेतलसूत डैम का किया भ्रमण। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी. एन. साह ने भ्रमण से छात्रों के संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास के लिए महत्वपूर्ण कड़ी है। कुलसचिव डॉ. निर्मल कुमार मंडल ने बताया कि वनभोज से विद्यार्थी को स्वयं कार्य करने हेतु प्रेरित किया जाता हैं ताकि वे परिश्रम एवं अनुशासन के महत्व को समझ सके ।

मृत कर्मी के आश्रित को मिला 17 लाख

कुजू। शोल्ड लाइफ इंश्योरेंस के तहत मृतक सीसीएल कर्मी भोला प्रसाद के धर्म पत्नी के नाम बैंक ऑफ इंडिया तोपा शाखा द्वारा 17 लाख 20 हजार रुपए का चेक सौपा गया। इस दौरान मृतक के पुत्र बादल कुमार ने उक्त चेक को स्वीकार किया। मैनेजर शाहिद अख्तर ने कहा कि आज के समय में घटना दुर्घटना किसी के भी साथ हो सकता है। सभी लोग अपने-अपने बैंक खाता में इंश्योरेंस जरूर कराए। उल्लेखनीय हो कि कुछ माह पूर्व तोपा परियोजना के खुली खदान में क्रेन हादसे में सीसीएल कर्मी भोला प्रसाद के मौत हो गया था। जिसके बाद बैंक ऑफ इंडिया तोपा शाखा द्वारा शोल्ड लाइफ इंश्योरेंस के तहत उक्त चेक सौपा गया। मौके पर सेकंड मैनेजर उदय कुमार शर्मा, दीपांकर बोस, अभिषेक कुमार, राजदीप कुमार रवि, शोभा कुमारी, एमडी नवाज ,रंजीत कुमार, गुड्डू कुमार आदि कई लोग उपस्थित थे।

अवैध बालू लदा दो हाईवा जब्त

भदानीनगर (रामगढ़)। रामगढ़ एसपी के निर्देश पर अवैध बालू के कारोबार के खिलाफ पतरातू और भदानीनगर क्षेत्र में बुधवार सघन अभियान चलाया गया। अभियान में पतरातू थाना में तीन और भदानीनगर में दो हाईवा जब्त किया गया। जानकारी के अनुसार बुधवार की रात्रि भदानीनगर पुलिस ने उरीमारी से रामगढ़ की ओर जा रही अवैध बालू लदी दो हाईवा जेएच 02 एएक्स 7856 और जेएच 24 डी 1734 को पकड़ा। इस दौरान पुलिस ने दोनो गाडियों से बालू के चालान की मांग की। साथ ही पुलिस मामले की गहना से जांच कर रही है। मालूम हो कि सरकार द्वारा बालू की निलामी प्रक्रिया नहीं किये जाने के बाद से ही क्षेत्र में अवैध बालू को कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। बालू माफिया बेखौफ होकर रात के अंधेरे में कारोबार को अंजाम देते हैं। साथ ही काफी उंचे दाम पर बालू की बिक्री कर मालामाल हो रहे हैं। मामले पर भदानीनगर ओपी प्रभारी धनंजय प्रसाद ने बताया की पकड़े गये दोनो हाईवा के बावत जांच-पड़ताल की जा रही है। जांच के बाद कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

जीवन बीमा ने लगाया विशेष शिविर

भुरकुंडा (रामगढ़)। भदानीनगर क्षेत्र के पाली गांव में जीवन बीमा पोस्ट ऑफिस के तत्वावधान में गुरूवार को शिविर का उद्घाटन हजारीबाग के डाक अधीक्षक आशुतोष कुमार सिन्हा, सहायक डाक अधीक्षक नवीन कुमार, कुंदन कुमार व पाली पंचायत की मुखिया रेखा देवी ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में बीमा आरडी, एसएसए, टीडी, एमआईएस, आईपीपीबी, आधार कार्ड सुधार, नया आधार कार्ड बनाने सहित अन्य कार्य किये गये। इस दौरान दर्जनों लोगों के विभिन्न समस्याओं का समाधान करते हुए लगभग 25 आधार कार्ड सुधारा गया। कई लोगों का नया आधार कार्ड बनाने का भी कार्य किया गया। हजारीबाग के डाक अधीक्षक आशुतोष कुमार सिन्हा ने ग्रामीणों को विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए इसका शत प्रतिशत लाभ उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करना।

मध्य विद्यालय झरपो में जिला शिक्षा अधीक्षक ने किया निरीक्षण

खबर मन्त्र संवाददाता

छात्रों को सफल होने के लिए दिये कई टिप्स

टाटीझरिया। प्रखंड के झरपो पंचायत में एक ही परिसर में चल रहे मध्य विद्यालय झरपो और उत्क्रमित उच्च विद्यालय में 8 फरवरी गुरुवार को हजारीबाग जिला शिक्षा अधीक्षक संतोष गुप्ता ने निरीक्षण किया। मध्य विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक महेंद्र इंदीवर ने कहा कि डीएसई सर्व प्रथम मध्याह्न भोजन व्यंजन सूची को देखा। भोजन सामग्री की मात्रा की जांच की। बारी बारी से आठवीं कक्षा के दो वर्ग अ तथा इ मे छात्र छात्राओं से मुलाकात की। एक छात्रा ने गायक बनने को कहा तो जिला शिक्षा अधीक्षक ने उस छात्रा से कई लोक प्रिय हिंदी गीत गानों को संक्षिप्त बहुत कम समयानुसार सुना तो उन्होंने छात्र की गाने सुन प्रसन्न हो गए। उस छात्रा को आश्वासन देते हुए कहा की आप अपना नाम पता प्रभारी प्रधानाध्यापक को दे । मैं आपको एक बड़ी मंच दूंगा। इस दौरान वे कई छात्रों से मिले और सफलता के टिप्स दिए। पुनः विद्यालय कार्यालय में आए तो उन्होंने विद्यालय संबंधी समस्याओं की पूछ ताछ किया। उन्हे विद्यालय से सर्बाधित समस्याओं से अवगत कराया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में आए जिला शिक्षा अधीक्षक ने संतोषजनक उत्तर पाकर छात्र छात्राएं संग शिक्षक शिक्षकाओं की उज्ज्वल भविष्य की कामना की छात्रों ने कहा कि डीएसई से मिलकर सभी को बहुत अच्छा लगा। मौके पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रोकेश कुमार सिंह, डॉ. दयाल प्रसाद, शिक्षक मौजूद थे।

जीवन बेहद अनमोल, ट्रैफिक नियमों का करें पालन : डीसी

रामगढ़ के सुभाष चौक से गुरु नानक स्कूल तक बच्चों ने निकाली प्रभातफेरी

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। संयुक्त परिवहन आयुक्त सड़क सुरक्षा परिवहन विभाग झारखंड रांची द्वारा 15 जनवरी से 14 फरवरी तक सड़क सुरक्षा मनाए जाने हेतु प्राप्त निर्देश के आलोक में गुरुवार को जिले में वृहद रूप से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान सर्वप्रथम सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से रामगढ़ शहर अंतर्गत सुभाष चौक पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। जिसके उपरांत विभिन्न विद्यालयों के बच्चों के द्वारा सड़क सुरक्षा से संबंधित प्रभात फेरी निकाली गई। मौके पर उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार द्वारा सड़क सुरक्षा के तहत सुभाष चौक से गुरु नानक पब्लिक स्कूल रामगढ़ तक आयोजित मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं, उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडे, वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार, उप विकास आयुक्त रॉबिन टोप्पो, अनुमंडल पदाधिकारी शीलवन्त कुमार भट्ट सहित जिले के अन्य वरीय अधिकारियों, अधिकारियों, कर्मियों, बच्चों सहित बड़ी संख्या में जिलेवासियों ने मैराथन में भाग लिया।मैराथन के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन का उपयोग करने वाले लोगों को पुष्प देकर उनसे हेलमेट लगाने एवं अन्य ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की। मैराथन की समाप्ति के उपरांत गुरु नानक पब्लिक स्कूल रामगढ़ के सभागार में सड़क सुरक्षा के तहत आयोजित कार्यक्रम का उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, वन प्रमंडल पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

उपायुक्त ने कहा कि देश में प्रत्येक वर्ष लगभग 3 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गवा देते हैं और अगर इसमें घायल होने वालों को जोड़ा जाए तो यह संख्या बेहद बड़ी हो जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि जीवन बहुत ही अनमोल है इसलिए यह बहुत जरूरी है कि हम सभी वाहनों का उपयोग करने के दौरान सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें, नशे की हालत में गाड़ी ना चलाएं एवं बिना सीट बेल्ट के चार पहिया वाहन तथा बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन का उपयोग न करें। मौके पर उपायुक्त ने सभी युवाओं से किसी भी परिस्थिति में अति उत्साहित होकर लापरवाही से वाहन ना चलाने की अपील की। मौके पर उपायुक्त ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी बच्चों से अपने घरों में अपने अभिभावकों के साथ-साथ अन्य लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने की अपील की। पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडे ने वाहन के उपयोग के दौरान नियमों का पालन करने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को सड़क सुरक्षा के तहत एजुकेशन, एनफोर्समेंट, इंजीनियरिंग एवं एमरजैंसी केयर के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए सभी से इनका पालन करने की अपील की। वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार ने नुक्कड़ नाटक सहित अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले सभी बच्चों की सराहना करते हुए सभी से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों के द्वारा नुक्कड़ नाटक में हिस्सा लेने वाले युवाओं को पुरस्कृत किया गया ।

बैंक खाते से अवैध निकासी को ले थाने में लिखित शिकायत

कटकमसांडी। प्रखंड के कंडसार एसबीआई शाखा में एक अवैध निकासी का मामला प्रकाश मे आया है। इस मामले को लेकर भुक्तभोगी उमाकांत शर्मा ने एसबीआई बैंक और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के खिलाफ कटकमसांडी थाने मे एक लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। बताया कि मेरे खाते से का चक्कर काटते काटते जब थक गए तो उन्हें अब कानून का सहारा लेना पड़। उन्होंने गुरुवार को कटकमसांडी थाना में एसबीआई के शाखा प्रबंधक और एसबीआई लाइफ के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। दिए गए आवेदन में भुक्तभोगी द्वारा कहा गया है कि एसबीआई शाखा कंडसार में खाता खुलवाया है। आठ फरवरी को एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के नाम पर 5752 रुपया 50 पैसा काट लिया गया है। पैसा काटने के बाद जब मोबाइल पर मैसेज आया तो उन्होंने बैंक और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कार्यालय पहुंच इसकी जानकारी लेने का प्रयास किया। लेकिन बैंक द्वारा संतोषजनक जवाब नही मिला। बताया कि हैरानी की बात यह है कि उन्होंने एसबीआई लाइफ में कोई पॉलिसी खरीदी ही नहीं। बावजूद इसके अवैध रूप से उनके खाते से राशि की निकासी कर ली गई। उन्होंने आवेदन में आरोप लगाया कि कंडसार बैंक के शाखा प्रबंधक और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के शाखा प्रबंधक के मिली भगत से अवैध रूप से पैसा की निकासी की गई है।

चौपारण : हनुमत उत्सव सह लक्ष्मी नरसिंह यज्ञ को लेकर ध्वजारोहण

खबर मन्त्र संवाददाता

चौपारण। बिगहा में हनुमत सेवा संस्थान द्वारा पांचवें वार्षिक हनुमत उत्सव सह लक्ष्मी नरसिंह यज्ञ को लेकर गुरुवार को पूजा, मंत्रोच्चार तथा वैदिक रीति रिवाज से ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान हनुमत मंदिर, गढकाली मंदिर, शिव मंदिर तथा गढ़वाल देवता के आह्वान के साथ पूजा अर्चना की गई। महावीरी पताका फहराया गया। अयोध्या से आये यज्ञाचार्य सोमनाथ शुक्ल,सहायक पंडित सुजीत, शुभम पांडेय ने विधिवत अनुष्ठान को पूरा किया। इस दौरान बडी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड रही। पुजारी प्रेम चंद्रवंशी ने सपत्नीक अनुष्ठान पूरा किया। संस्थान के अध्यक्ष आनंद चंद्रवंशी तथा सचिव कुमार राहुल ने बताया कि वार्षिक उत्सव तथा यज्ञ का आयोजन 16 मार्च से आहुत है। यज्ञ में देश के प्रख्यात प्रवचन कर्ता बृंदावन के अंकुश जी महाराज का आगमन होगा। यज्ञ के आयोजन की तैयारी आरंभ कर दी गई है। पांचवें साल का अनुष्ठान है।मौके पर डॉ चक्रपाणि जी महाराज, बालमुकुंद पांडेय, हरिश्चंद्र सिंह, रामचंद्र सिंह, संजय सिंह, अशोक सिंह, चंद्रवंशी समाज के अध्यक्ष छत्रधारी चंद्रवंशी, रवीन्द्र वर्मा, बजरंग वर्मा, सांसद प्रतिनिधि राजेन्द्र चंद्रवंशी, राजेश रवानी, आशीष चंद्रवंशी,सुरेश पांडेय, रामलखन सिंह, केदार यादव, शिवनंदन केशरी, बृजनंदन चंद्रवंशी, सियाराम सिंह, सतेंद्र सिंह, कोठारी सिंह, नीरज चंद्रवंशी, अशोक चंद्रवंशी, पंकज कुमार,नीरज कुमार समेत बडी संख्या में लोग मौजूद थे।

यातायात नियमों का पालन करें जरूर: डीटीओ

हजारीबाग। अगर आप चाहते हैं यात्रा के दौरान यमराज रहें दूर तो यातायात नियमों का पालन करें जरूर। परिवहन के नियमों पर ध्यान नहीं देंगे, तो हादसे का खतरा बढ़ा रहेगा। क्योंकि किसी का भी यमराज से कोई एग्रीमेंट नहीं है। ऐसे में सभी लोग यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचे। इससे परिवार में भी खुशहाली बनी रहेगी। गुरुवार को बिना हेलमेट व बिना रजिस्ट्रेशन वाहन चलाने वाले, बिना सीट बेल्ट के सफर करने वालों वाहन की काउंसिलिंग की गयी। साथ ही चेताया गया कि यदि यातायात नियमो का पालन नहीं करेंगे तो जल्द परिवार और अपने चाहने वालों के लिए मुसीबत खड़ी कर देंगे। जिला परिवहन कार्यालय और यातायात पुलिस ने गुरुवार को सीसीआर डीएसपी ऑफिस के समीप विशेष अभियान चलाया। सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर सड़क सुरक्षा टीम ने यातायात पुलिस के साथ यातायात नियमों के उल्लंघन करने वालों को यातायात नियमों की जानकारी दी। बिना हेलमेट पहने दुपहिया चालक तथा बिना पंजीकृत दुपहिया वाहन, ई रिक्शा तथा अन्य हलके वाहन चालको की काउंसलिंग की गयी। काउंसलिंग जिला परिवहन पदाधिकारी बैद्यनाथ कामती, यातायात प्रभारी के के साहा तथा मोबाइल दारोगा महेंद्र पासवान शामिल थे।

बिजली के मेंटेनेंस को लेकर जीएम से मिले सदर विधायक

जीएम ने जल्द काम करने का दिया आदेश

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। गुरुवार को सदर विधायक मनीष जायसवाल बिजली विभाग के महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता दिनेश कुमार सिंह से मुलाकात कर क्षेत्र की बिजली से संबंधित समस्याओं और रामनवमी-2024 की तैयारी को लेकर अभी से ही मेंटेनेंस कार्य शुरू करने को लेकर चर्चा की।

जायसवाल ने शहर के कुम्हारटोली, आश्रम रोड़ के कई परिवारों की बिजली संबंधी समस्या का यथासिध्र निराकरण करने, दारू प्रखंड के छोटका इरगा में 100 केबीए के ट्रांसफार्मर को बदलकर 200 केबीए में अपग्रेड करने, बहेरी में कृषि कनेक्शन लगाने, क्षेत्र में भारी संख्या में 25 केबीए के ट्रांसफार्मर को अपग्रेड करने और आगामी रामनवमी -2024 की तैयारी को लेकर हजारीबाग के रामनवमी मार्ग में बिजली मेंटेनेंस का कार्य अभी से शुरू करनी की मांग महाप्रबंधकसह मुख्य अभियंता दिनेश कुमार सिंह से किया।

महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता दिनेश कुमार सिंह ने अपने अधिनस्त पदाधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए विधायक द्वारा सुझाए गए समस्याओं पर यथाशीघ्र कार्य करने को कहा। उन्होंने विधायक मनीष जायसवाल को आश्वस्त किया की समस्याओं का समाधान जल्द होगा और रामनवमी रुठ पर मेंटेनेंस का काम भी वर्तमान वर्ष पहले ही शुरू कर दिया जाएगा।

एक नजर में

एनटीपीसी परियोजना प्रमुख से मिले एसडीपीओ

बड़कागांव।बड़कागांव एसडीपीओ कुलदीप कुमार ने पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना मुख्य महाप्रबंधक नीरज जलोटा से औपचारिक मुलाकात की।सीकरी स्थित कार्यालय में परियोजना प्रमुख ने उनका पौधा देकर स्वागत किया। कुलदीप कुमार ने हाल ही में जिले की सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में से एक माने जाने वाली बड़कागांव के नए एसडीपीओ के रूप में पदभार ग्रहण किया है। पदभार ग्रहण करने के बाद एनटीपीसी के कार्यालय में वे पहली बार पहुंचे जहां एनटीपीसी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बेहतर समन्वय और परस्पर सहयोग के लिए उनसे बातचीत की। एनटीपीसी के द्वारा इस बात कि उम्मीद जतायी गई कि पूर्व की भांति आगे भी परस्पर सहयोग हमें आपके नेतृत्व में पुलिस प्रशासन से मिलता रहे।परियोजना प्रमुख नीरज जलोटा से मुलाकात के दौरान एसडीपीओ कुलदीप कुमार के साथ इंस्पेक्टर अनिल कुमार एवं मानव संसाधन विभाग अपर महाप्रबंधक अमित कुमार अस्थाना मौजूद रहे।
8 हैज पी 3 : एसडीपीओ व एनटीपीसी के अधिकारी।

नकली शराब फैक्ट्री में छापा, एक गिरफ्तार

दारू। हजारीबाग जिला के दारु थाना अंतर्गत झुमरा चौक से एक किलोमीटर दूरी पर जोन्हीया गांव में अवैध अंग्रेजी नकली शराब की मिनी फैक्ट्री का उद्भेदन किया गया। जिसमें मद निषेध एवं उत्पाद विभाग के दारोगा सुमितेश कुमार के नेतृत्व में छापामारी किया गया। जिसमें एक व्यक्ति आकाश गुप्ता को फैक्ट्री से ही गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में सुमितेश कुमार के दूरभाष नंबर पर कई बार संपर्क करने का प्रयास किया गया ।इन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। ज्ञात सूत्रों के अनुसार यह अवैध अंग्रेजी नकली शराब की फैक्ट्री कई वर्षों से चल रहा था और कई बार छापामारी होने के बाद भी कारोबार होते ही रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है, कि इस शराब के कारोबार में कई लोग संलिप्त हैं। जो यह नकली शराब बिना रोक-टोक के दारू ,झूमरा, चुरचू, इचाक, टाटीझरिया, बिष्णुगढ़ सहित हजारीबाग जिले अलावा कई अन्य स्थानों पर भी अवैध नकली अंग्रेजी शराब आपूर्ति की जा रही है। वहीं विभाग बेखबर रहती है।

20 सूत्री महत्वपूर्ण बैठक 10 फरवरी को

दारू। जिला बीस सूत्री कार्यक्रम कियान्वयन समिति की बैठक दस फरवरी को दोपहर के एक बजे परिसदन आहूत की गई है । बैठक की अध्यक्षता 20 सुत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के प्रखंड संयोजक मोहन सिंह करेंगे । बैठक में जिला 20 सुत्री के सदस्य प्रखंड के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सदस्य के अतिरिक्त जिला 15 सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के सदस्य भी बैठक में मुख्य रूप से शामिल होंगे । बैठक के पश्चात 20 सुत्री तथा 15 सुत्री से संबंधित जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौपा जाएगा।

रसोईया प्रतियोगिता में प्रथम फूलवंती देवी

दारु। गुरुवार को उत्क्रमित उच्च विद्यालय तिऊज पुनाई में संकुल स्तरीय कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संकुल क्षेत्र के मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के रसोईयों के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में रसोईयों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। इस प्रतियोगिता में मोटा अनाज, रागी/रावा/कोदो आदि के व्यंजन, भोजन का स्वाद, भोजन की तैयारी में किये गए नवाचार, तैयार भोजन की गुणवता, भोजन निर्माण की प्रक्रिया में स्वच्छता एवं सफाई का पालन मानको के आधार पर विजेताओ का चयन किया गया। इस प्रतियोगिता में मध्य विद्यालय तिउज पुनाई, मध्य विद्यालय देवरिया, प्राथमिक विद्यालय शिलाडीह एवं प्राथमिक विद्यालय कबलाशी ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के जज संकुल साधना देवी और सहदेव प्रसाद ने सभी तय मानको के आधार पर प्रथम मध्य विद्यालय तिउज पुनाई की रसोईआ फूलवंती देवी एवं द्वितीय प्राथमिक विद्यालय कबलासी की राशिदा खातून को चुना गया। मध्य विद्यालय तिउज पुनाई के प्रधानाध्यापक नितिन सिन्हा ने कहा की इस तरह के प्रतियोगिता से रसोईया का हुनर बाहर आता है व इनका मनोबल बढ़ता है। इस मौके पर मध्य विद्यालय तिउज पुनाई के प्रधानाध्यापक नितिन सिन्हा, राकेश आनन्द, रमेश सिंह, वृजनंदन राम, कृपाल राम, रंजना कुमारी, सोनी सिंह आदि मौजूद थे।

एसडीपीओ से मिले कांग्रेस के नेता

बड़कागांव। बड़कागांव के नव पदस्थापित एसडीपीओ कुलदीप कुमार से कांग्रेसियों ने औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान इंटक प्रदेश सचिव सह विधायकअंबा प्रसाद के भाई अंकित राज भी मौजूद रहे। बड़कागांव अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के कार्यालय पहुंचकर कांग्रेसियों ने गुलदस्ता भेंट करके बड़कागांव में पदभार ग्रहण करने पर स्वागत किया। इस दौरान प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे,विधायक प्रतिनिधि सुरेश महतो,पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद मजहर,बबलू साव,सईद अनवर,गौतम कुशवाहा,छोटे खान, चंद्रिका साव,मोहम्मद साबिर, मोहम्मद वाहिद,रफुल मियां,अशोक सिंह,उमाशंकर साव,अशोक साव, नवीन ठाकुर,अरुण रंजन प्रसाद, नवीन राम, चुनु राम,विक्रम महतो, संजय सिंह,मोहम्मद साबिर मौजूद थे।

वन विभाग ने चलाया सर्च अभियान

टाटीझरिया। टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पश्चिमी वन प्रमंडल के झरपो, अमनारी, नारायणपुर, बेडमक्का सहित अन्य गांवों में लकड़ी काटकर लाने का सिलसिला जारी है। प्रभारी वनपाल को सूचना मिली की इस क्षेत्र में अंधाधुंध लकड़ी की कटाई की जा रही है। सूचना मिलते ही प्रभारी वनपाल विद्याभूषण, वनरक्षी गोपी पासवान, मो नजीर हुसैन, व अनिल कुमार शर्मा ने जंगल से लकड़ी लाते हुए झरपो निवासी भुनेश्वर महतो और दिनेश्वर प्रसाद को पकड़ा और लकड़ी जब्त कर हजारीबाग ले जाया गया। वनपाल विद्याभूषण ने कहा की दो लोग लकड़ी लाते हुए पकड़े गए है. दोनो के विरुद्ध न्यायलय में मामला दर्ज किया गया है।

झुमरा बाजार से दो बाइक की चोरी

दारु। दारु और झुमरा साप्ताहिक बाजार मे लगातार बाइक और मोबाइल चोरी की घटना हो रही पर दारु थाना पुलिस सिर्फ मुकदर्शक बनी हुई है। इन दिनों बाजारो से हर सप्ताह चोर चोरी की घटना को अंजाम दे रहे है पर पुलिस सिर्फ मामला दर्ज कर अपना पल्ला झाड़ लेती है।झुमरा सप्ताहिक हाट में गुरुवार को मनोज कुमार महतो पिता परमेश्वर महतो गाडी साडम पंचायत कबलासी निवासी की हीरो स्प्लेंडर बाइक संख्या जे एच 02 बीडी 5624 की चोरी उनके अपने दुकान के सामने से हो गयी। इसी बाजार मे दूसरी बाइक संदीप कुमार पिता तुलसी महतो ग्राम. बेडमक्का पंचायत खैरा निवासी की स्प्लेंडर प्लस बाइक संख्या जे एच 02 ए वाई 5051 की भी चोरी हो गयी। चोरी के बाद संदीप की मां का रो रो कर बहुत बुरा हाल था, मां ने बताया कि बड़ी मुश्किल से किसी तरह मेहनत मजदूरी कर बाइक की खरीदारी की थी अब वह फिर से बाइक नही खरीद पाएगी।

स्पीड न्यूज

बाइक चोर को ग्रामीणों ने धुना, पुलिस को सौंपा, जेल

ओरमांझी। थाना क्षेत्र में आए दिन बाइक की चोरी हो ही है। पुलिस की पकड़ से दूर एक चोर को ग्रामीणों ने पकड़ कर जमकर धुनाई कर दी। सुबह चार बजे हुई घटना के संबंध में बताया गया कि तीन चोर पहुंचे और पिस्का निवासी झबूलाल महतो के घर के आगे खड़ी बाइक जेएच01एएस- 2706 की चोरी कर लुढ़काते हुए ले जा रहे थे। तभी लोगों की नजर पड़ गई। हो-हल्ला करने पर ग्रामीणों ने चोरों को घेर लिया। ग्रामीणों से घिरता देख दो चोर भाग गए। वहीं एक चोर ग्रामीणों के हत्थे चढ़ गया। लात-घुसे से उसकी जमकर पिटाई की गई। सूचना मिलने पर पहुंची ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा चोर को छुड़ा कर थाना ले गई। उसका नाम श्रीकांत मिश्रा बताया गया है। पुलिस द्वारा उसे जेल भेज कर अन्य चोरों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

मैक्लुस्कीगंज के जोभिया गांव में मिला अजगर

खलारी। मंडार बुढ़मू वन क्षेत्र के खलारी मैक्लुस्कीगंज बिट के मैक्लुस्कीगंज स्थित जोभीया गांव में ग्रामीणों ने एक अजगर सांप को देखा। गांव के झाड़ी में अजगर सांप को देखे जाने की सूचना जब उक्त जगह के ग्रामीणों को मिला तो सांप देखने के लिए पहुँचने लगे। तभी इसकी सूचना वन विभाग को दिया गया। वन विभाग के टीम ने बिना देर किए ही वनपाल अशफाक अंसारी के द्वारा त्वरित कारवाई करते हुए अपने साथ दल बल के साथ जोभीया गांव के राणा कॉटेज व मंगला काली मंदिर के पास पहुंचे। ततपश्चात अजगर सांप को रेस्क्यू कर उसे नकटा पहाड़ के घने जंगलों में जाकर छोड़ देने की बात कही। अजगर सांप को रेस्क्यू करने में वन कर्मी सुनील एक्काएवन समिति अध्यक्ष रामलाल गंझू सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

सिकिदिरी में भाजपा प्रवासी कार्यकर्ताओं की बैठक

सिकिदिरी। भाजपा सिकिदिरी मंडल अध्यक्ष सुनील महतो की अध्यक्षता में गुरुवार को प्रवासी कार्यकर्ताओं की बैठक सिकिदिरी में हुई। मुख्य अतिथि के रूप में जिला उपाध्यक्ष मानकी राजेन्द्र शाही ने पार्टी में शामिल हुए तिलकनाथ बेदिया व सोना बड़ाईक को पार्टी का पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष प्रभुदयाल बड़ाईक, मनमोहन भोग्ता, बिहारी महतो, सोहरैया बेदिया, रमण कुमार बिट्टू, हरेन्द्र महतो, राम प्रसाद महतो, नरेश बेदिया, दिलीप मिर्धा, पंचम भोगता, धनेश्वर बेदिया, नागेश्वर बेदिया आदि उपस्थित थे।

भूतपूर्व सैनिकों को किया विधायक ने सम्मानित

राहे। प्रखंड के बंसिया गांव में गुरुवार को कारगिल मेला का आयोजन किया गया। मेला कमिटि कारगिल युद्ध में पराक्रम दिखाने वाले शहीदों की याद में हर वर्ष कारगिल टुसु मेला का आयोजन करता है। मेले में भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गयाए तथा शहीद सैनिक परिवारों या आश्रितों को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान चौड़ल प्रदर्शनी कृषि पैदवार प्रदर्शनी लगाई गई।

अलग-अलग सड़क हादसे में दो की मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र में बुधवार की शाम लगभग छह व सात बजे दो अलग अलग सड़क दुर्घटना में एक अज्ञात विक्षिप्त महिला व एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। पहली घटना बेड़ो साईं मंदिर रोड में हूटार गांव के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार सरायकेला के धुंधाडीह गांव निवासी 32 वर्षीय मंगल उरांव पिता अजम्मर उरांव की मौत हो गई। वही दूसरी घटना रांची गुमला मुख्य मार्ग के ईंटा चिल्द्री मोड़ के समीप लगभग सात बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक विक्षिप्त महिला की मौत हो गई। इधर घटना की सूचना पर बेड़ो थाना पुलिस ने दोनों शवों को बरामद कर थाने ले लायी है।

खड़ी ट्रक में लगी आग, चालक की बची जान

ओरमांझी। एनएच-20 सड़क किनारे झारखंड ढाबा के समीप एक खड़ी ट्रक में आग लग गई। घटना के संबंध में बताया गया कि बुधवार रात को रांची से रामगढ़ की जा रही ट्रक पीबी23एम 9023 का चालक ढाबे के किनारे ट्रक खड़ी कर सो गया। सुबह चार बजे ट्रक स्टार्ट कर चाय पीने चला गया। वहीं ट्रक के केबिन में उप चालक सोया था। थोड़ी देर में ही ट्रक से धुंआ निकलने लगा और आग लग गई। आग लगने से केबिन पूरी तरह जल गया। वहीं उपचालक ने ट्रक से कूद कर अपनी जान बचाई। वहीं ढाबा संचालक व स्थानीय लोगों द्वारा पाइप की मदद से पानी डाल कर ट्रक को जलाने से बचा लिया। वहीं केबिन जलने से उसमें रखे मोबाइल सहित कई सामना जल कर राख हो गए।

रेलवे फाटक से भिड़ा ट्रेलर, जब्त

खलारी। बालूमाथ के तरफ से मैक्लुस्कीगंज की ओर आ रही सरिया ;रॉडद्ध लदा ट्रेलर सीजी 07 सीए 0438 का ब्रेक फेल हो जाने से मैक्लुस्कीगंज रेलवे फाटक तोड़ते हुए पार हो गया। घटना लगभग 4रू30 का बताया जाता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बताया गया कि रेल फाटक कुछ मिनट पहले ही बंद हुआ था। तभी अचानक से बालूमाथ की ओर से आ रही ट्रेलर ने बंद रेल फाटक को तोड़ते हुए पार हो गया। रेल फाटक बंद होते ही छोटे बड़े वाहनों का तांता लग जाता था। लेकिन भाग्य अच्छा था कि जिस समय ट्रेलर गेट तोड़ते हुए पार हो रही थी। उस समय कोई भी वाहन नही लगा था। मैक्लुस्कीगंज रेलवे फाटक 8ध्ए टी में तैनात रेलवे फाटक कर्मी हुन्द्रा उराँव ने बताया कि फाटक बंद करने के दौरान अचानक से एक ट्रेलर फाटक के दोनों ओर लगे बम्बू को तोड़ते हुए पार हो गया। उसी समय डाउन मेन लाइन से सवारी ट्रेन व अप मेन लाइन की तरफ से गुड्स ट्रेन आने की सूचना थी।

बेड़ो : सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार दंपति घायल, रिम्स रेफर

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के बेड़ो लोहरदगा मार्ग पर खत्री खटंगा मोड़ के समीप गुरुवार की अपराह्न लगभग चार बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मुरतो बेड़ो निवासी स्कूटी सवार दंपति पति 75 वर्षीय राम प्रताप ठाकुर व 72 पत्नी लीला देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें बीडीओ संग्राम मुर्मू ने 108 एम्बुलेंस से समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो भिजवाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल दंपति को रिम्स रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार दंपति बेड़ो बाजार से अपने घर जा रहे थे।

एक नजर में

खलारी : प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में भैया-बहनों का बेहतर प्रदर्शन

खलारी। विद्या भारती द्वारा आयोजित प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर डकरा के भैया-बहनों का शानदार प्रदर्शन रहा। किशोर वर्ग के खोज प्रतियोगिता में विक्रम कुमार महतो को पूरे झारखंड प्रान्त में तृतीय स्थान के साथ तीन हजार रुपये नगद राशि सह प्रमाण पत्र पुरस्कारए प्रिया कुमारी को सांत्वना पुरस्कार के साथ एक हजार रुपये और बाल वर्ग के चयन प्रतियोगिता में प्रतिज्ञा कुमारी सिंह खुशी कुमारी सौम्या भगत को सांत्वना पुरस्कार के साथ एक हजार रुपये की नगद राशि सहित प्रमाण पत्र सामूहिक तौर पर प्रतिभागी एवं उनके अभिभावकों को 10 हजार रुपये का चेक सीसीएल के मुख्य सुरक्षा अधिकारी राजेंद्र प्रसाद एनके एरिया के हाथों से सौंपा गया।

बेड़ो : विश्वनाथ भगत की पुण्यतिथि 11 को मनायेंगे पड़हा प्रेमी

बेड़ो। बेड़ो के बारीडीह पाड़हा मैदान में गुरुवार को 12 एवं 21 पाड़हा का बैठक मुख्य संरक्षक निलमनी भगत के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में दिनांक 11 फरवरी दिन रविवार को पूर्व विधायक का केंद्रीय पाड़हा संचालन समिति के मुख्य संरक्षक स्वर्गीय विश्वनाथ भगत का स्मरण दिवस ;पुण्यतिथिद्ध मनाया जाएगा। यह तृतीय स्मरण दिवस होगा। उसी दिन 12 एवं 21 पड़हा के साथ .साथ पांच पड़हाए सात पड़हाएआठ पड़हा के साथ मांडर के सभी पड़हाए चान्हो प्रखंड के सभी पड़हाए लापुंग प्रखंड के सभी पड़हा प्रेमी उपस्थित रहेंगे। वही स्मरण दिवस ;पुण्यतिथिद्ध पर इस बार ज्यादा संख्या में झारखंड आंदोलनकारी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम की सारा विधि व्यवस्था तय कर दिया गया है। बैठक में केंद्रीय पड़हा सचिव धनंजय कुमार रायए 12 पड़हा के राजा विशाल उरांवए 12 एवं 21 पाड़हा अध्यक्ष बंधना उरांवए घीनू उरांवए सुका उरांवए विनोद उरांव मौजूद थे।

विधायक ने किया चार योजनाओं का शिलान्यास

खबर मन्त्र संवाददाता

पिस्कानगड़ी। हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने गुरुवार को नगड़ी क्षेत्र में चार महत्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास नारियाल फोड़कर एवं शिलापट से कपड़ा हटाकर कियाए इसमें नारो पंचायत के पिस्का गांव से बलालोंग को जोड़ने वाली स्वर्णरेखा नदी पर पुल का निर्माणएसाहेर पंचायत के सेमर टोली उपर मुहल्ला से रोड तक नाली निर्माण कार्य पंचायत नारो में गोसाईं टोली में पीसीसी पथ निर्माण और नगड़ी में पिस्का स्टेशन के चांदनी चौक बाबू जेनेरल स्टोर से रोड तक पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। मौके पर नवीन जायसवाल ने कहा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हमारी प्राथमिकता है। राज्य विरोधी सरकार के बावजूद भी हमने जनहित में कई योजनाओं को पास कराया है और प्रयास जारी है। मौके पर सांसद प्रतिनिधि केदार महतो युवा समाजसेवी बजरंग महतो एअनिता देवी शिला देवी बिंदयाचल महतो प्रेम पंचम किस्पोट्टा अनिल गोप गुलरेज अंसारी अमर किस्पोट्टा जैकिसन महतो संजय महतो बीरेंद्र महतो मिथिलेश कुमार दिलीप तिर्की बबलू महतो मोहन महतो राजू किस्पोट्टा सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

चार माह से बंद पड़े सार्वजनिक शैचालय का किया निरीक्षण

खबर मन्त्र संवाददाता

इटकी। पूर्व जिप सदस्य सह झारखंड युवा मंच के केंद्रीय अध्यक्ष मसूद आलम ने गुरुवार को चार माह से बंद पड़े इटकी बाजार स्थित सार्वजनिक शौचालय का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्रामीणों ने उन्हें शौचालय के बंद रहने से होने वाले परेशानियों से अवगत कराया। श्री आलम ने शौचालय के खराब पड़े नल, शौचालय का पाइप लाइन जाम व गंदगी देख कर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि इटकी प्रखंड कृषि प्रधान क्षेत्र है। बाजार में आसपास के गांव से किसान व व्यापारी फसल खरीद फरोख्त करने आते है। ऐसे में शौचालय का चार माह से बंद रहने से ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष कर महिलाओं को परेशानी होती है। उन्होंने इसे एक सप्ताह के अंदर मरम्मत कर चालू करने की मांग संबंधित अधिकारियों से की है। उन्होंने कहा कि यदि एक सप्ताह के अंदर इसे विभाग चालू नही करती है तो झारखंड युवा मंच अपने कोष से जीर्णोद्धार का कार्य करा कर शौचालय को शुरू करेगा।

राष्ट्रीय उद्यमिता एवम् लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड)
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार
ए-23, सेक्टर-62, (संस्थागत क्षेत्र), नोएडा-201309 (उ0प्र0)

प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

(समाजिक क्षेत्र में कार्यरत प्रशिक्षकों हेतु उद्यमिता प्रशिक्षक बनने का सुअवसर)
योग्यता: न्यूनतम स्नातक (मनोविज्ञान, ग्रामीण विकास, सामाजिक विज्ञान अथवा संबंधित विषय को प्राथमिकता)।
अनुभव: कौशल विकास एवं उद्यमिता क्षेत्र में तीन वर्ष का कार्य अनुभव।
प्रतिभागियों का चयन 11.02.2024
प्रशिक्षण प्रारंभ दिनाँक 12.02.2024 से 16.02.2024
स्थान :- In front of Govt ITI, Joint Training Building, Hehal, Ranchi (Jharkhand)- 834005
सीमित सीटें – 50
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें–
कोर्स निदेशक: मनीष कुमार, मो0: 8826894375
manish@niesbud.gov.in | www.niesbud.nic.in
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार
(आजीविका संवर्धन के लिए कौशल अधिग्रहण और ज्ञान जागरूकता (संकल्प)

स्व हरिशंकर के साथियों और यूनियन नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। जनता मजदूर संघ के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरिशंकर सिंह ने ट्रेड यूनियन की राजनीति एनके एरिया डकरा के कोयलांचल धरती से शुरू की थी। उनका भाव और आत्मसमर्पण से लोगों के बहुत करीब के नेता थे। यही कारण है कि गुरुवार के दिन डकरा के संघ कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में एनके एरिया के सभी श्रमिक संगठन के प्रतिनिधियों के अलावा मजदूर एवं आम लोग शामिल होकर उन्हें नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम से पहले दीप प्रज्वलित कर दो मिनट मौन रखकर लोगों ने उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। श्रधांजलि सभा का अध्यक्षता कोल फील्ड यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष मिथलेश सिंह संचालन डीपी सिंहए धन्यबाद ज्ञापन टुपा महतो ने किया। शोक सभा में कमलेश सिंहए सुनील कुमारए शैलेश कुमारए बीएन पाण्डेयए गोलटेन प्रसाद यादवए सुनील सिंहए राघव चौबे मौजूद थे।

मुस्लिम और आदिवासियों ने ग्रहण की भाजपा की सदस्यता

नामकुम। गुरुवार को भाजपा खिजरी मंडल के तत्वावधान में आयोजित सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में प्रखण्ड के हुडवा पंचायत के निचितपुर राईडी गांव में बडी संख्या में मुस्लिम और आदिवासी समुदाय के लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सभी को मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा ने गुलदस्ता व पट्टा पहनाकर पार्टी की सदस्यता दिलाई। मौके पर श्री मुंडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दुरदर्शिता के कारण केंद्र से आ रही योजनाओं का लाभ आम लोगों को बिना बिचैलिए के आसानी से मिल रहा है। जिससे देश व राज्य की जनता समझ चुकी है कि मोदी सरकार में सभी का विकास संभव है। कार्यक्रम के दौरान सभी ने नरेंद्र मोदी,जेपी नड्डा और अमित शाह जिंदाबाद के नारे भी लगाए। सदस्यता ग्रहण करने वालो में जावेद खान, सुमन खान,मोइन खान, साजिद खान, लेलुन खातून, नाजा खातून, आसिफा खातून आयशा खातून, साधु मुंडा, विशाल मुंडा,सूरज कुमार, भोला लोहरा शामिल हैं।

कार्यालय :– जिला मत्स्य पदाधिकारी, कोडरमा

Factory Formulated Extruded Mash Feed आपूर्त्ति हेतु
अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा निदेशक मत्स्य, झारखंड, राँची के पत्रांक– 219 दिनांक 05.02.2024 के आलोक में Factory Formulated Extruded Mash आपूर्त्तिकर्त्ताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु राज्य योजना के अन्तर्गत निबंधित मत्स्य बीज उत्पादकों को Factory Formulated Extruded Mash Fish Feed की आपूर्त्ति की जानी है। इस प्रयोजनार्थ Fish Feed आपूर्त्तिकर्त्ताओं से जिले के वेबसाइट में दी गई आवश्यक शर्त्तों के अधीन अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक Fish Feed आपूर्त्तिकर्त्ताओं से उपरवर्णित Factory Formulated Extruded Mash Fish Feed आपूर्त्ति हेतु मुहरबंद निविदा दिनांक 16.02.2024 को अपराह्न 02:00 बजे दिन तक जिला मत्स्य कार्यालय, कोडरमा में स्वीकार किया जायेगा। निविदा हेतु परिमाण विपत्र कार्यालय से क्रय कर उसी परिमाण विपत्र में निविदा/दर स्वीकार किया जाएगा। निविदा आमंत्रण हेतु आवश्यक शर्त्तें जिला कोडरमा के NIC Website- https://koderma.nic.in/ एवं जिला मत्स्य कार्यालय, कोडरमा के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। निविदा निष्पादन की तिथि एवं स्थान बाद में सूचित की जायेगी।

1. निबंधित मत्स्य बीज उत्पादकों को Factory Formulated Extruded Mash Fish Feed की आपूर्त्ति अधिकतम स्वीकृत राशि मो0– 2,000/– रूपये मात्र प्रति निबंधित मत्स्य बीज उत्पादक के अंतर्गत होगा।
2. परिमाण विपत्र का मूल्य :– मो0 1,500.00 (एक हजार पाँच सौ रूपये) मात्र
3. परिमाण विपत्र क्रय करने की तिथि :– दिनांक 12.02.2024 से 15.02.2024 (कार्यालय कार्य अवधि में)

जिला मत्स्य पदाधिकारी,
कोडरमा

PR 318339 (Fish)23-24*D

किसान मेला में फल-सब्जी की प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र

जैविक खेती पर दिया गया जोर

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। गेतलसूद प्रत्यक्षण प्रक्षेत्र अनगड़ा में गुरुवार से दो दिवसीय 45वां केन्द्रीय किसान मेला किसानों के बीच उल्लास पूर्ण वातवरण में शुरू हुआ। मेला का आयोजन रामकृष्ण मीशन आश्रम दिव्यान कृषि विज्ञान केन्द्र मोरहाबादी के मार्गदर्शन में सभी विवेकानन्द सेवा संघों के सहयोग से किया जा रहा है। मेला का उद्घाटन अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर और स्वामी जी के अर्शीवचनों का उदघोष कर किया गया। मेला में किसानों के द्वारा उत्पादित फल शाक सब्जी के अच्छे नमूनो की प्रदर्शनी लगाई गयी जो मुख्य आकर्षण का केन्द्र है। मेला का मुख्य थीम है प्राकृतिक जैविक कृषि से ही स्वस्थ्य मिट्टी स्वस्थ्य फसल स्वस्थ्य समाज है। मेला में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत ने कृषि विज्ञान द्वारा प्रदर्शित तकनीक को जानकर और उसे अपना कर मिट्टी और जल संरक्षण कर किसानो को कृषि से आमदनी बढ़ाने का आह्वान किया। विशिष्ठ अतिथि निदेशक पंचायती राज निशा उरांव ने संस्कृति को बचाने के लिए परम्परागत कृषि तकनीक को अपनाने और प्राकृतिक जैविक खेती कर उत्पादन बढ़ाने का आहवान किया। मेला में समिति निदेशक विकास कुमार जैव कृषि निदेशक सुजय रक्षित ने विचार प्रकट किए। मेला की अध्यक्षता कर रहे मिशन के सचिव स्वामी भावेषानंद जी महाराज जी ने भी अपने बहुमूल्य बिचार प्रकट किए। मेला में मुख्य रूप से प्रमुख दीपा उरांव जिप सदस्य राजेनद्र शाही मुन्डा अनुराधा मुंडा बीडीओ जयपाल सोय सहित कृषि वैज्ञानिक उपस्थित थे। मेला के आयोजन में मेला समिति के अध्यक्ष और मुखिया भुनेश्वर सचिव कमल बेदिया मालिया बेदिया सहित सदस्यों का योगदान रहा।

हजारीबाग नगर निगम, हजारीबाग

बन्दोवस्ती हेतु आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हजारीबाग नगर निगम, हजारीबाग द्वारा निम्नांकित तालिका में क्रमाक 1 एवं 2 का वित्तीय वर्ष 2024–2025 से 2026–2027 मार्च तक की त्रिवार्शिक बन्दोबस्ती के लिए बन्दोबस्ती हेतु खुला डाक का आयोजन दिनांक 15.02.2024 को अपराह्न 1:00 बजे से निगम सभागार में आयोजित की जायेगी।

क्र०स०	सैरात का नाम	बन्दोबस्ती की राशि	जमानत की राशि
01	कालीबाडी मीठा तालाब पार्क	4,50,000/–रू	45,000/–रू
02	हाउसिंग बोर्ड पार्क	1,50,000/–रू	15,000/–रू

–डाक में भाग लेने वाले इच्छुक डाकवकता के द्वारा जमानत की राशि बैक ड्राफ्ट जो नगर आयुक्त नगर निगम, हजारीबाग के पदनाम से भारतीय स्टेट बैक के मुख्य शाखा हजारीबाग में भुगतेय हो, डाक की तिथि से एक दिन पूर्व जमा करना होगा।
–किसी भी डाक को अस्वीकृत या बिना कारण बताये रद्द करने का अधिकार नगर निगम को सुरक्षित रहेगा एवं किसी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।
–सफल डाकवक्ता द्वारा बिना नगर निगम कार्यालय के सहमति के स्वीकृत डाक की संपूर्ण राशि जमा नहीं करने या बन्दोबस्ती लेने से इन्कार करने पर कार्यालय द्वारा उनके विरूद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करते हुए उनका नाम काली सूची मे दर्ज की जायेगी।
–डाक की शेष नियम एवं शर्तो की विस्तृत जानकारी नगर निगम, हजारीबाग कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

नगर आयुक्त–सह–प्रशासक
नगर निगम हजारीबाग

PR 318352 (Urban Development and Housing)23-24*D

मड़ुआ को भोजन में अपनायें, भरपूर है पौष्टिकता

प्रखंड स्तरीय रसोइया कुकिंग प्रतियोगिता

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमाझी। प्रखंड स्तरीय रसोइया कुकिंग प्रतियोगिता गुरुवार को बीआरसी ओरमांझी हुआ। प्रतियोगिता में संकुल क्षेत्र के 16 विजेता व उपविजेता शामिल हुए। सभी प्रतिभागियों ने अलग-अलग व्यंजन बनाए। पनीर, मिक्सभेज, अंडा सहित विभिन्न प्रकार के सब्जी व व्यंजन बनाएं। इसके अलावा मडुआ का विभिन्न वेराइटी में मुख्य रूप से मडुआ का पीठा, लड्डु, लिट्टी रोटी की विशेष सरहाना किया गया। वहीं प्रतियोगिता में मडुआ का पीठा व केक और माड़ का शूप बना प्रखंड प्रांगण विद्यालय की रसोइया सोहरी देवी विजेता व रामवि डहु की शांती देवी उपविजेता रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित बीइइओ सीमा कुमारी ने विजेताओं को सम्मानित करते हुए कहा मडुआ के काले रंग पर नहीं मडुआ के स्वादिष्ट व्यंजनों को अपनाएं। उन्होंने कहा कि मडुआ को अपने भोजन में अपनाएं, इसमें पौष्टिकता के साथ स्वादिष्ट भी है। बताया कि मध्याम भोजन में स्कूली बच्चों को कम संसाधनों में पौष्टिक आहर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

मड़ुआ का पीठा, लड्डू, लिट्टी, रोटी की हुई खूब सरहाना

विजेताओं को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने को अवसर मिलेगा। विजेताओं के निर्माण में साफ-सफाई व कुशलता के साथ नवाचार व्यंजन बनाने की कला को भी देखा गया था। वहीं निर्णायक मंडली में बाल सांसदों के अलावा कई लोग शामिल थे। कार्यक्रम में बीपीओ रीना यादव, विषय विशेषज्ञ राजेश दास, असरफ अंसारी, राजदीप कुमार, ज्योति कुमारी, शिक्षक सतीष बड़ाईक व अन्य विद्यालय के षिक्षक संकुल प्रभारी आदि उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार
राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग
(जिला भू–अर्जन कार्यालय, राँची)

अधिघोषणा (अधिनियम–30/2013 की धारा–19 (1) के अधीन)

"एन०एच०–75 (टेण्डर मोड़) जगुआर कैम्प (कुल लम्बाई 2.200 कि०मी०) के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य परियोजना"

चूँकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा–एन०एच०–75 (टेण्डर मोड़) जगुआर कैम्प (कुल लम्बाई 2.200 कि०मी०) के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य परियोजना" हेतु ग्राम/मौजा–तिलता, थाना–रातु, थाना न.–94, अंचल–रातु, जिला–राँची में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश रकबा–0.4866 एकड़ भूमि अपेक्षित है।

इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू–खण्ड है, जो मानक माप से कमोवेश रकबा–0.4866 एकड़ है, जो मौजा–तिलता, थाना–रातु, थाना न.–94, अंचल–रातु, जिला–राँची में है, जिसकी विवरणी निम्नलिखित है :–

मौजा–तिलता, थाना नं०–94, अंचल+थाना–रातु

क्र0	खाता सं0	सर्वे प्लॉट सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0)			
							उ0	द0	पू0	प0
1	03	43	रैयती	टांड–II	0.4866	कमल भूषण, पिता–विश्वनाथ भगत	प्लॉट–32	N.H. रोड	43 पार्ट	43 पार्ट
				कुल	0.4866					

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम संख्या–30/2013 की धारा 15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जाँच के पश्चात् किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत् है :–

ग्राम–XXX, थाना संख्या–XXX, अंचल–XXX, जिला–XXX, क्षेत्रफल–XXX एकड़, जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

उपायुक्त,
राँची।

PR 318310 (Land Reforms)23-24*D

स्पीड न्यूज

मोटरसाइकिल सवार ने पेड़ में मारी टक्कर दो घायल, रिम्स रेफर

बालूमाथ। बालूमाथ – लातेहार पथ पर ओलहे पाट ग्राम के समीप गुरुवार को सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार दो युवक घायल हो गये। घायलों में राहुल उरांव 18 वर्ष पिता हीरालाल उरांव एवं अमित उरांव 18 वर्ष पिता विश्वनाथ उरांव दोनों ग्राम कलकालिया थाना बालूमाथ निवासी शामिल है। दोनों बाइक सवार युवक अनियंत्रित होकर एक पेड़ में जाकर टक्कर मार दिया और गंभीर रूप से घायल हो गए। ऐंबुलेंस के सहयोग से दोनों घायलों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां चिकित्सक डॉक्टर ध्रुव कुमार के द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर ईलाज हेतु राँची रिम्स रेफर कर दिया। घटना के बारे परिजनों ने बताया कि दोनों युवक बालूमाथ से टमाटर बेचकर अपने घर जा रहा था। जहाँ मोटरसाइकिल तीखे मोड में असंतुलित होकर एक पेड़ से जा टकराई।

मगध परियोजना के चमातू में जलमीनार खराब

बालूमाथ। बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत संचालित मगध कोल परियोजना के चमातू ग्राम में सीएसआर फंड के 10 लाख 4 हजार 23 रुपये की लागत से बने सोलर जल मीनार का निर्माण कराया गया था निर्माण के दो महीना बाद ही सोलर सिस्टम खराब हो गया तथा लंबे समय से खराब पड़ा हुआ है उसके बाद जल मीनार की और ना तो कोई ठेकेदार देखने के लिए आया ना ही सीसीएल के कोई अधिकारी का ध्यान है। जिस कारण ग्रामीणों को पेयजल की समस्या से जूझना पड़ रहा है। बता दे की चमातू ग्राम में जितने भी जल मीनार लगाया गया है उसमें आधे से अधिक खराब पड़ा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि सीसीएल द्वारा लगाया गया जलमीनार एक साल से खराब पड़ा हुआ है लेकिन न कोई जनप्रतिनिधि,न अधिकारी सुध लेने आया। जलमिनार खराब होने की शिकायत हम लोगों ने सीसीएल से कई बार किया लेकिन अब तक कोई पहल नहीं हुआ। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पीने का पानी एकमात्र साधन जल मीनार ही हैं इसके खराब हो जाने से ग्रामीणों के साथ-साथ रास्ते से गुजरने वाले राहगीरों के लिए भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

देसी कट्टा के साथ एक गिरफ्तार

लोहरदगा। जिले के पुलिस कप्तान हारिस बिन जमा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कुडु थाना पुलिस ने एक अपराधी को एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। एसपी हारिस बिन जमा ने बताया कि उन्हें एक सूचना मिली थी की कुडू थाना क्षेत्र के तान गांव में एक व्यक्ति हथियार के साथ घूम रहा है । जिसके बाद उन्होंने थाना प्रभारी विश्वजीत सिंह के नेतृत्व में एक टीम तैयार कर छापेमारी किया गया ,जिसमे पुलिस को देखकर अभियुक्त भागने लगा जिस पर पुलिस ने उसे धर दबोचा । गिरफ्तार अपराधी के पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया।

लातेहार पुलिस ने जम्मूतवी ट्रेन डकैती और सड़क लूटपाट में शामिल 15 अपराधियों को किया गिरफ्तार

दो बोलेरो, आठ मोटरसाइकिल, देसी पिस्टल, गोली, कारतूस, मोबाइल फोन, चांदी के जेवरात, सोने की चेन, अंगूठी, लॉकेट, झुमका हुए बरामद

एक बार फिर ट्रेन डकैती करने की योजना बना रहे थे अपराधी, चढ़े पुलिस के हत्थे
15 अपराधियों में दो महिला समेत सोनार दुकानदार भी शामिल
महुआडांड़ बीडीओ और सांसद प्रतिनिधि से हाल के दिनों में की थी लूटपाट

खबर मन्त्र संवाददाता

प्रेस वार्ता कर जानकारी देते एसपी अंजनी अंजन।

बरामद हथियार व अन्य सामग्री।

लातेहार। ट्रेन डकैती और सड़क लूटपाट की योजना बना रहे अपराधकर्मियों के खिलाफ बुधवार की शाम लगभग 7.20 में जिला पुलिस कप्तान अंजनी अंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक के द्वारा परिक्ष्यमान भापुसे ललीत मीना एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी लातेहार के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। जिसमें कुल चार टीमें शामिल थी। छापामारी दल के द्वारा पुरी सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक लातेहार रेलवे स्टेशन के दक्षिण दिशा में स्थित तुपु जाने वाली सड़क के पास स्थित पुटुस की झाड़ीनुमा खाली एवं निर्जन स्थान की घेराबंदी कर सर्च अभियान चलाया गया। सर्च अभियान के दौरान छापेमारी दल को उक्त स्थान पर करीब 14-15 व्यक्तियों के एकत्रित होकर किसी अपराध की योजना बनाते हुए दिखाई दिए जो पुलिस टीम को देखकर इधर-उधर भागने लगे। छापामारी दल में शामिल सभी टीमों के द्वारा भाग रहे अपराधकर्मियों में से दस अपराधकर्मियों को पकड़ लिया गया एवं पाँच अपराधकर्मी रात्रि एवं जंगल झाड़ी का लाभ उठाते हुए भागने में सफल हो गये। इस संबंध में पूछताछ के क्रम में अपराधियों ने बताया गया कि देर रात्रि में गुजरने वाली पलामू एक्सप्रेस ट्रेन में एक बड़ी डकैती की घटना को अंजाम देने की तैयारी के साथ ये सभी हरवे हथियार से लैश होकर योजना बना रहे थे। पूछताछ के उपरांत इन अपराधकर्मियों के निशानदेही पर अन्य पाँच अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी लातेहार एवं लातेहार के सीमावर्ती जिले पलामू से की गई है।

अपराधकर्मियों ने कबुला जुर्म : पूछताछ के क्रम में पकड़ाए अपराधकर्मियों द्वारा पूर्व में सम्बलपूर-जम्मुतब्बी एक्सप्रेस डकैती काण्ड एवं लातेहार जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के अतिरिक्त पलामू जिले के कई थाना क्षेत्रों में अंजाम दिये गए काण्डों में अपनी-अपनी संलिप्ता की बात स्वीकार किये है। जिसमें पिछले कुछ वर्षो में ट्रेनों में लूटपाट, सड़क डकैती, हाल के दिनों में महुआडांड बीडीओ से बेतला में लूट-पाट, सरयू घाटी में विनित मधुकर सांसद प्रतिनिधि से लूटपाट, दुध टैंकर चालक से लूट, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक का कलेक्शन, घर में घुसकर पांकी हेरहंज पथ पर लूटपाट एवं पिकअप चालक को गोली मारने आदि कई अपराधिक घटनाओं में पुलिस को इनकी तलाश थी।

पलामू जिले के विभिन्न थानों में दर्ज हैं मामले

गिरफ्तार अभियुक्तों में अख्तर अंसारी पिता इदरीश अंसारी जोबांग लोहरदगा, सिकंदर सिंह उर्फ नन्हकू पिता स्व. त्रिवेणी सिंह बारियातू जागीर, रंजित शर्मा पिता रामजनम मिस्त्री जुंगुर मनिका, कुंदन प्रसाद गुप्ता पिता स्व. बिजजी साव पिपरा पलामू मास्टरमाइंड और पेशेवर अपराधी है। इनकी टीम में सुरेन्द्र सिंह पिता स्व. गंगेश्वर सिंह बारियातू जागीर, अजीत कु सिंह पिता बबन सिंह बारियातू जागीर, पंकज कु. सोनी पिता रघुनंदन प्रसाद शिवपुरी लातेहार, मनिष कु. पासवान पिता सुदामा पासवान पोलपोल सतबरवा, अजय राम पिता लखन भुईंया सिंदुरिया सतबरवा, अभय पासवान पिता अवधेश पासवान लहलहे सतबरवा, अनिल कु सोनी उर्फ चंदन सोनी पिता हेमनाथ प्रसाद सोनी माईल मटलोंग मनिका, राजेश कु सोनी पिता प्रभु सोनी पाटन, फुलटेस कुमार पिता स्व. इन्द्रदेव प्रसाद नावागढ़ लातेहार, जिया बेगम पिता रमजान अंसारी अबादगंज पलामू, विणा कुमारी पिता स्व. गंजू सिंह बिनगड़ा लातेहार उपयुक्त अभियुक्तों के विरूद्ध लातेहार एवं पलामू जिले के विभिन्न थानों में करीब 15 कांड दर्ज है। आदि अपराधियों को गिरफ्तार करने में पुलिस टीम को सफलता मिली है।

जब्त सामानों की सूची

उपरोक्त अभियुक्तों के विरुद्ध लातेहार एवं पलामू जिले के विभिन्न थानों में करीब 15 काण्ड दर्ज है। इनके पर से देशी पिस्टल, जिंदा कारतुस, कार्बवाईन, जिंदा गोली, देशी कट्टा 17 मोबाईल फोन, दो बोलेरो, आठ मोटर साईकिल, नगद रुपये 49,000/- चाँदी का जेवरात नया पुराना करीब डेढ किलो, सोना का दो अंगुठी, तीन कान का टॉप, एक कुडल, एक झुमका, एक सोने का चैन, तीन लॉकेट और दो कलाई घडी के साथ साथ विभिन्न व्यक्तियों का क्रेडिड कार्ड, डेबिट कार्ड, ड्राईवरी लाईसेंस, वोटर आईडी कार्ड, आधार कार्ड एवं पैन कार्ड तथा एक डीजिटल इलेक्ट्रोनिक वेट मशीन आदि जप्त किया गया है।

छापामारी दल में शामिल पदाधिकारी

छापामारी दल में परिक्ष्यमान भापुसे ललीत मीना, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरविन्द कुमार, पु०नि० सह थाना प्रभारी आशुतोष कुमार, लातेहार, पुअनि शुभम कुमार थाना प्रभारी चंदवा, पुअनि श्रीनिवास कुमार सिंह थाना प्रभारी बरवाडीह, पुअनि भानू प्रताप सिंह, अभिषेक कुमार थाना प्रभारी छिपादोहर, नितिश कुमार थाना प्रभारी हेरहज, पुअनि फगुनी पासवान लातेहार, रंजीत राम, दिवाकर धोबी, मो शाहरुख, गौरव सिंह, राजरौशन सिन्हा, रोहित कुमार महतो, देवानन्द कुमार, गौतम कुमार, दीपक नारायण सिंह, कुंदन कुमार दिलीप कुमार दास, लालेश्वर पासवान, धर्मेन्द्र सिंह सरदार, प्रदीप कुमार राय, राजकुमार तिग्गा, विश्वजीत तिवारी, सअनि कुबेर प्रसाद देव, विरेन्द्र कुमार सेट -45 बरवाडीह, राकेश निर्मल बैग, सैट-01 पुलिस केन्द्र, लातेहार जिला सशस्त्र बल एवं सैट के सशस्त्र बल जवान शामिल थे।

चतरा में शहीद जवानों को डीजीपी ने दी श्रद्धांजलि, कहा
जवानों की कुर्बानी नहीं जाने देंगे बेकार, एक-एक का लिया जायेगा बदला

खबर मन्त्र संवाददाता

चतरा। पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो जवानों के शहीद होने के बाद गुरुवार को शहीद जवानों को श्रद्धांजलि श्रद्धांजलि देने के लिए झारखंड डीजीपी अजय कुमार सिंह, एडीजी संजय राव लाटकर, आईजी माईकल राज, आईजी स्पेशल ब्रांच प्रभात कुमार, डीआईजी सुनील भास्कर, सीआरपीएफ बोकारो जोन के डीआईजी बृजेश सिंह सहित अन्य पदाधिकारी चतरा पहुंचे। पुलिस लाइन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उन्होंने शहीद सिकेंद्र सिंह और सुकन राम को श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर चतरा एसपी राकेश रंजन और डीसी अबु इमरान के अलावा जिला के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान एक-एक करके सभी पदाधिकारी ने शहीद सिकेन्द्र सिंह व सुकन राम को श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस मौके पर दोनों शहीद जवानों के परिजन मौजूद थे।

डीजीपी ने परिजनों को हर संभव मदद का दिया भरोसा : डीजीपी ने शहीदों के परिजनों से मुलाकात की और परिजनों को सहायता राशि सौंपने के साथ परिजनों को हर संभव मदद का भरोसा दिया। इस दौरान डीजीपी अजय कुमार सिंह ने नक्सलियों को चेताते हुए कहा कि नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में हमारे दो जाबांज जवान शहीद हुए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों जवानों की शहादत को बेकार नहीं जाने दिया जाएगा। पुलिस की टीम के द्वारा इलाके की घेराबंदी कर लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक-एक करके नक्सलियों से बदला लिया जाएगा।

अफीम की खेती को नष्ट कर लौटने के क्रम में हुआ था मुठभेड़ : गौरतलब है कि अफीम विनिष्टीकरण अभियान में निकली सदर थाना पुलिस की टीम पर सदर थाना और जोरी थाना क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके वनभूमि में लगे अफीम की खेती को नष्ट कर लौटने के क्रम में बैरियों-गम्हारतरी जंगल में पहले घात लगाए बैठे टीएसपीसी के सबजोनल कमांडर हरेंद्र गंझु के दस्ते के साथ मुठभेड़ हुई थी।

घटना में दो जवानों के मौके पर शहीद होने के साथ तीन अन्य जवान घायल हो गए थे। इसमें एक जवान की गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए एयरलिफ्ट कर रांची जाया गया है?। वहीं दो अन्य जवानों का सदर अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है।

पलामू के लाल का पार्थिव शरीर पहुंचा तरहसी, शोक

खबर मन्त्र संवाददाता

तरहसी पलामू। राज्य के चतरा जिले के जंगली क्षेत्र में नक्सली संगठन एवं पुलिस के बीच बुधवार को मुठभेड़ हो गयी। जिसमें पुलिस के दो जवान वीरगति को प्राप्त हुए। जबकि कई पुलिसकर्मी जख्मी हैं। इस घटना में पलामू जिला के तरहसी प्रखंड के रहनेवाले पलामू के लाल सुकन पासवान (35) वीर गति को हुए। इसकी खबर जब उसके गांव पहुंची तो घर परिवार समेत गांव में कोहराम मच गया। राज्य सरकार ने शहीद सुकन का पार्थिव शरीर सम्मान पूर्वक तिरंगा झंडा के साथ गांव पहुंचाया। गांव पहुंचते के साथ ही एक झलक पाने के लिए लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सभी लोग नम आंखों से उस जवान को देखकर अंतिम विदाई दी। पलामू पुलिस ने उन्हें अंतिम सलामी दी। वहीं दूसरी ओर पलामू पुलिस के द्वारा अंतिम सलामी दिया गया। ज्ञात हो कि शहीद सुकन बुधवार को चतरा जिले के जंगली क्षेत्र में अवैध रूप से पोस्ता खेती उन्मूलन अभियान में टीम के साथ निकला था। जहां पर नक्सली संगठन पूर्व से घात लगाये बैठे थे।

पलामू सांसद ने केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से की मुलाकात

मेदिनीनगर। सांसद विष्णु दयाल राम ने नई दिल्ली स्थित रेल भवन में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे से जुड़ी महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। जिसमें 12453/ 12454 रांची नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस का नगर उंटारी (श्री बंशीधर नगर) स्टेशन पर ठहराव,बरवाडीह चोपन चुनार पैसेंजर ट्रेन संख्या 53351/53352 का परिचालन पुनः प्रारंभ करने, प्रस्तावित वंदे भारत ट्रेन को टाटानगर, मुरी, रांची, लोहरदगा, डालटनगंज, गढ़वा रोड़ एवं जपला होते हुए वाराणसी तक चलाने, रांची चोपन एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 18613/ 18614 एवं पटना सिंगरौली एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 23347/ 23348 का ठहराव मेराल रेलवे स्टेशन पर करने पर चर्चा शामिल है।

घर में आग लगने से शादी के लिए रखी सामग्री व नकदी जलकर राख

खबर मन्त्र संवाददाता

डोमचांच (कोडरमा)। जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 7 निवासी मालती देवी पति स्व. त्रिवेणी राम के घर में गुरुवार की सुबह अचानक आग लग गयी। खबर लिखे जाने तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। वहीं पीड़ित परिवार से मालती देवी ने बताया कि दोनों पुत्र अपने काम पर गए हुए थे और हम दोनों मां बेटी कुआं पर नहाने के लिए बगल में गए हुए थे, जब वापस आकर देखा तो पूरा घर जल रहा था, हल्ला करने पर अगल-बगल के लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। वहीं उन्होंने बताया कि बेटी की शादी अगले माह मार्च में होनी है, घर में रखी शादी की सामग्री और नगदी रुपये सब जल गये। मौके पर डोमचांच थाना प्रभारी भी अपने दल बल के साथ पहुंचकर जांच में जुट गये है।

सीएम चंपई सोरेन आज गोपाल मैदान आयेंगे

तैयारियों का जायजा लेकर लौटते डीसी व एसएसपी।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला में 09 फरवरी को झारखंड के मुख्यमंत्री श्री चंपाई सोरेन का आगमन होने वाला है। गोपाल मैदान में आयोजित प्रमंडल स्तरीय अबुआ आवास योजना के लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र वितरण समारोह में माननीय मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर डीसी मंजूनाथ भजन्त्री एवं एसएसपी किशोर कौशल द्वारा कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया गया। मौके पर उन्होने कहा कि कार्यक्रम को लेकर सभी संबंधित पदाधिकारी अपने स्तर से तैयारी पूर्ण कर लें। निरीक्षण के दौरान विधि व्यवस्था सुनिश्चित करने, सम्मानित जनप्रतिनिधियों व लाभुकों के बैठने की व्यवस्था, पेयजलापूर्ति, शौचालय, मेडिकल टीम, एंबुलेंस की उपलब्धता, आवश्यक जगहों पर बैरिकेडिंग के साथ-साथ अन्य व्यवस्थाओं को जल्द दुरुस्त करने की बात कही। डीसी ने कहा कि कार्यक्रम में तीनों जिले के आबुआ आवास योजना के लाभुकों के बीच माननीय मुख्यमंत्री द्वारा पहली किस्त जारी की जाएगी। मौके पर यातायात व्यवस्था, सोनारी हवाई अड्डा से गोपाल मैदान तक सभी आवश्यक तैयारियों को दुरुस्त करने का टास्क दिया गया।

सुरक्षा एवम विधि व्यवस्था संधारण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं हो इसे लेकर हर स्तर पर पदाधिकारियों को पुनर्समीक्षा का निर्देश दिया गया। एसएसपी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। प्रमंडल के तीनों जिले से आने वाले लोगों की बड़ी संख्या को देखते हुए उनके आगमन और निकासी सुव्यवस्थित तरीके से हो यह सुनिश्चित किया जा रहा है।

बार-बार की शिकायत के बाद भी प्रबंधन नहीं लगाता अंकुश, आंदोलन के मूड में हैं ग्रामीण
खदान में हेवी ब्लास्टिंग से घरों में पड़ रही दरार

खान अधिनियम 1952 और खान नियम 1955 की अनदेखी के कारण होती हैं दुर्घटनाएं

बिनोद रजक

धनबाद। देश में कोयला के उत्पादन के लिए जाने, जाने वाला कोयलांचल का धनबाद जिला किसी पहचान की मोहताज नहीं है। कोल इंडिया का स्वामित्व वाला भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड प्रशासनिक दृष्टिकोण से प्रशासन के लिए खदानों को बारह क्षेत्रों में बांटा गया है। बीसीसीएल भारत में प्राइम कोकिंग कोल (कच्चा और धुला हुआ) का प्रमुख उत्पादक है। कई खुली खदानों से बीसीसीएल खुद उत्पादन करता है और कई खुली खदानों से आउटसोर्सिंग के माध्यम से कोयला का उत्पादन करवाता है। एक समय था जब लोग महीने में बीसीसीएल के वेतन का इंतजार करते थे ,क्योंकि उस समय बीसीसीएल में कर्मियों की संख्या अधिक थी ।कर्मी धीरे-धीरे रिटायर करते गए और कर्मियों की संख्या कम होती गई । बाजार से रौनक गायब होता गया, बीसीसीएल के द्वारा अधिकांश काम आउटसोर्सिंग कंपनियों को सौंप दिया गया। बताते चले की 24 दिसंबर 2023 को झरिया थाना क्षेत्र के कुसुंडा बीसीसीएल क्षेत्र संख्या छह के एना कोलयरी में हुए हैवी ब्लास्टिंग के कारण उड़ने वाले पत्थरों से कई बच्चे घायल हो गए थे, जिसके बाद वहां के ग्रामीणों ने उग्र रूप धारण कर मैनेजर तथा पीओ को पुलिस के सामने ही पीट दिया था।

सुरक्षा नियमों का हो रहा उल्लंघन : भविष्य में बार-बार होने वाली आपदाओं की संभावना को कम करने के लिए प्रत्येक खदान दुर्घटना के मूल कारणों को निर्धारित करना अत्यावश्यक है। इस पेपर ने 1900-2020 की अवधि को कवर करते हुए भारतीय कोयला खदानों में खदान विस्फोट डेटा का गंभीर विश्लेषण किया। इस विश्लेषण से, यह निर्धारित किया गया कि दुर्घटनाओं के मूल कारणों में सुरक्षा नियमों का उल्लंघन, अनुचित सर्वेक्षण योजनाएं, खराब वेंटिलेशन, कमजोर प्रबंधन प्रणाली और वैधानिक अनुमतियों का उल्लंघन शामिल है। हैवी ब्लास्टिंग के विरोध में ग्रामीण आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं।

हेवी ब्लास्टिंग से इन क्षेत्रों को हो रहा नुकसान

न्यू आकाश के नई कोलियरी एवं छाताबाद कोलयरी में चलने वाले ओपन कास्ट प्रोजेक्ट में हो रहे हैवी ब्लास्टिंग से छाताबाद ,मलकेरा ,भट्टमुरना, पचगड़ी बाजार ,रानी बाजार, कतरास बाजार ,कतरास हटिया, पोस्ट ऑफिस कतरास, तिलताड हॉस्पिटल, राम पूजन नगर गुहीबांध में रहने वाले लोगों के मकान में दरारें आनी शुरू हो गई है। साथ ही इन क्षेत्रों में दर्जनों छोटे बड़े विद्यालय, कॉलेज, बैंक ,अस्पताल भी मौजूद है जो कभी भी हैवी ब्लास्टिंग के चपेट में आ सकते हैं। कुछ दिनों पहले गुही बांध का कब्रिस्तान भी हैवी ब्लास्टिंग के चपेट में आ गया था। ज्ञात हो कि भारतीय कोयला खदानों में अधिकांश विस्फोट भारत सरकार (जीओआई) द्वारा लागू नियमों, अर्थात कोयला खदान विनियम (सीएमआर) 2017, खान अधिनियम 1952 और खान नियम 1955 की अनदेखी के कारण होते हैं।

ओलिंपिक में होंगे खास मेडल, एफिल टावर का टुकड़ा लेकर जायेंगे घर विजेता खिलाड़ी

एजेंसी

पेरिस। आगामी पेरिस ओलंपिक में पोडियम फिनिशर्स को एफिल टावर के एक पीस से पुरस्कृत किया जाएगा, आयोजकों ने पदक का अनावरण करते हुए कहा। पेरिस 2024 के क्रिएटिव डायरेक्टर थिएरी रिबौल ने कहा कि खेलों को फ्रांस के प्रतीकों से जोड़ने का विचार था। रिबौल ने कहा, पेरिस और फ्रांस का पूर्ण प्रतीक एफिल टावर है। यह खिलाड़ियों के लिए अवसर है कि वे अपने साथ पेरिस का एक टुकड़ा वापस लेकर जाएं। जौहरी चौमेट द्वारा डिजाइन किए गए, 18-ग्राम हैक्सागन टोकन, फ्रांस के आकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो लोहे से बने हैं। चौमेट ने विरासत, खेल और गहने बनाने के बीच के संबंधों को जोड़ा है, जिसमें हैक्सागन, चमक और सेटिंग से प्रेरित मेडल का निर्माण है। पेरिस 2024 समिति का कहना है कि ओलिंपिक और पैरालंपिक खेल फ्रांस में आयोजित होने वाले अब तक के सबसे बड़े इवेंट होंगे। ओलिंपिक खेल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होंगे, जबकि पैरालंपिक खेल 28 अगस्त से 8 सितंबर तक पेरिस में होंगे। पेरिस 2024 के पदक को पलटे तो, एलवीएमएच के चौमेट ने एफिल टावर के असली लोहे को एक हैक्सागन शेप में काटकर पुरस्कार के पीछे जालीदार मेटल को एम्बेड किया है। इसका जियोमेट्रिक शेप टावर के आर्च और सलोप्स को भी श्रद्धांजलि देता है। एक स्मृति है कि इस साल ओलिंपिक और पैरालंपिक खेलों का आयोजन फ्रांस की राजधानी में किया गया था।

पदकों में एफिल टावर धातु क्यों?

मार्टिन फोरकेड की अध्यक्षता में पेरिस 2024 एथलीट आयोग ने ओलंपिक खेलों के लिए पदकों पर विचार करने के लिए एक टीम का नेतृत्व किया। एक बयान में कहा गया, फ्रांस और पेरिस के प्रतिष्ठित स्मारक, एफिल टॉवर को खेलों की सबसे प्रतिष्ठित वस्तु, पदक के साथ जोड़ना हमारे लिए एक स्पष्ट विकल्प था। पैरालंपिक पदकों में नीचे से एफिल टॉवर का दृश्य दिखाई देता है और उन पर ब्रेल लिपि में पेरिस 2024 अंकित है। इससे फ्रांसीसी लेखक लुई ब्रेल को श्रद्धांजलि देने का काम किया गया है।

पदक के दूसरी ओर क्या है?

ओलंपिक पदक का दूसरा पहलू ग्रीस में खेलों के पुनर्जन्म की कहानी कहता है। 2004 से पदकों की एक पारंपरिक विशेषता है। जीत की देवी एथेना नाइक को अग्रभूमि में दर्शाया गया है, जो 1896 में ओलंपिक खेलों के पुनरुद्धार का गवाह बने पैनाथेनिक स्टेडियम से निकलती है। ओलंपिक पदकों के दूसरे पक्ष की एक और अनिवार्य विशेषता, एक्रोपोलिस इस डिजाइन में पहली बार एफिल टॉवर से जुड़ा है। इस प्रकार ग्रीस में प्राचीन खेलों की प्रेरणा, आधुनिक ओलंपिक खेलों की फ्रांसीसी उत्पत्ति और पेरिस में उनके अगले संस्करण सभी का प्रतिनिधित्व किया गया है। यहां तक कि ओलंपिक और पैरालंपिक पदकों के रिबन का भी एफिल टॉवर से कनेक्शन है। इन्हें एफिल टावर की जाली के काम से सजाया जाएगा।

पेरिस ओलंपिक के दौरान खिलाड़ियों को सताएगी भीषण गर्मी, टोक्यो ओलंपिक की तरह लू का खतरा

इस वर्ष होने वाले पेरिस ओलंपिक के दौरान भीषण गर्मी और लू की आशंका जताई गई है। एक नए अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि फ्रांस की राजधानी को इस वर्ष रिकॉर्डतोड़ भीषण तापमान के खतरे का सामना करना पड़ सकता है। पिछले पांच वर्षों में पेरिस ने प्रचंड गर्मी और लू का सामना किया है। ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेंगे। टोक्यो ओलंपिक के दौरान भी काफी गर्मी पड़ी थी। आयोजकों का कहना है कि वे जलवायु संबंधी खतरों को लेकर पूरी तरह तैयार हैं। साइंस जर्नल में प्रकाशित शोध में ओलंपिक खेलों के दौरान दो सप्ताह की लू और भयावह गर्मी के खतरे को देखा गया है। ओलंपिक स्थलों के निर्माण के लिए जिम्मेदार फ्रांसीसी एजेंसी के प्रमुख निकोलस फेरैंड ने सीनेट की सुनवाई में आश्वस्त किया है कि सभी इनडोर सुविधाएं वैश्विक तापमान को ध्यान में रखकर बनाई गईं हैं। हमने जांच पड़ताल करके यह सुनिश्चित किया है कि हमारी सभी इमारतें 2050 की गर्मियों में भी आरामदायक रहें।

धोनी ने फिर जीता दिल, बल्ले पर लगाया दोस्त की दुकान का स्टीकर

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। महेंद्र सिंह धोनी की बैट के साथ ट्रेनिंग की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं जिस पर उनके बचपन के दोस्त की स्पोर्ट्स शॉप के नाम का स्टिकर लगा हुआ है। आइपीएल के लिए अपनी तैयारी तेज करते हुए नेट्स दिखाई दिए। एमएसधोनी को नेट्स में एक बल्ले के साथ ट्रेनिंग करते देखा गया जिस पर 'प्राइम स्पोर्ट्स' का स्टिकर लगा हुआ था। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने तुरंत यह समझ लिया कि यह स्टिकर धोनी का अपने बचपन के दोस्त की खेल के सामान की दुकान को प्रोमोट करने का तरीका था। धोनी ने अकसर अपने क्रिकेट करियर के शुरूआती दौर में अपने बचपन के दोस्तों से मिले समर्थन के बारे में बात की है। उनके एक दोस्त ने उन्हें उनके करियर में पहली बार बैट प्रायोजक दिलाने में मदद की। 2016 की बायोपिक 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' में क्रिकेटर के अपने दोस्तों के साथ समीकरण को बड़े पर्दे पर लाया। धोनी के नेट्स में उतरने के बाद ऐसा लगता है कि वह पिछले साल सर्जरी के बाद घुटने की चोट की समस्या से पूरी तरह उबर चुके हैं और आइपीएल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स का नेतृत्व करेंगे। पिछले साल सीएसके को जीत दिलाने के बाद धोनी ने पुष्टि की कि वह कम से कम एक और साल खेलने के लिए लौटेंगे। यह पहली बार नहीं है कि एमएस धोनी ने अपने बल्ले पर जगह का इस्तेमाल उन लोगों के लिए किया है जिन्होंने वर्षों से उनकी मदद की है। 2019 विश्व कप के दौरान पूर्व विकेटकीपर ने कई बल्लों के साथ खेला, प्रत्येक पर अलग-अलग ब्रांड का लोगो था। अगस्त 2020 में एमएस धोनी द्वारा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद ही प्रशंसकों को एहसास हुआ कि धोनी अपने अंतिम टूर्नामेंट में अपने बल्ले के प्रायोजकों को उच्चतम स्तर पर श्रद्धांजलि दे रहे थे। जुलाई 2019 में भारत की विश्व कप 2019 के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हार के बाद धोनी ने कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला, लेकिन उन्होंने 15 अगस्त को ही संन्यास की घोषणा कर दी।

वांग ने लगातार तीसरा 3 मीटर स्प्रिंगबोर्ड विश्व खिताब जीता

एजेंसी

दोहा। चीन के वांग जोंगयुआन ने बुधवार रात यहां विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की एकल 3 मीटर स्प्रिंगबोर्ड स्पर्धा में अपना लगातार तीसरा खिताब हासिल किया। वांग ने 538.70 अंक हासिल किए और अपने आठवें विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक का दावा किया और दोहा में मौजूदा टूर्नामेंट में अपने पार्टनर लॉन्ग डाओई के साथ अपने 3 मीटर सिंक्रोनाइज्ड खिताब के बाद अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। बुडापेस्ट 2017 और ग्वांगजू 2019 में विश्व चैंपियन, हमवतन झी सियी 516.10 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। मेक्सिको के ओस्मार ओलवेरा इबारा ने 498.40 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। वांग ने कहा, इस बार दोहा में, मैक्सिकन न्यूकमर और जी की वापसी ने मेरे लिए कुछ दबाव बढ़ा दिया। लेकिन अंत में, मैं खुद पर केंद्रित रहा और उन पर काबू पाने में कामयाब रहा, जिससे आगामी ओलंपिक के लिए मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। वांग विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में अब तक के सबसे सफल पुरुष गोताखोर बन गए हैं, उन्होंने हमवतन किन काई को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने 2007 और 2015 के बीच सात स्वर्ण पदक जीते थे।

राजकोट में टीम इंडिया ने पांच साल पहले चखा था जीत का स्वाद, इंग्लैंड को खाता खोलने का इंतजार

एजेंसी

राजकोट। भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का तीसरा टेस्ट राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम में 15 फरवरी से खेला जाएगा। हैदराबाद में 28 रन से हार का सामना करने के बाद भारतीय टीम ने विशाखापत्तनम में जबरदस्त वापसी की थी। भारत ने दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 106 रन से हरा दिया था और उस जीत के साथ सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ गई थी, लेकिन अब तीसरे टेस्ट में दोनों टीमें बढ़त लेने के लिए मैदान पर उतरेंगी। राजकोट में टीम इंडिया तीसरी बार टेस्ट मैच खेलने उतरेगी।

राजकोट में दूसरी बार इंग्लैंड से भिड़ेगा भारत

भारत ने इससे पहले राजकोट में दो टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें से एक में उसे जीत मिली है और एक मैच ड्रॉ रहा है। भारत का जो मैच यहां ड्रॉ रहा था वह इंग्लैंड के खिलाफ ही था। 2016 में भारत और इंग्लैंड के बीच यहां टेस्ट मैच खेला गया था। इंग्लैंड ने एकमात्र वही टेस्ट मैच इस ग्राउंड पर खेला है। इस ग्राउंड पर भारत-इंग्लैंड दूसरी बार आमने-सामने होंगे और दोनों को ही एक-दूसरे के खिलाफ पहली जीत का इंतजार होगा।

भारत ने वेस्टइंडीज पर दर्ज की थी जीत

भारतीय टीम ने इस ग्राउंड पर इंग्लैंड के अलावा वेस्टइंडीज के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेला है। 2018 में भारत-वेस्टइंडीज इस ग्राउंड पर भिड़े थे। तब भारत ने वेस्टइंडीज को एक पारी और 272 रन से हरा दिया था। पृथ्वी शॉ उस जीत के हीरो रहे थे। उन्होंने पहली पारी में 134 रन बनाए थे। पृथ्वी के अलावा उस मैच में विराट कोहली और रविंद्र जडेजा ने भी शतक लगाए थे। कोहली ने 139 और जडेजा ने 100 रन की पारी खेली थी। हालांकि यह दोनों ही खिलाड़ी इस बार टीम का हिस्सा नहीं होंगे। दोनों के ही खेलने पर सस्पेंस है।

एशियन भारोत्तोलन चैंपियनशिप से खाली हाथ लौटी भारतीय टीम

ताशकंद। भारतीय भारोत्तोलर ज्ञानेश्वरी यादव, दितिमोनी सोनोवाल और वल्लुरी अजय बाबू का दल एशियन भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2024 से खाली हाथ लौटा। उज्बेकिस्तान के ताशकंद में आयोजित चैंपियनशिप में बुधवार को वल्लुरी अजय बाबू पुरुषों के 81 किग्रा वर्ग में कुल 297 किग्रा-स्नैच में 137 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 160 किग्रा वजन उठाकर छठे स्थान पर रहे। उत्तर कोरिया के री चोंग सॉन्ग ने पुरुषों के 81 किग्रा में कुल 369 किग्रा-स्नैच में 169 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 200 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। कजाकिस्तान के एलेक्जेंडर उवरोव ने 343 किग्रा के साथ रजत और तुर्कमेनिस्तान के गेगिसिज तोरायेव ने 337 किग्रा के साथ कांस्य पदक जीता।

मिशेल दूसरे टेस्ट और टी-20 श्रृंखला से बाहर

सिडनी। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिशेल को पैर की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के साथ होने वाले दूसरे टेस्ट और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है। मिशेल पिछले छह सात महीने से चोट की चोट की समस्या से जूझ रहे है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 53.46 की औसत से रन बनाये है। चोट के कारण उन्हें जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ अंतिम टी-20 मैच से आराम दिया गया था। लेकिन अब टीम के चयनकताओं ने मिशेल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए सर्वश्रेष्ठ देने और पूरी तरह फीट होने के लिए लंबे समय तक टीम से बाहर रखने का फैसला किया है।

स्नेहा सिंह को दूसरे दौर के बाद 5 शॉट की बढ़त

विशाखापत्तनम। स्नेहा सिंह ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर के चौथे चरण के दूसरे दौर में गुरुवार को यहां तीन अंडर 69 का कार्ड खेला और इस तरह से उन्होंने अपनी करीबी प्रतिद्वंदी हिताशी बख्शी पर पांच शॉट की बढ़त बना ली है। पिछले सत्र में हीरो ऑर्डर ऑफ मेरिट की विजेता स्नेहा ने अंतिम नौ होल में लगातार 3 बर्डी बनाई और इस तरह से शुरू में की गई 2 बोगी से उबरने में सफल रही। स्नेहा (70-69) का कुल स्कोर 5 अंडर 139 पर हैं और वह हिताशी बख्शी (72-72) से 5 शॉट आगे हैं। एमेच्योर जारा आनंद (74-72) और खुशी खानिजौ (72-74) संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। इन दोनों का कुल स्कोर 2 ओवर 146 है। जैस्मीन शेखर (74-75) और रिधिमा दिलावरी (73-77) 5वें और छठे स्थान पर हैं, जबकि 4 खिलाड़ी दिशा कावेरी (77-76), यालिसाई वर्मा (76-77), रिया झा (76-77) और सहर अटवाल (76-77) संयुक्त 7वें स्थान पर हैं।

कोहली के न खेलने की खबरों पर बोले हुसैन

नयी दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने अपने निजी जीवन को प्राथमिकता देने के विराट कोहली के फैसले का समर्थन किया, लेकिन उनका मानना है कि उनकी अनुपस्थिति भारत के लिए एक बड़ा 'झटका' होगी। इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों से अनुपस्थित रहने वाले विराट इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट और रांची में होने वाले तीसरे और चौथे टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। हुसैन ने कहा, कोहली अब तक के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक हैं और किसी भी सीरीज और किसी भी टीम को कोहली जैसे कद वाले खिलाड़ी की कमी खलेगी।

हॉकी खिलाड़ी वरुण ने एफआइएच प्रो लीग से वापस लिया नाम, लगा है बलात्कार का आरोप

नयी दिल्ली। पॉक्सो कानून के तहत बलात्कार के आरोपी और अर्जुन पुरस्कार विजेता भारतीय हॉकी खिलाड़ी वरुण कुमार ने इसे पैसे ऐंठने का सुनियोजित प्रयास' करार देते हुए अपने पर लगाए गए आरोपों के खिलाफ कानूनी विकल्प तलाशने के लिए भुवनेश्वर में एफआइएच प्रो लीग से नाम वापस ले लिया है। हॉकी इंडिया ने इस 28 वर्षीय खिलाड़ी को तत्काल अवकाश दे दिया है क्योंकि इस खिलाड़ी ने कहा था कि इस घटना से उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ रहा है। एक महिला ने आरोप लगाया है कि जब वह नाबालिग थी तब वरुण ने कई बार उनका यौन उत्पीड़न किया, इसके बाद बेंगलुरु पुलिस ने इस हॉकी खिलाड़ी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वरुण ने हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की को लिखे पत्र में दावा किया है कि उनके खिलाफ दर्ज की गई शिकायत झूठी है और यह राज्य के सरकारी तंत्र का दुरुपयोग है। इस पत्र की एक प्रति पीटीआई के पास भी है। वरुण ने अपने पत्र में लिखा है, मुझे मीडिया रिपोर्ट से पता चला है कि जिस लड़की के साथ पूर्व में मैं रिश्ते में था उसने मेरे खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया है और इस मामले में बेंगलुरु में प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

40 ओवर के होने चाहिए वनडे : आरोन

एजेंसी

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान आरोन फिंच ने एक अनोखा विचार पेश किया जिसमें अधिक भीड़ को आकर्षित करने और अधिक नए दर्शकों को लाने के लिए एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ओवरों की संख्या 50 से घटाकर 40 करने का सुझाव दिया। फिंच का मानना है कि वनडे क्रिकेट का मौजूदा प्रारूप जो 100 ओवरों का खेला जाता है, बहुत लंबा है और धीमी ओवर गति के मामले होने पर इसका पालन करना मुश्किल हो जाता है। भारत में 2023 वनडे विश्व कप को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया के बावजूद इस प्रारूप की प्रासंगिकता और लोकप्रियता खोने पर बहस जारी है। टी20 क्रिकेट ने अपनी तेज गति वाली प्रकृति और फ्रेंचाइजी लीगों की लोकप्रियता के कारण काफी प्रचार आकर्षित किया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान का मानना है कि अगर यह नेटवेस्ट प्रो40 लीग के समान सेटअप का पालन करता है तो फिर से सुर्खियों में आ सकता है। फिंच ने कहा, मुझे लगता है कि यह 40 ओवरों तक चला जाता है, इंग्लैंड में मुझे यह देखकर अच्छा लगेगा... उनके पास प्रो-40 हुआ करते थे और वह एक बड़ी प्रतियोगिता थी। मुझे लगता है कि मेरी राय में, खेल बहुत लंबा चला गया है। जो गतिटीमें अपने 50 ओवर इतने धीमे फेंकती हैं, यह लगभग 11 या 12 ओवर/घंटा कम होता है और यह स्वीकार्य नहीं है। लोग तर्क देंगे कि शायद यह एक गौरवशाली टी20 खेल है लेकिन यह भीड़ के बारे में है।

टी-20 विश्व कप के चयन में आइपीएल का प्रदर्शन काफी महत्व रखेगा : मूडी

चेन्नई। अनुभवी कोच टॉम मूडी ने गुरुवार को कहा कि खिलाड़ियों का आईपीएल और आइएलटी20 जैसी प्रतिस्पर्धी लीग में प्रदर्शन इस बार काफी मायने रखेगा क्योंकि इसका टी20 विश्व कप से पहले टीम चयन पर असर पड़ेगा। आइसीसी का इस चरण का टी20 विश्व कप जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। मूडी ने आइएलटी20' की डेजर्ट वाइपर्स टीम द्वारा कराई गई वर्चुअल बातचीत के दौरान कहा, मार्च और मई के बीच खेली जाने वाली आइपीएल के साथ अन्य टी20 लीग जैसे आइएलटी20 किसी भी खिलाड़ी के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कोई भी घरेलू टीम इन टूर्नामेंट में इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखेगी क्योंकि इन लीग में काफी बेहतरीन क्रिकेट खेला जाता है। उन्होंने कहा अगर आप रन जुटा रहे हैं, विकेट झटक रहे हैं और निरंतरता दिखा रहे हैं तो इससे आप अच्छी स्थिति में पहुंच जाते हैं क्योंकि इससे चयन के लिए कठिन फैसले लेने में मदद मिलती है। मूडी ने कहा इससे आपको इस तरह का आत्मविश्वास मिलता है जो टी20 विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के लिए अहम है।

कप्तानी छिनने के बाद शनाका टीम से भी बाहर

नयी दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व कप्तान दासुन शनाका को अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चुनी गई 16 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली है। शनाका के साथ-साथ बल्लेबाज नुवानिदु फर्नांडो और लेग स्पिनर जेफरी वेंडरसे को भी टीम से बाहर कर दिया गया है। ऑलराउंडर चमिका करुणारत्ने और औपनर बल्लेबाज शेवोन डेनियल टीम में शामिल हो गए हैं। 50 ओवर के प्रारूप में खराब प्रदर्शन के बाद शनाका को टीम से बाहर किया गया है। अपनी पिछली 21 पारियों में उन्होंने सिर्फ एक अर्धशतक लगाया है और उनका औसत 12.25 का रहा है। 2024 की शुरूआत में जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज से पहले उन्हें व्हाइट बॉल टीम की कप्तानी से हटा दिया गया था। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में फर्नांडो और वेंडरसे टीम का हिस्सा थे।फर्नांडो को एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला। वैंडरसे सीरीज में सिर्फ 1 मैच खेले थे। उसमें काफी प्रभावशाली थे और उन्होंने 47 रन देकर 2 विकेट लिए थे।

ब्रेस्ट को हराकर पीएसजी फ्रेंच कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

एजेंसी

पेरिस। किलियान एमबापे ने मौजूदा सत्र का अपना 30वां गोल दागा जिससे पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने ब्रेस्ट पर 3-1 से जीत के साथ फ्रेंच कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल अपनी जगह पक्की की। इस जीत के साथ ही टीम का अजेय क्रम 15 मैचों तक पहुंच गया। पीएसजी के साथ जून में मौजूदा अनुबंध के खत्म होने के बाद रीयल मैड्रिड जाने की अटकलों के बीच एमबापे इस सत्र में शानदार लय में है। 'ओप्टा' के आंकड़ों के मुताबिक फेंच कप के 28 मैचों में उन्होंने 35 गोल किए हैं और 15 गोल में दूसरे खिलाड़ियों की मदद की है। पिछले चार मैचों में उन्होंने 11 गोल दागे हैं। उन्होंने मैच के 34वें मिनट में टीम का खाता खोला जिसके तीन मिनट के बाद डानिलो परेरा ने टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। मध्यांतर के बाद एमबापे टीम को 3-0 से आगे करने से चूक गये जब उनका प्रयास क्रॉसबार से टकराकर विफल हो गया। स्टीव मौनी ने 65वें मिनट में गोल कर ब्रेस्ट की वापसी कराई लेकिन कोनकालोस रामोस ने आखिरी क्षणों (90+ दो मिनट) में पीएसजी को 3-1 से आगे कर दिया। अन्य मुकाबलों में सात बार के फ्रांस के चैंपियन लियोन ने लिली के खिलाफ 2-1 से जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। नीस ने मोंटपेलियर को 4-1 से शिकस्त देकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

इंटर मियामी को पेनल्टी शूटआउट में मिली हार

एजेंसी

तोक्यो। हांगकांग में प्रशंसकों को निराश करने के बाद लियोनेल मेसी विसेल कोबे के खिलाफ इंटर मियामी के प्रदर्शनी मैच के आखिरी 30 मिनट के लिए मैदान में उतरे लेकिन उनकी मौजूदगी टीम को जीत नहीं दिला सकी। मेसी के पास खेले गये इस मैच में गोल करने के दो मौके थे लेकिन उनका दोनों प्रयास विफल हो गया। मैच के 80वें मिनट में गोलकीपर शोता आरिया ने उनके प्रयास को विफल कर दिया जबकि उनके दूसरे प्रयास को विस्सेल कोबे की रक्षापंक्ति ने असफल कर दिया।

निराश फैंस ने की हूटिंग

नियमित समय में मुकाबला गोलरहित छूटने के बाद पेनल्टी शूटआउट में विस्सेल कोबे ने 4-3 से जीत दर्ज की। मेसी ने हालांकि पेनल्टी किक नहीं लगाया जिससे स्टेडियम में मौजूद लगभग 29 हजार दर्शक ने निराशा में हूटिंग की। यह हूटिंग हालांकि हांगकांग से कम थी जहां प्रदर्शनी मैच में मेसी मैदान पर नहीं उतरे थे। वहां मेसी और इंटर मियामी को नाराज प्रशंसकों और सरकार दोनों की तीखी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा था। मेसी ने मंगलवार को ही संकेत दिया था कि वह चोट से उबर कर अच्छा महसूस कर रहे हैं और फिटनेस हासिल कर इस मैच के लिए मैदान पर उतरेंगे। इंटर मियामी के कोच गेरार्डो मार्टिनो ने कहा, मंगलवार शाम को अभ्यास के बाद, उन्होंने (मेसी) कहा कि वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और हम सहमत हुए कि वह 30 मिनट खेलेंगे। उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि मेसी ने पेनल्टी क्यो नहीं लगायी। कोच ने कहा, मैच खत्म होने के बाद अब हम बहुत संतुष्ट हैं क्योंकि मेसी बहुत सहज दिख रहे थे।

स्पीड न्यूज

तीन दिन से लापता अधेड़ का शव कुएं में मिला

बोकारो/कसमार। कसमार थाना क्षेत्र के पिरगुल निवासी गुप्तेश्वर ठाकुर पिता बुधन ठाकुर उम्र 56 का शव गुरुवार को घर के सामने ही कुएं में तैरता हुआ मिला। मृतक तीन दिन से लापता थे। कल ही परिजनो ने थाना मे गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया था। परिजनों ने घटना की सूचना कसमार पुलिस व स्थानीय मुखिया सरिता देवी को दी। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस पहुंची और कुएं से शव निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक शराब का आदी था। पहले भी कई बार मृतक शराब के नशे में एक दो दिन घर से बाहर रहते थे।

बगान की बाउंड्री का ताला तोड़ सब्जी उड़ा ले गए चोर

बेरमो। फुसरो पेटरवार थाना क्षेत्र अंतर्गत चलकरी उतरी पंचायत के वार्ड नंवर 9 के केवट टोला स्थित सामुदायिक विकास भवन के बगल में बगान के बॉउड्री का ताला तोडकर सब्जीयो को चोरो ने चोरी कर ली है. भुक्तभोगी भोला प्रसाद केवट ने बताया कि वे लोग सपरिवार रात में खाना खाकर सो गये, सुबह जब उठे तो देखा गया कि बगान के बॉउड्री का ताला तोडकर चोरो ने कई प्रकार की सब्जीयो को चोरी कर लिया गया है. जिसकी सुचना वार्ड सदस्य , मुखिया , पंचायत समिति को दे दिया गया है. साथ ही प्रशासन से आग्रह किया कि चोरो पर नकेल कसी जाय ताकि भविष्य में किसी घर में चोरी की वारदात नही हो।

बेरमो थाना क्षेत्र मे लगे तमाम सीसीटीवी कैमरे साबित हो रहे हैं हाथी के दांत

बेरमो। बेरमो थाना क्षेत्र के लगे सीसीटीवी कैमरा जिस मकसद से लगाया गया था की चोरी और अपराध पर अंकुश लगेगा आज उस पर पानी फिरता नजर आ रहा है। दुसरे शब्दों में कहे तो आज यह हाथी के दांत साबित हो रहे है। बताता चलू की इसका उद्घाटन बोकारो डीसी कुलदीप चौधरी तथा बोकारो एसपी चंदन झा ने पुरे तामझाम के साथ किया था। मौके पर बेरमो विधायक भी इस उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौजूद थे। सुत्रो की माने तो कई स्थानों पर कैमरा का नही होना कई प्रश्नों को खड़ा करता है । संभवता हो सकता है उक्त कैमरो को कोई खराबी आ गई हो और मरम्मती के उद्देश्य से खोला गया हो। ज्ञात हो कि फुसरो नगर परिषद क्षेत्र में कैमरे लगाने की योजना पर लगभग 65 लाख की लागत आई थी।

अनिल अग्रवाल के भतीजे प्रणय की शादी में दिग्गजों का लगा जमावड़ा

बेरमो। बेरमो के सुप्रसिद्ध समाजसेवी अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष सह झामुमो नेता अनिल अग्रवाल के बड़े भाई सौरभ अग्रवाल के पुत्र प्रणय अग्रवाल के विवाह समारोह रांची में सम्पन्न हुई। जिसमे कई गन्यमान जैसे झारखंड के महामहिमा राजपाल जी के द्वारा शुभकामना संदेश प्राप्त हुआ,विवाह समारोह में मुख्य रूप से झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष आदरणीय श्री रविंद्र नाथ महतो, मंत्री श्रीमती बेबी देवी, मंत्री श्री मिथलेश ठाकुर, मंत्री हफीजुल हसन, मंत्री श्री योगेंद्र महतो, मांडू विधायक श्री जे पी पटेल, टुंडी विधायक श्री मथुरा प्रसाद महतो, बेरमो के विधायक कुमार जयमंगल सिंह, बिहार, सरकार के पूर्व मंत्री अखलाक अहमद , गोपाल शर्मा, रणधीर वर्मा, ढोरी जीएम मनोज अग्रवाल, पीएम पाण्डे, देवी दास, प्रकाश सिंह, राजू महतो, विक्रम पाण्डे, सहित कई गणमान्य लोगों के अलावे कई अधिकारी गण उपस्थित होकर नव दंपति को बधाई दी।

भवनाथपुर पुलिस निरीक्षक को दी गई विदाई

भवनाथपुर। भवनाथपुर पुलिस निरीक्षक कृष्ण कुमार का तबादला विशेष शाखा रांची होने पर थाना परिसर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। भवनाथपुर थाना के पुलिस कर्मियों ने उन्हें अंग वस्त्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया। मौके पर श्री बंशीधर नगर एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह ने कहा कि इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार एक ईमानदार कर्तव्यनिष्ठ और न्यायप्रिय पुलिस अधिकारी है। उन्होंने हमेशा पुलिसिंग के नियमों का पालन करते हुए शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पुलिस निरीक्षक कृष्ण कुमार ने कहा कि सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मी के सहयोग से मैंने अपने छह माह के कार्यकाल में सफलतापूर्वक अपना थाना चलाया। भवनाथपुर थाना प्रभारी रामेश्वर उपाध्याय ने कहा कि कृष्ण सर एक व्यक्तिगत और न्यायिक विचार के पुलिस निरीक्षक हैं। इस दौरान सभी अधिकारियों व पुलिस कर्मियों ने फूल माला पहनाकर शाल, बुके और उपहार देकर उन्हें विशेष शिखा रांची के लिए विदा किया। मौके पर खरौधी थाना प्रभारी पंकज सिंदुरिया, केतार थाना प्रभारी कमलेश कुमार, एसआई कुंदन यादव, विजय शंकर राय, एएसआई प्रभु मेहता सहित कई अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

कलश यात्रा के साथ हुआ माघी काली पूजा प्रारम्भ

बेरमो/गोमिया। गोमिया मुख्य चौक स्थित 1008 काली मन्दिर में हर वर्ष की भांति गत वर्ष भी गुरुवार को कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय माघी काली पूजा हुआ प्रारंभ .इस अवसर पर मुख्य रूप से गोमिया विधायक लंबोदर महतो, जिप सदस्य सुरेन्द्र राज,पलिहारी मुखिया सपना कुमारी सहित मंदिर संचालन समिति के तमाम पदाधिकारी उपस्थित थे.कलश यात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर धुर्वा मोड़, गोमिया मोड़,थाना चौक, गोमिया बस्ती होते हुए भगत अहरा के तट पर पहुंची और वैदिक मंत्रोचारण के बीच कलश में जल भरकर मंदिर परिसर पहुंची और कलश की स्थापना किया गया.इस अवसर पर मंदिर के मुख्य पुजारी संजय पांडे ने कहा की कलश यात्रा के उपरांत रात्रि दस बजे निशा पूजन एवं प्रातःतीन बजे से बलि प्रारंभ होगी।

विधायक ने किया 6.64 करोड़ रुपए की लागत से दो पथ निर्माण का शिलान्यास

खबर मन्त्र संवाददाता

शिलान्यास करते विधायक।

मझिआंव। स्थानीय विधायक रामचन्द्र चंद्रवंशी ने मझिआंव एवं बरडीहा प्रखंड में 6.64 करोड़ रुपये के दो पथ का शिलान्यास किया। इस दौरान मझिआंव प्रखंड के बोदरा गांव में 3.89 करोड़ रुपये की लागत राशि से बोदरा बोदरा से कोल्हुआ तक एवं बरडीहा प्रखंड में मझिगवां से बरछाबान्ध होते लावा चम्पा तक 2.75 करोड़ रुपये की लागत राशि से बनने वाले विशेष पथ मरम्मती कार्य का शिलान्यास किया गया।

लावा चम्पा विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने कहा कि हमारे कार्यकाल के पहले कहीं पर गाड़ी नही चलता था, लेकिन अब किसी गांव का कोई भी ऐसा गली नही है जहां पर पक्की सड़क नही है। उन्होंने कहा कि बिश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र में बांकी से लेकर कोयल नदी सहित सभी छोटी बड़ी नदी नालों पर पुल पुलिया बनवाकर एवं बिजली बहाल कर लोगों को ढिबरी वाले युग से बाहर निकाला। विधायक ने घोषणा करते हुए कहा कि वे झूठ नहीं बोलेंगे चुनाव जीतते ही इमलिया टिकर से महुगाई तक एवं मझिगावा में सड़क निकलवाने का काम करेंगे, तथा बिछी में श्मसान घाट एवं सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य करायेंगे।

इधर कार्यक्रम के दौरान ही बरडीहा प्रखंड के लावा चम्पा गांव में विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी द्वारा पथ निर्माण कार्य के शिलान्यास के अवसर पर कुसुमियांदामर गांव के कांग्रेस पार्टी के आठ सदस्य भाजपा में शामिल हो गये तथा विधिवत भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने की घोषणा की। भाजपा में शामिल हुए फुजैल अंसारी, जाकिर अंसारी, सलीम अंसारी, गुलाम सरवर अंसारी, हसन अंसारी, कसमुदिन अंसारी, नसीम आलम अंसारी एवं गुलाम रब्बानी को माला पहनाकर स्वागत किया गया। मौके पर जिला प्रतिनिधि राजीव तिवारी, भोला चंद्रवंशी, सुदामा चैधरी, बरडीहा मंडल अध्यक्ष संजय यादव, मझिआंव मंडल अध्यक्ष पवन कुमार, ग्रामीण अध्यक्ष उमाशंकर यादव, संजय कमलापुरी, संजय सिंह, राम सिंह, लक्ष्मण सिंह, मुखिया प्रतिनिधि इंदल सिंह, डॉ रघुनाथ सिंह, राजकुमार चैधरी, शुशील सिंह, देवकुमार राम, प्रमोद सिंह सहित अन्य कई लोग उपस्थित थे।

गोमिया के पूर्व विधायक पूर्व सीएम हेमंत की पत्नी से मिली, भेंट की बुके

बेरमो/ललपनिया। गुरुवार को गोमिया क्षेत्र लोकप्रिय पूर्व विधायक बबीता देवी जी ने राजधानी रांची पहुंचीं। उन्होंने माननीय पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की धर्मपत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन जी से भेंट की। पूर्वविधायक महोदया ने कल्पना मैडम को बुके भेंट किया व शादी की 18वीं सालगिरह की बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा यह अवसर खास है लेकिन आदरणीय हेमंत सोरेन जी की अनुपस्थिति जरूर खल रही है। माननीय पूर्व विधाय ने कहा कि साजिशों का ताना बाना बुनकर जिस तरह से केंद्र की सरकार के इशारे पर आदरणीय हेमंत सोरेन को कथित मामलों में परेशान किया जा रहा है, इसका झारखंड की जनता ने विपक्ष को मुंहतोड़ जवाब देगी। पूर्व विधायक महोदया जी ने कल्पना मैडम को दिलासा देते हुए कहाकि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत जी जल्द बाहर निकलेंगें। यह हमसभी का विश्वास और भरोसा है वे संघर्ष की आग में तपकर और निखरेंगे।

पूर्व चिकित्सा पदाधिकारी दिनेश सिंह ने दिया योगदान

स्वागत करते लोग।

भवनाथपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पूर्व चिकित्सा पदाधिकारी दिनेश सिंह ने योगदान दिया। वर्तमान प्रभारी चिकित्सक डॉ रंजन दास ने दिनेश सिंह को बुके देकर स्वागत किया। दिनेश सिंह को भवनाथपुर में प्रभार मिलने से दो दो एमबीबीएस चिकित्सक मिलने से स्वास्थ व्यवस्था में मरीजों को इलाज में सहूलियत मिलेगी। साथ ही पूरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मी भी काफी खुशी का इजहार किया। मौके पर प्रदीप पाठक, अरुण लकड़ा, विद्यानंद प्रजापति, सुनील पटेल, अनूप कुमार, धर्मजीत पासवान, अशोक कुमार, ब्रजेश चन्द्रवंशी, चंद्रशेखर यादव सहित कई अन्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो समाहरणालय के सभागार में उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना एवं जिला गव्य विकास कार्यालय के विभिन्न योजनाओं के तहत चयनित लाभुकों की सूची के अनुमोदन को लेकर जिला स्तरीय समिति की बैठक की। मौके पर डीडीसी कीर्तीश्री जी कल्याण पदाधिकारी मेनका विधायक प्रतिनिधि हेमंत शेखर विनोद कुमार गोमिया दुर्गा चरण महतो राम पुकार महतो समेत पशुपालन पदाधिकारी डा मनोज कुमार मणि समेत अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मी आदि उपस्थित थे। बैठक में डीसी श्री चौधरी ने योजना के तहत आवेदकों के चयन प्रक्रिया एवं राज्य स्तर से प्राप्त लक्ष्य के संबंध में एवं प्रखंड स्तरीय समिति से आवेदकों की प्राप्त अनुशंसा सूची की विस्तृत जानकारी ली। डा मनोज कुमार मणि ने विभिन्न योजनाओं के तहत जिले का कुल लक्ष्य तथा अनुमोदित लाभुकों का विस्तृत आंकड़ा प्रस्तुत किया। उपायुक्त ने कमेटी के समक्ष विभिन्न योजनाओं के संबंध में 75 फीसद अनुदान 90 फीसद अनुदान के साथ प्रखंडों से प्राप्त आवेदकों की सूची को सर्व सहमति से अनुमोदित किया। बैठक में गव्य कार्यालय द्वारा संचालित योजनाओं को सर्व सहमति से अनुमोदित किया। उन्होंने सम्बद्ध पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया।

अयोध्या से रामलला का दर्शन कर वापस बोकारो थर्मल पहुंचे भक्त श्रद्धालुओं का किया गया स्वागत

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। बोकारो थर्मल से रामभक्तों का पहला खेप अयोध्या से प्रभु श्रीराम जी का दर्शन कर बुधवार को रात्रि लगभग नौ बजे वापस बोकारो थर्मल पहुंचे, भक्तों को फूलमाला पहनाकर एवं ढोल बाजे के साथ स्वागत किया गया। आगे बताते चलें कि बीजेपी पार्टी ने प्रभु श्रीराम जी के दर्शन में सम्मिलित रामभक्तों को आस्था स्पेशल ट्रेन में खाने-पीने की सुविधा के साथ किया गया था। साथ ही रामभक्तों को इस दौरान रेलवे स्टेशन से पंचवटी आश्रम में रात्री विश्राम, सरयू जी में स्नान, रामजन्म भूमि में रामलला का दर्शन, हनुमान गढ़ी में श्री हनुमान जी का दर्शन व आश्रम में खाने-पीने की सारी सुविधा के साथ वापस दर्शननगर रेलवे स्टेशन आने की सारी बस सुविधा मौजुद थी। बीजेपी बोकारो जिला अध्यक्ष भरत यादव ने कहा कि बोकारो जिले के अलग-अलग प्रखंडों से आयें लगभग चौदह सौ श्रद्धालुओं का जत्था आस्था स्पेशल ट्रैन से अयोध्या रामलला का दर्शन बहुत ही शांतिपूर्ण रूप से किए हैं। साथ ही 26 फरवरी को भी दूसरी खेप बोकारो जिला से रामलला का दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा।

वही बोकारो थर्मल के रेलवे स्टेशन में अयोध्या से राम लला के दर्शन कर पहुंचे भक्तों को अशोक साव ने फूलमाल पहनाकर एवं समाज सेवी सीमा देवी ने ढोल-बाजे के साथ स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं का कहना है कि हम बहुत ही खुशनसीब और भाग्यवान थे जो इतनी सुख-सुविधा के साथ रामलला का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आज भारत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं यू पी मुख्यमंत्री योगीजी के सौजन्य से आज समस्त भारत देश व विदेश के रामभक्तों को रामलला दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो रही है।

ओरिएंटल कोचिंग सेंटर में विदाई समारोह का आयोजन

गढ़वा। प्रखंड के हरैया स्थित ओरिएंटल कोचिंग सेंटर में गुरुवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में दसवीं वर्ग के छात्र-छात्राओं को विदाई दी गई। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए शिक्षक पवन कुमार गिरि ने बच्चों को निरंतर आगे बढ़ने और परीक्षा में बेहतर अंक लाने की बात कही। उन्होंने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी कोचिंग का रिजल्ट शत प्रतिशत रहेगा। उन्होंने कोचिंग परिवार की तरफ से विधार्थियों को उपहार भी प्रदान किये। साथ ही कोचिंग के बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। मौके पर आयुष वर्मा, लव कुमार, राखी कुमारी, खुशी कुमारी, शिवम सिंह, साक्षी कुमारी, प्रिति कुमारी, राहुल कुमार, प्रीतम कुमार, रोहित कुमार समेत अन्य छात्र-छात्रा उपस्थित थे।

विधायक भानु ने किया तीन योजनाओं का शिलान्यास

शिलान्यास करते विधायक।

केतार। विधायक भानु प्रताप शाही ने गुरुवार को केतार प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मुकुंदपुर स्थित गोरेया बाबा का पूजा अर्चना के पश्चात कांडी मुख्य पथ से पंडा नदी तक पीसीसी पथ का भूमि पूजन, परसोडीह के बांसडीह कला में नल जल योजना का भूमि पूजन एवं ग्राम सिंहपुर में पंडा नदी पर पांच करोड़ के लागत से बनने वाले पुल का शिलान्यास स्थानीय बुजुर्ग के हाथों अपने उपस्थिति में नारियल तोड़कर किया। सिंहपुर बस्ती में विधायक ने कहा कि पूर्व के जनप्रतिनिधियों ने मुकुंदपुर पंचायत के किसी गांव में विकास नहीं किया बल्कि सिर्फ यहां के लोगों का वोट लेकर लूटने का कार्य किया। सिंहपुर गांव आने जाने का कोई रास्ता नहीं था, तो मेरे द्वारा राजघाटी से लेकर सिंहपुर बस्ती होते हुए ताली तक कालीकरण सड़क बनवाने का कार्य किया गया। साथ ही क्षेत्र के किसानों को बिजली, पीने के लिए स्वच्छ पानी भी उपलब्ध कराने का कार्य किया। जबकि इस गांव के पंडा नदी पर पुल नहीं होने के कारण बरसात के समय इस गांव के लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि मेरे रहते इस क्षेत्र की जनता को मूलभूत समस्याओं से कभी जूझना नहीं पड़ेगा।

दुर्घटना का मुख्य केंद्र बिंदु पेड़ को काट कर हटाया गया

बेरमो। बृहस्पतिवार को बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह के अनुसंशा पर बोकारो उपायुक्त के पहल से जरीडीह प्रखंड अंतर्गत खुटरी पंचायत स्तिथ ठाकुरटाँड़ रोड किनारे पेड़ को काट कर हटाया गया, आये दिन यहाँ इस पेड़ के वजह से काफी सड़क दुर्घटना होती थी। जिससे लोगों को अब निजात मिला।

सीएमपीएफ घोटाला को लेकर सीसीएल सीकेएस की बैठक सम्पन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। बृहस्पतिवार को भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ ढोरी द्वारा कोयला कर्मचारियों के सीएमपीएफ में हुए घोटाले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर सीसीएल सीकेएस ढोरी द्वारा आज बैठक की गई बैठक की अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष कुलदीप तथा संचालन क्षेत्रीय सचिव विनय कुमार सिंह के द्वारा किया गया बैठक में मुख्य रूप से सीसीएल सीकेएस के कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र कुमार मिश्रा उपस्थित रहे वहीं मिश्रा ने कहा कि अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार सीसीएल सीकेएस आगामी 12 फरवरी तथा 15 फरवरी 2024 को सीएमपीएफ हुए 7.27 करोड़ के घोटाले को सीबीआई जांच की मांग को लेकर सीसीएल सीकेएस ढोरी द्वारा सैकड़ों के तादाद में कार्यकर्ता एक दिवसीय धरना प्रदर्शन तथा आंदोलन में भाग लेंगे और रांची तथा धनबाद जाएंगे इससे पुर्व 11 जनवरी 2024 को संगठन द्वारा महाप्रबंधक कार्यालय के मुख्य द्वार एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर प्रबंधन के माध्यम से भारत सरकार कोयला मंत्री प्रहलाद जोशी एवं कोयला सचिव अमृतलाल मीणा भारत सरकार को ज्ञापन सौंपने का कार्य भारतीय मजदूर संघ ढोरी क्षेत्र के द्वारा किया गया था रवींद्र कुमार मिश्रा ने कहा की 12 फरवरी तथा 15 फरवरी को पुरे देश मे भारतीय मजदूर संघ द्वारा कोल इंडिया स्तर पर सीएमपीएफ में हुए घोटाला की सीबीआई जांच की मांग को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन तथा आंदोलन की जाएगी क्योंकि हमारे कोल उद्योग प्रभारी के० लक्ष्मा रेड्डी तथा अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के महामंत्री सुधीर घुरडे ने भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले सरकार से आर-पार की लड़ाई लड़ने की ठानी है अभी हाल में ही भारतवर्ष के सांसदों को सीएमपीएफ घोटाले में सीबीआई जांच को लेकर ज्ञापन सौंपने का कार्य भारतीय मजदूर संघ की ओर से किया गया था और हमलोग भी सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी को 26 दिसंबर 2023 को मांग पत्र सौंपने का कार्य संगठन द्वारा किये थे क्योंकि कोयला कर्मियों की मेहनत की कमाई 1.5 लाख करोड रुपये का भविष्य निधि और पेंशन फंड धनबाद स्थित सीएमपीएफ द्वारा घोटाला किया गया है साथ ही दीवान हाउसिंग लिमिटेड कंपनी में 7.27 करोड़ बिना सोचे समझे इन्वेस्टमेंट किया गया उसी पैसा की वापसी की लड़ाई भारतीय मजदूर संघ लड़ रही है और हमारा संगठन का मांग है कि जल्द ही उसे पैसे की वसूली कर सीएमपीएफ में जमा कराया जाए और दोषियों को दंडित किया जाए हमारा संगठन ऐसा मानता है कि सीएमपीएफ भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है और सीएमपीएफ घोटाले की जांच सीबीआई द्वारा कराया जाए। वही क्षेत्रीय सचिव विनय कुमार सिंह ने कहा की आज की बैठक सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि ढोरी क्षेत्र के सभी परियोजना से रांची तथा धनबाद हमारे कार्यकर्ता सैकड़ो की संख्या में उक्त आंदोलन में भाग लेंगे ताकी हम सभी कोयला कर्मियों की मेहनत से कमाई जो घोटाला हुई है उपरोक्त राशी वापस हमलोग अपने कामगारों को वापस दिला सके। उक्त मौके पर नुनुचंद महतो, हीरालाल रविदास, अजय सिंह, फुली गोप, बुधन प्रसाद नोनिया, प्रमोद कुमार शर्मा, बिरेन्द्र प्रसाद गुप्ता, राजेश पासवान, सुबीर मुखर्जी, भुनेश्वर, मिथलेश चौहान, शरद कुमार, कोमल, गणेश, प्रेमलता देवी, आदि उपस्थित रहे।

पेज 3 का शेष

श्वेत पत्र : घोटाला, महंगाई, बैंकिंग...

बैंकिंग क्राइसिस यूपीए की देन : श्वेत पत्र में कहा गया कि यूपीए सरकार के कार्यकाल में बैंकिंग क्राइसिस खड़ा हो गया। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार जब सत्ता से हटी तो ग्रॉस एनपीए 7.8 फीसदी थी दो सितंबर 2013 तक बढ़कर 12.3 फीसदी पर जा पहुंची थी। सरकारी बैंकों से दिये जाने वाले लोन में राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ गया था। खराब पॉलिसी प्लानिंग के चलते कई सामाजिक कल्याण के स्कीमों में आवंटित पैसा खर्च नहीं किया जा सका था। सीएजी रिपोर्ट के मुताबिक 1.76 लाख करोड़ का 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन घोटाला, कोयला घोटाला और कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाले से भारत की छवि को धक्का लगा था। साल 2009 और 2014 के बीच मुद्रा स्फीति बढ़ी और कैसे इसका नुकसान आम आदमी को उठाना पड़ा। उच्च राजकोषीय घाटे ने आम और गरीब परिवार पर संकट का ढेर लगा दिया। **10 सालों में 15 घोटाले, ममता-लालू पर भी निशाना :** यूपीए सरकार के 10 सालों में 15 घोटालों का आरोप लगाया गया है। श्वेत पत्र में नौकरी के बदले जमीन घोटाले को भी शामिल किया गया है, जिसमें लालू यादव और उनके परिवार के खिलाफ जांच चल रही है। श्वेत पत्र में शारदा चिटफंड स्कैम, राष्ट्रमंडल खेल घोटाला, एयरसेल-मैक्सिस और आईएनएक्स मीडिया केस का भी जिक्र किया गया है। गुरुग्राम और पंचकूला में लैंड डील, एंट्रीक्स देवास डील जैसे घोटालों का भी इस श्वेत पत्र में विस्तार से जिक्र है। श्वेत पत्र में आदर्श हाउसिंग सोसायटी घोटाला और अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर डील का भी जिक्र हुआ है।

कंपनियां रुचि नहीं ले रही...

बालू आसानी व उचित दाम में मिले : मुख्यमंत्री ने बालू घाट नीलामी की भी जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिया कि उपभोक्ताओं को बालू आसानी और उचित कीमत पर प्राप्त हो सके। इसके लिए विभाग निरंतर मॉनिटरिंग करे। बालूघाट के टेंडर प्रक्रिया में कोई बाधा उत्पन्न हो रही है तो उसका निराकरण जल्द कर लें। बैठक में मुख्य सचिव एल खियांग्ते, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे, खनन विभाग के सचिव अबू बकर सिद्दीकी, उद्योग विभाग के सचिव जितेंद्र कुमार सिंह, निदेशक शशि रंजन सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस सांसद से पूछताछ...

इसी मामले में बुधवार को कोलकाता में भी दो ठिकानों पर तलाशी ली गयी। उल्लेखनीय है कि पिछले साल 6 दिसंबर 2023 में इनकम टैक्स विभाग ने कांग्रेस नेता व सासंद धीरज साहू के झारखंड के रांची स्थित आवास सहित ओड़िशा और पश्चिम बंगाल के नौ ठिकानों पर रेड की थी। आईटी ने रेड में 351 करोड़ रुपये कैश और बेहिसाब अकूत संपत्ति को जब्त की गयी थी। 10 दिनों तक चली इस छापेमारी में 40 नोट गिनने की मशीनो का इस्तेमाल हुआ था।

राहत : रेपो रेट यथावत...

उन्होंने कहा कि भारतीय रुपये मजबूत अमेरिकी डॉलर और ऊंचे अमेरिकी ट्रेजरी पैदावार के बावजूद इसकी हालिया स्थिरता भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत और स्थिरता को दर्शाती है। उनका कहना है कि 2024 में रुपये में सबसे कम अस्थिरता देखी गयी। उन्होंने कहा कि अनिश्चितताओं के बीच, मौद्रिक नीति को सतर्क रहना होगा और डिफ्लेशन के अंतिम पड़ाव को पार करना होगा। **खाद्य कीमतों पर निगरानी :** आरबीआइ गवर्नर ने कहा कि एमपीसी खाद्य कीमतों के दबाव के सामान्यीकरण की सावधानीपूर्वक निगरानी करेगी। एमपीसी खाद्य मूल्य दबावों के सामान्यीकरण की सावधानीपूर्वक निगरानी करेगी जो मुख्य मुद्रास्फीति में कमी के लाभ को बर्बाद कर सकती है। मुद्रास्फीति को टिकाऊ आधार पर 4 फीसदी के लक्ष्य पर लाने के लिए मौद्रिक नीति को सक्रिय रूप से डिफ्लेनेशरी बने रहना चाहिए। एमपीसी इस प्रतिबद्धता पर दृढ़ रहेगी। भारत सरकार राजकोषीय मजबूती के रास्ते पर चल रही है। उनकी टिप्पणी वित्त मंत्री द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 5.1 फीसदी राजकोषीय घाटे का लक्ष्य निर्धारित करने के कुछ दिनों बाद आयी है। वैश्विक वित्तीय बाजार अस्थिर हैं क्योंकि बाजार सहभागी प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा दर में कटौती के समय पर अपनी अपेक्षाओं को समायोजित करते हैं।

हिंदी बेल्ट के दस राज्यों से...

झारखंड में सीटें वहीं वोट शेयर में इजाफा : सर्वे के मुताबिक झारखंड में एनडीए 2024 लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। हालांकि, 2019 में हुए लोकसभा चुनावों में भी एनडीए को 12 सीटें मिली थीं। सर्वे के मुताबिक, इस बार उसकी सीटों में कोई बदलाव होता हुआ नहीं दिख रहा है, लेकिन वोट शेयर बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। ताजा सर्वे में झारखंड में एनडीए को 14 में से 12 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की गयी है। सर्वे के अनुसार, एनडीए के वोट शेयर में भी बढ़त मिल सकती है। झारखंड की 14 लोकसभा सीटों को लेकर भी सर्वे सामने आया है। इंडिया टुडे और सीवोटर द्वारा किए गए सर्वे के मुताबिक झारखंड में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को 14 में से 12 सीटों पर जीत मिल सकती है। वहीं इंडिया गठबंधन को इन चुनावों में 2 सीटें मिल सकती हैं। सर्वे के मुताबिक झारखंड में एनडीए 2024 लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। सर्वे के अनुसार, 2024 लोकसभा चुनाव में एनडीए को 56 प्रतिशत वोट शेयर मिल सकता है। गठबंधन को वोट शेयर में नुकसान होता हुआ दिखाई दे रहा है। इसके अलावा दूसरी पार्टियों को 14 प्रतिशत वोट मिल सकता है। झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस के साथ दूसरी पार्टियों ने मिलकर गठबंधन सरकार चल रही है। **राम मंदिर का असर :** सर्वे के मुताबिक राम मंदिर वाले राज्य उत्तर प्रदेश में भाजपा एक बार फिर से जलवा दिखा सकती है। यहां उसका वोट शेयर भी 50 फीसदी के करीब रहेगा और करीब 70 सीटें अकेले ही पा सकती है। वहीं उसकी सहयोगी 'अपना दल' को भी 2 सीट मिलने का अनुमान है। सपा के खाते में महज 7 और कांग्रेस को 2 सीटें मिल सकती हैं। **बिहार में एनडीए को फायदा :** वहीं टाइम्स नाउ चैनल के सर्वे में बिहार में नीतीश कुमार के पालाबदल से एनडीए को बड़ा फायदा मिलेगा, लेकिन 2019 से आंकड़ा थोड़ा कम रहेगा। सर्वे में अनुमान जताया गया है कि एनडीए को बिहार में 35 सीटें मिल जाएंगी। वहीं राजद, कांग्रेस और वामदलों के गठजोड़ को 5 सीटें ही मिलेंगी। राज्य में कुल 40 लोकसभा सीटें हैं। गुजरात, महाराष्ट्र में भी भाजपा की अच्छी स्थिति है। गुजरात में 2019 में भी उसने क्लीन स्वीप किया था और यहां कांग्रेस पहले से भी कमजोर दिख रही है।

देश की समृद्धि के लिए काला टीका जरूरी

राज्यसभा में विदाई समारोह में प्रधानमंत्री ने कांग्रेस के ब्लैक पेपर का किया स्वागत, कहा- बच्चों को बुरी नजर से बचाने को लगाया जाता है काला टीका

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को देश के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सराहना करते हुए उन्हें प्रेरक उदाहरण बताया और कहा कि जब भी लोकतंत्र की चर्चा होगी तो उनके योगदान को याद किया जाएगा। राज्यसभा से सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों की विदाई के अवसर पर उच्च सदन को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस की ओर से केंद्र सरकार के खिलाफ ब्लैक पेपर जारी किए जाने का स्वागत भी किया और विपक्षी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि देश की समृद्धि को नजर ना लगे, इसके लिए काला टीका बहुत जरूरी होता है।

मोदी ने इस अवसर पर कांग्रेस की ओर से केंद्र सरकार के खिलाफ ब्लैक पेपर जारी किए जाने का स्वागत किया और विपक्षी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि देश की समृद्धि को नजर ना लगे, इसके लिए काला टीका बहुत जरूरी होता है। प्रधानमंत्री ने शारीरिक अस्वस्थता के बावजूद सदन की

डॉ. मनमोहन सिंह ने 1991 से 1996 तक वित्त मंत्री के रूप में काम किया, स्वतंत्र भारत के आर्थिक इतिहास में एक निर्णायक समय था : मोदी

कार्यवाही में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मनमोहन सिंह की सराहना की और उनके दीर्घायु होने की भी कामना की। मनमोहन सिंह सहित उच्च सदन के 68 सदस्य फरवरी से मई महीने के बीच सेवानिवृत्त हो रहे हैं। वह उच्च सदन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं विशेष रूप से मनमोहन सिंह जी का स्मरण करना चाहूंगा। छह बार इस सदन में वो अपने मूल्यवान विचारों से और नेता के रूप में भी और प्रतिपक्ष में भी नेता के रूप में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है। मोदी ने कहा कि वैचारिक मतभेदों के कारण कभी बहस के दौरान छींटाकशी हो जाती है लेकिन वह बहुत अल्पकालीन होता है। उन्होंने कहा कि लेकिन इतने लंबे अरसे तक जिस प्रकार से उन्होंने इस सदन का मार्गदर्शन किया है, देश

का मार्गदर्शन किया है, वो हमेशा-हमेशा जब भी हमारे लोकतंत्र की चर्चा होगी... कुछ सदस्यों की जो चर्चा होगी, उसमें डॉ. मनमोहन सिंह की योगदान की चर्चा जरूर होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो भी सदस्य इस सदन में आता है, वह चाहे किसी भी दल का क्यों न हो, अपने कार्यकाल के दौरान वह अपनी प्रतिभा और व्यवहार के दर्शन जरूर कराता है। उन्होंने कहा कि ऐसे सदस्यों के कार्यकाल से मार्गदर्शक के रूप में सीखने का प्रयास होना चाहिए। सदन और विभिन्न समितियों में मतदान के अवसर पर मनमोहन सिंह की भागीदारी को याद करते हुए मोदी ने कहा कि वह इन अवसरों पर भी व्हीलचेयर पर आए और लोकतंत्र के प्रति भागीदारी सुनिश्चित की। ऐसी ही एक घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा कि सभी को पता था कि विजय सत्ताधारी पक्ष की होने वाली है लेकिन डॉक्टर मनमोहन सिंह जी व्हीलचेयर में आए और उन्होंने मतदान किया। उन्होंने कहा कि एक सांसद अपने दायित्व के लिए कितना सजग है, इसका वो उदाहरण थे। वो प्रेरक उदाहरण था। इतना ही नहीं मैं देख रहा था कभी समिति या समिति के सदस्यों चुनाव हुए, वह व्हीलचेयर पर वोट देने आए। उन्होंने कहा कि सवाल ये नहीं है कि वह किसको ताकत देने के लिए आए थे... मैं मानता हूं वो लोकतंत्र को ताकत देने आए थे। उन्होंने मनमोहन सिंह के दीर्घायु होने की कामना की और कहा कि वह निरंतर हमारा मार्गदर्शन करते रहें और हमें प्रेरणा देते रहें। मनमोहन सिंह देश के चौदहवें प्रधानमंत्री थे। वर्ष 2004 से 2014 तक वह देश के प्रधानमंत्री रहे। मनमोहन सिंह ने 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया जो स्वतंत्र भारत के आर्थिक इतिहास में एक निर्णायक समय था।

10 साल में नए-नए शिखर पर पहुंच रहा है भारत, टीका लगाने का हुआ प्रयास

प्रधानमंत्री ने विरोध के तौर पर सदन में विपक्षी सदस्यों द्वारा पहने जाने वाले काले कपड़ों का भी जिक्र किया और कहा कि हमने राज्यसभा में फैशन परेड भी देखी जिसमें कुछ सदस्य काले कपड़ों में आए। बच्चों को बुरी नजर से बचाने के लिए परिवार के सदस्यों की ओर से अक्सर उसे काला टीका लगाए जाने के प्रचलन का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि आज देश पिछले 10 साल में समृद्धि के नए-नए शिखर पर पहुंच रहा है। एक भव्य-दिव्य वातावरण बना है, उसको नजर न लग जाए... इसलिए काला टीका करने (लगाने) का एक प्रयास हुआ है। उन्होंने कहा कि लेकिन मैं उसका भी स्वागत करता हूं। क्योंकि जब भी अच्छी बात होती है, नजर न लग जाए, इसलिए काला टीका बहुत जरूरी होता है। और उस पवित्र काम को और आपकी (खड़गे) उम्र के व्यक्ति से हो तो जरा अच्छा रहता है। तो मैं इसके लिए भी आपका आभार व्यक्त करता हूं।

एक नजर में

पाकिस्तान के बलूचिस्तान विस्फोट में दो सुरक्षा कर्मियों की मौत और आठ घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में गुरुवार को हुए विस्फोट में दो सुरक्षा कर्मियों की जान चली गयी और अन्य आठ घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रांत के खारन जिले के लिज्जय इलाके के पास अर्धसैनिक बलों के एक वाहन पर निशाना बनाकर हमला किया गया। वाहन में सवार जवान आम चुनावों के लिए जिले के एक मतदान केंद्र की सुरक्षा में तैनाती के लिए जा रहे थे। हमले के बाद बचाव दल, पुलिस और सुरक्षा बल घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया। स्थानीय पुलिस ने कहा कि सड़क किनारे शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण लगाया गया था जिसे रिमोट कंट्रोल से विस्फोट गया था। इस हमले की किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

पख्तूनख्वा में पुलिस वाहन पर हमला, पांच मरे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आम चुनाव के लिए गुरुवार को हो रहे मतदान के बीच उत्तर पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में पुलिसकर्मियों के वाहन पर हुए हमले में पांच कर्मियों की मौत हो गयी और दो अन्य घायल हो गये। प्रांत के आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 10 :55 बजे हुई, जहां पुलिस का वाहन एक शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण से टकरा गया। सूत्रों ने बताया कि विस्फोट के बाद पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी भी की गयी।

रूस का यूक्रेन पर हमला, तीन की मौत

कीव। रूस ने बुधवार सुबह अपनी मिसाइल और ड्रोन हमलों से पूरे यूक्रेन को थर्रा दिया। पूरे यूक्रेन में रूस क्रूज, बैलिस्टिक मिसाइलों और शहीद ड्रोन से हमला किया। इसमें कम से कम तीन नागरिकों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला सहित 10 अन्य घायल हो गए। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, हमलों में राजधानी कीव सहित कम से कम तीन प्रमुख शहरों को निशाना बनाया गया, जहां यूरोपीय संघ के शीर्ष राजनयिक जोसेप बोरेल यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता और वित्तीय सहायता पर चर्चा कर रहे थे। यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने दावा किया कि उन्होंने बुधवार सुबह के हमले में लॉन्च किए गए 64 में से 44 ड्रोन और मिसाइलों को रोक दिया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि कीव में दो लोगों की जान ले ली। क्षेत्रीय गवर्नर विटाली किम ने कहा कि हमले में दक्षिणी यूक्रेन के शहर मायकोलाइव में एक व्यक्ति की भी मौत हो गई, जहां लगभग 20 आवासीय इमारतें और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए। इसके अलावा कीव में 13 लोग घायल हुए हैं। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने कहा कि पूर्वोत्तर यूक्रेन के खार्कीव में एस-300 मिसाइल हमले में 52 वर्षीय महिला मामूली रूप से घायल हो गई।

फिलीपींस में भूस्खलन से सात की मौत

मनीला। दक्षिणी फिलीपींस प्रांत में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में दो बस सहित उसमें सवार 38 लोगों के दबने से सात लोगों की मौत हो गयी। यह जानकारी डॉन समाचारपत्र ने आपदा अधिकारियों के हवाले से दी। खनन ऑपरेटर एपेक्स माइनिंग ने एक आज एक बयान में कहा कि भूस्खलन मंगलवार रात दावाओ डी ओरो प्रांत के मैको शहर में एक सोने की खदान के बाहर हुआ, जहां बसें में कर्मचारी थे।

दिल्ली में पुलिस सब-इंस्पेक्टर रिश्वत लेते धराया

नयी दिल्ली। सीबीआइ ने गुरुवार को दिल्ली पुलिस के एक सब-इंस्पेक्टर विजय कुमार भाटिया को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपित एक मामले में जांच अधिकारी था और शिकायतकर्ता से उसके और अन्य लोगों के खिलाफ मामले को कमजोर करने और उसकी नौकरानी व गार्ड को गिरफ्तार न करने के लिए 50 हजार रुपये की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता से रिश्वत मांगने के आरोप में दिल्ली पुलिस के इस उप-निरीक्षक के खिलाफ जामिया नगर पुलिस स्टेशन, दिल्ली में एक मामला दर्ज किया गया था। इसी क्रम में सीबीआई ने जाल बिछाया और 45 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया।

जन्म से ओबीसी नहीं है मोदी : राहुल गांधी

एजेंसी

झारसुगुड़ा (ओडिशा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जाति को लेकर सवाल उठाया और तीखे अंदाज में देश की जनता को बताया कि श्री मोदी ओबीसी नहीं हैं। श्री गांधी ने कहा कि श्री मोदी जाति से ओबीसी नहीं हैं बल्कि भाजपा की गुजरात इकाई ने उन्हें ओबीसी बनाया है इसलिए वह पिछड़ों के हितों के काम नहीं कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि सच सुनो। मोदी जन्म से ओबीसी नहीं हैं, उन्हें ओबीसी गुजरात की भाजपा सरकार ने बनाया है। वह कभी पिछड़ों के हक और हिस्सेदारी के साथ न्याय नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि जातिगत गिनती कांग्रेस ही करके दिखाएगी।

पिछड़ी जाति के खिलाफ रहा है गांधी परिवार : मालवीय

नयी दिल्ली। भाजपा ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए गांधी परिवार को पिछड़ी जाति का विरोधी बताया है। पार्टी ने राहुल के उस बयान को झूठा बताया, जिसमें उन्होंने कहा था कि गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जाति को ओबीसी के रूप में अधिसूचित किया था। भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि मोदी की जाति को गुजरात का मुख्यमंत्री बनने से पूरे 2 साल पहले 27 अक्टूबर, 1999 को ओबीसी के रूप में अधिसूचित किया गया था। मालवीय ने गजट नोटिफिकेशन की कॉपी को भी पोस्ट करते हुए कहा कि जवाहरलाल नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक पूरा गांधी परिवार ओबीसी के खिलाफ रहा है।

आज होगा चांद का सुपर न्यू मून

भोपाल। खगोलविज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए माघ कृष्ण अमावस्या पर शुक्रवार शाम आसमान में रोमांचक घटना होने जा रही है। इस दौरान अमावस्या का चांद सुपर न्यू मून होगा। इस दौरान चंद्रमा पृथ्वी के सबसे करीब होगा, लेकिन वह दिखाई नहीं देगा। सुपर न्यू मून नाम आते ही हमारे मन में कल्पना होती है कि चंद्रमा अन्य दिनों के मुकाबले बड़ा और चमकदार दिखाई देगा, लेकिन अगर कहा जाए कि शुक्रवार को सुपर न्यू मून है और वह दिखेगा नहीं तो यह अनेक लोगों के लिए नई बात हो सकती है। यह बात नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने गुरुवार को कही। सारिका ने बताया कि शुक्रवार शाम आसमान में सुपर न्यूमून की घटना होने जा रही है। इसमें चंद्रमा पृथ्वी के पास आकर मात्र तीन लाख 58 हजार 304 किलोमीटर दूरी पर होगा, लेकिन अमावस्या की स्थिति होने के कारण यह दिनभर चमकदार सूर्य के साथ रहेगा।

भारत ब्रांड खाद्य पदार्थों की बिक्री से महंगाई में आयी कमी : सीतारमण

एजेंसी

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि सरकारी पूंजी निवेश से नःन सिर्फ अर्थव्यवस्था को गति मिल रही है बल्कि रोजगार भी सृजित हो रहा है और भारत ब्रांड के तहत खाद्य पदार्थों की बिक्री किये जाने से महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिली है। वित्त मंत्री ने विनियोग लेखानुदान विधेयक 2024, विनियोग विधेयक 2024, जम्मू-कश्मीर विनियोग संख्याक 2 विधेयक 2024 और जम्मू कश्मीर विनियोग विधेयक 2024 तथा वित्त विधेयक 2024 पर एक साथ हुयी चर्चा का जबाव देते हुये कहा कि सरकारी पूंजी निवेश में बढ़ोतरी की गयी है। किसी भी बड़ी परियोजना की राशि में कमी नहीं की गयी है बल्कि हर योजना में वृद्धि की गयी है। राज्यसभा ने इन विधेयकों को

आटा, चावल, दाल और प्याज की हो रही है बिक्री : वित्त मंत्री

एक एक कर ध्वनिमत से पारित करके लोकसभा को लौटा दिया। वित्त मंत्री ने कहा कि आवास, जनजाति कल्याण, महिला एवं बाल विकास जैसे विभागों के आवंटन में कमी नहीं बल्कि बढ़ोतरी की गयी है। पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम आवास ग्रामीण और शहरी के लिए आवंटन में वृद्धि की गयी है। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी योजना के तहत अब तीन करोड़ महिलाओं को लाने की बात कही गयी है और इससे उन स्व सहायता समूहों को बहुत बल मिल रहा है जो अपने उत्पाद बनाकर बेच रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल में वर्षों में सरकार द्वारा किये गये पूंजी निवेश से रोजगार सृजित होने के कारण अब ग्रामीण बेरोजगारी दर में कमी आयी है। वर्ष 2017-18 में यह दर 5.3 प्रतिशत थी जो 2021-22 में कम होकर 2.8 प्रतिशत पर आ गयी। श्रमबल में महिला कामगारों की भागीदारी भी बढ़ी और यह अब बढ़कर 37 प्रतिशत हो गया है।सीतारमण ने कहा कि भारत ब्रांड के तहत आटा, चावल, दाल और प्याज की अभी बिक्री की जा रही है। इसके तहत आटा 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम, दाल 60 रुपये किलोग्राम, चावल 29 रुपये प्रति किलोग्राम और प्याज 25 रुपये प्रति किलो की दर से बिक्री की जा रही है। उन्होंने कहा कि दालों का आयात किया जा रहा है और अभी यह निशुल्क है।

भारत और फ्रांस के बीच समुद्री सहयोग बढ़ाने पर बनी सहमति

नयी दिल्ली। भारतीय नौसेना और फ्रांसीसी नौसेना के बीच 17वीं स्टाफ वार्ता 6-7 फरवरी को नई दिल्ली में हुई। बैठक की सह-अध्यक्षता भारतीय नौसेना स्टाफ के सहायक प्रमुख (विदेशी सहयोग और खुफिया) रियल एडमिरल निर्भय बापना और फ्रांसीसी नौसेना के निदेशक इंटरनेशनल एंगेजमेंट्स रियल एडमिरल जीन मार्क दुरंडौ ने की। इस वार्ता में दोनों पक्षों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। प्रमुख वार्ताओं में परिचालन, प्रशिक्षण, एसएमई आदान-प्रदान आदि शामिल रहे। दोनों पक्षों ने दोनों नौसेनाओं के बीच बढ़ते सहयोग

को भी स्वीकार किया और समुद्री क्षेत्र में सहयोग और अंतरसंचालनीयता बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की। रियल एडमिरल जीन मार्क दुरंडौ ने 7 फरवरी को नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख वाइस एडमिरल तरुण सोबती से मुलाकात की और दोनों नौसेनाओं के बीच उच्च स्तर के समन्वय और अंतरसंचालनीयता पर जोर दिया। उन्होंने समुद्री सुरक्षा पर काम करने वाले सूचना संलयन केंद्र-हिंद महासागर क्षेत्र का 6 फरवरी को दौरा किया।

उपग्रह इनसैट-3 डीएस 17 फरवरी को होगा लांच

नयी दिल्ली। मौसम संबंधी उपग्रह इनसैट-3 डीएस को जीएसएलवी एफ14 पर श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 17 फरवरी को लॉन्च किया जाएगा। गुरुवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि मौसम संबंधी उपग्रह इनसैट-3डीएस मिशन का प्रक्षेपण 17 फरवरी को साढ़े पांच बजे निर्धारित है। इस उपग्रह को श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित किया जाएगा। इसरो के मुताबिक उपग्रह को मौसम संबंधी पूर्वानुमान और आपदा चेतावनी के लिए उन्नत मौसम संबंधी अवलोकन और भूमि- महासागर सतहों की निगरानी के लिए डिजाइन किया गया है।

पवन सिंह की फिल्म जियो मेरी जान का मोशन पोस्टर रिलीज

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह की आने वाली फिल्म जियो मेरी जान का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। जेपी स्टार पिक्चर्स प्रस्तुत फिल्म जियो मेरी जान के मोशन पोस्टर को जेपी स्टार भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज भी किया गया है।मोशन पोस्टर के अंत में पवन सिंह का लुक भी आउट होता है, जिसमें उनके चेहरे पर कट्स और माथे पर खून लगा हुआ नजर आ रहा है। मोशन पोस्टर जारी होने के बाद फिल्म को लेकर पवन सिंह ने कहा कि यह फिल्म बेहद धमाकेदार होने वाली है। हमने इस फिल्म में शानदार काम किया है, लेकिन अंतिम फैसला दर्शकों का

होगा। फिर भी हम इस बात का दावा करते हैं कि इस फिल्म में जो एक्शन देखने को मिलेगा। वह अब तक किसी भी भोजपुरी फिल्म में देखने को नहीं मिला है फिल्म में मेरा किरदार दर्शकों को बेहद पसंद आएगा।

सूर्याश वैदिक ज्योतिष कार्यालय
गिरधर गोपाल मिश्रा
ज्योतिषाचार्य
जन्म कुण्डली, रत्न विज्ञान व वैदिक अनुष्ठानों के द्वारा अपने समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान प्राप्त करें।

जय मां शक्ति सह होमियो चिकित्सा केंद्र
डॉक्टर आर के पाठक
होमियोपैथिक दवा के द्वारा सभी रोगों का इलाज
(सुबह 10 से 12, शाम 5 से 8 बजे तक)
सम्पर्क : 8409363623
कुम्हारपट्टी मनईटांड़, धनबाद

नवाज होंगे पाकिस्तान के वजीर-ए-आजम

विदेशी मीडिया का आकलन : चौथी बार देश की बागडोर संभालेंगे पूर्व पीएम नवाज शरीफ

एजेंसी

इस्लामाबाद। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मीडिया आउटलेट्स और थिंक टैंक्स ने अनुमान जताया है कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएलएन) सुप्रीमो एवं पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ 2024 के आम चुनाव में चौथी बार देश की बागडोर संभालेंगे। श्री शरीफ के फिर से पाकिस्तान के वजीर-ए-आजम बनने का आकलन करने वाले विदेशी मीडिया आउटलेट्स में वाशिंगटन पोस्ट , ब्लूमबर्ग , सीएनएन , एपी , स्पूतनिक और टेलीग्राफ शामिल हैं। वाशिंगटन पोस्ट लिखता है कि यह आश्चर्य की बात होगी कि गुरुवार को जब पाकिस्तानी आम चुनाव में हिस्सा लेंगे तो नवाज शरीफ सत्ता में नहीं आ सकेंगे। चौथी बार सत्ता में आने के बाद उनके पास उन आरोपों से

खुद को मुक्त करने का मौका होगा जिनके कारण उन्हें 2017 में प्रधानमंत्री पद खोना पड़ा था। प्रधानमंत्री होने के नाते नवाज शरीफ को पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान के अस्थिर समर्थकों का सामना करना पड़ेगा।

अमेरिकी टेलीविजन ब्लूमबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि पिछले हफ्ते कराची में पाकिस्तान के व्यापारिक अभिजात वर्ग की सभा में शामिल कई लोगों ने त्रिशंकु

प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बिलावल भुट्टो जरदारी से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा

संसद और फिर कमजोर गठबंधन सरकार की भविष्यवाणी की थी , हालांकि ज्यादातर लोगों को उम्मीद है कि इसका नेतृत्व शरीफ या उनके भाई पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ करेंगे।सीएनएन का कहना है कि इमरान खान के लंबे समय से दुश्मन रहे नवाज शरीफ ही प्रचार में स्पष्ट रूप से सबसे आगे हैं। अनुभवी शरीफ को हालांकि पहली बार प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बिलावल भुट्टो जरदारी से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा, जो दिवंगत पूर्व नेता बेनजीर भुट्टो के बेटे हैं। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) ने रिपोर्ट में कहा है कि पिछले अक्टूबर में स्वदेश लौटने के बाद अदालतों द्वारा शरीफ की दोषसिद्धि और जेल की सजा को पलटने के बाद उनके पास चौथे कार्यकाल के लिए स्पष्ट रास्ता है। अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी श्री खान के अब जेल में होने के कारण 2018 के उस चुनाव परिणाम को पलटने का मंच तैयार दिखाई दे रहा है, जब श्री शरीफ कानूनी मामलों से जूझ रहे थे और श्री खान प्रधानमंत्री बने थे। स्पूतनिक ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि चुनाव के बाद नये नेता को देश के सबसे खराब आर्थिक संकटों में से एक और बढ़ती आतंकवाद की समस्या से निपटना होगा। ये घरेलू मुद्दे पाकिस्तान की विदेश नीति, विशेषकर उसके पड़ोसियों व अंतरराष्ट्रीय आर्थिक भागीदारों के साथ संबंधों को प्रभावित कर सकते हैं। टेलीग्राफ लिखता है कि पूर्व प्रधानमंत्री करीबी लड़ाई के बजाय ताजपोशी की उम्मीद करते दिख रहे हैं क्योंकि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी इमरान खान आपराधिक दोषसिद्धि के मामलों से जूझ रहे हैं। अमेरिकी थिंक टैंक ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूट का कहना है कि भविष्यवाणी यही है कि नवाज शरीफ और उनके पीएमएलएन के सत्ता जीतने की संभावना है। ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन में विदेश नीति फेलो मदीहा अफजल के अनुसार अगर शरीफ प्रधानमंत्री के रूप में लौटते हैं, तो उन्हें दो चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा जिसमें पहला और प्रमुख पहला पाकिस्तान की आर्थिक समस्याओं, विशेषकर बढ़ती मुद्रास्फीति का प्रबंधन करना है।

सेंसेक्स और निफ्टी एक फीसदी लुढ़का

मुंबई। आरबीआई के नीतिगत दरों को लगातार छठी बार यथावत रखने के फैसले से निराश निवेशकों की चौतरफा बिकवाली से गुरुवार को सेंसेक्स और निफ्टी लगभग एक फीसदी तक लुढ़क गए। सेंसेक्स 723.57 अंक का गोता लगाकर 71,428.43 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 212.55 अंक की गिरावट लेकर 21,717.95 अंक रह गया। हालांकि बीएसई का मिडकैप 0.08 प्रतिशत की बढ़त लेकर 39,895.42 अंक हो गया जबकि स्मॉलकैप 0.44 प्रतिशत लुढ़ककर 46,279.83 अंक पर आ गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3945 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2204 में बिकवाली जबकि 1636 में लिवाली हुई वहीं 105 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

VERMA PRESS®
वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
Verma's® Today®
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar – II	₹ 120	English Grammar – II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

देश से बाहर पढ़ने का बढ़ता क्रेज

प्रशांत झा

पिछले कुछ समय से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए विदेश जाने वाले भारतीय छात्रों की कुल संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। भारतीय छात्रों के लिए विदेश में सबसे लोकप्रिय स्टडी प्लेस अमरीका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोप और सिंगापुर है। यदि आप विदेश से उच्च शिक्षा लेना चाहते हैं तो इन प्लेटफॉर्म्स की मदद ले सकते हैं-

ईयूगेटवे

ईयूगेटवे विदेश में अध्ययन परामर्श फर्म है, जो यूरोपीय देशों में शिक्षा के लिए परामर्श देने के साथ लैंग्वेज ट्रेनिंग प्रोग्राम भी करवाती है। ‍ि४ँ३ी६८.ल्ल पर यूनिवर्सिटी एवं कोर्स की पहचान कर सकत है। इसके साथ ही यह भी समझने का मार्गदर्शन मिलेगा कि प्रवेश प्रक्रिया क्या है, वीजा के लिए कैसे आवेदन किया जा सकता है।

आइडीपी कंसल्टेंसी

यह कंपनी एक इंटरनेशनल एजुकेशनल ऑर्गेनाइजेशन है, जो दुनियाभर में छात्रों को प्लेसमेंट की सुविधा देती है। यहां आस्ट्रेलिया, अमरीका, यूके, न्यूजीलैंड, आयरलैंड और कनाडा में स्टडी का मार्गदर्शन मिलेगा। इस प्लेटफॉर्म पर पाठ?क्रम की सलाह के साथ आईईएलटीएस की तैयारी, वीजा, आवास, स्वास्थ्य कवर की जानकारी मिलेगी।

एडवाइस

इस प्लेटफॉर्म की मदद से भी आप सही विदेशी शैक्षणिक संस्थान का चुनाव कर सकते हैं। यहां यूके, यूएसए, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, आयरलैंड, फ्रांस, जर्मनी, दुबई, स्विट्जरलैंड, मलेशिया आदि देशों में स्टडी की जानकारी ले सकते हैं।

स्टडी एंड वर्क अब्रॉड

यह प्लेटफॉर्म उन लोगों के लिए उपयोगी है जो विदेश जाना चाहते हैं, फिर चाहे वजह स्टडी हो या फिर नौकरी। पर जाकर आप अपनी रुचि और आवश्यकता के अनुसार मार्गदर्शन ले सकते हैं। यहां सही मार्गदर्शन करने के लिए आपको विदेशी सलाहकारों की मदद मिलेगी।

लिवरेज एडु

यह प्लेटफॉर्म छात्रों को अपनी अब तक यात्रा को नेविगेट करने और उसका आकलन करने में मदद करता है। उन्हें पर्सनल एडवाइजर्स से मदद मिलती है। यहां छात्रों को रोजगार के नजरिए से यह समझने में मदद मिलती है कि किस के कोर्स वर्तमान एवं भविष्य के लिए उपयोगी होंगे। इसकी भारत एवं विदेश में 35 से अधिक साइट्स है।

द वर्ल्डग्रेड

इस प्लेटफॉर्म की शुरूआत कोरोना के दौरान विदेश में पढ़ाई की चुनौतियों का समाधान करना है। विदेश में स्टडी करने के लिए आवेदन करने वाले छात्र अपना पहला सेमेस्टर या पूरा एक साल ऑनलाइन स्टडी कर सकते हैं। बाकी सेमेस्टर ऑफलाइन एवं कैंपस में पूरा कर सकते हैं। इस तरह एक साल अपने विदेश में रहने के खर्चे को बचा सकता है। वीजा आवेदन प्रक्रिया के लिए मार्गदर्शन अंग्रेजी भाषा की कक्षाओं की सुविधा भी मिलेगी।

ईएसएस ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड

ईएसएस ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड उन छात्रों के लिए बहुत उपयोग है, तो विदेश में अध्ययन करना चाहते हैं। वर्ष 2001 से संचालित यह फर्म मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोप, न्यूजीलैंड आदि देशों में प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों एवं कॉलेज में स्टडी का मार्गदर्शन करती है। इस कंपनी की 12 शाखाएं हैं और अब तक ऑस्ट्रेलिया के लिए 3,450, कनाडा के लिए 1150 और यूरोप के लिए 1200 स्टडी वीजा उपलब्ध करवा चुकी है।

(लेखक ब्रदर्स एकेडमी के सेंटर मैनेजर और करियर काउंसलर हैं।)

क्षमता की पहचान से सफलता की राह

डॉ. नीना

एक पैरेंट-टीचर मीटिंग का माहौल याद आ रहा है- इम्तिहान के रिजल्ट आये हैं, लगभग सभी बच्चे पास हैं, खुश हैं। वहीं उनमें से कुछ बच्चे डरे-सहमे से मां के पास चिपके खड़े हैं। टीचर बता रही हैं, यह बच्चा जरा कम सीरियस है कभी होम वर्क नहीं करता तो कभी क्लास में झगड़े-लड़ाईङ्क पढ़ाई में मन कम लगता है। बच्चे के अभिभावक सहमति में सिर हिला रहे थे, ऐसे जैसे कि अपने जमाने में वे खुद बड़े पढ़ाकू रहे हों। बदलते हुए समय के साथ प्रत्येक बच्चे में बेहतर पढ़ाई की क्षमता रहे, इसके लिये बहुत सी बातों की आवश्यकता रहती है जिन पर ध्यान देने की जरूरत है। बच्चे अपनी क्षमता के हिसाब से मेहनत करते हैं, पढ़ते हैं, लेकिन टीचर और अभिभावक दोनों की ज़िम्मेदारी होती है कि अपने बच्चों की क्षमता को पहचानें। बात समीचीन बन जाती है कि अभिभावक स्कूल में पढ़ रहे अपने बच्चे से कैसे व्यवहार करें, क्या खिलायें- पिलायें कि उसका स्वास्थ्य अच्छा रहे, मन लगे पढ़ाई में लगे, फोकस सही रहे।

यकीन करें और दिलाएं भी

सबसे पहले अपने बच्चे पर भरोसा करें, उसे यह अहसास करायें कि मेहनत करके वह सफलता हासिल कर सकता है।

बच्चे को कॉन्फिडेंस में लें और पता करें उसे क्या पसंद है व क्या नहीं। उसे क्या-क्या अड़चनें आती हैं पढ़ाई में? कौनसे विषय आसान लगते हैं?

लिखकर याद करने के फायदे

लिख-लिख कर याद करना एक उपयोगी आदत है। इससे किसी टॉपिक को याद रखना ज्यादा आसान होता है। हालांकि अपने सब्जेक्ट को समझना

ज्यादा जरूरी है, उसे रटने की जरूरत नहीं।

तुलना तो कभी नहीं

किसी दूसरे बच्चे से कभी भी अपने बच्चे की तुलना न करें। हर बच्चा अलग है, सभी की अपनी-अपनी क्षमता और गुण हैं। बच्चे की दोस्त बनें। उसकी खुशी सेलिब्रेट करें वहीं किसी नाकामी की स्थिति में उसकी मदद के लिए तैयार रहें।

खान-पान पर भी ध्यान

उसके खान-पान पर भी ध्यान दें। बात करते रहें कि उसे क्या पसंद है व क्या नहीं। उसके खाने में स्वाद का ध्यान रखें व पौष्टिकता का भी। मौसमी फल जैसे अनार , सेब , स्ट्रॉबेरी, बादाम , अखरोट व खजूर इत्यादि भोजन के आनंद को कई गुणा बढ़ाते हैं, साथ ही पोषण व शक्ति प्रदान करते हैं। यकीनी बनाएं कि मौसम के अनुसार वह दही , दलिया , लस्सी, हरी सब्ज़ियां व दूध आदि का सेवन करे। इससे उसका मन पढ़ाई में भी लगा रहेगा। दूध में मिश्री मिला कर बच्चे को पिला सकते हैं।

मौसम के अनुकूल खुराक

गर्मियों में ब्राह्मी, खस , बेल व गुलाब आदि कुछ शर्बत दूध में मिक्स करके बना कर दिए जा सकते हैं, आजकल बाजार में बने-बनाए शर्बत भी उपलब्ध हैं। सर्दियों में सूखे मेवे बादाम,किशमिस व अखरोट दे सकते हैं। चार-छह बादाम, किशमिस व एक चम्मच सौंप रात में पानी में भिगोकर रख दें, या पीस-छान कर दें। उसकी याद्दाश्त पर सकारात्मक असर रहेगा। जंक फूड से बचें हालांकि पिज्जा, बर्गर वीकेंड पर बनाया जा सकता है।

पर्याप्त नींद

पढ़ाई के लिए सुबह का समय चुनें तो अच्छा रहेगा। जल्दी उठना अच्छी आदत है, लेकिन छह से आठ घंटे सोना भी जरूरी है।

व्यायाम व ध्यान

बच्चा यदि प्रतिदिन व्यायाम करे तो शारीरिक-मानसिक रूप से बेहतर रहता है। योग आसन, प्राणायाम व मेडिटेशन करना भी अच्छी आदत है, जो बच्चे अपने बड़ों के साथ सीख सकते हैं। इससे बच्चे हर इम्तिहान में सफल होने की क्षमता प्राप्त कर सकते हैं।

सफलता के लिये एकाग्रता और समझ बढ़ायें

स्कॉट इंटरनेशनल स्कूल हरमू रांची में ब्लेसिंग डे और मोटिवेशनल काउंसलिंग का आयोजन

सफलता के लिये बुद्धिमान होना आवश्यक है। सृष्टि के निमार्ण के बाद जो सबसे बड़ा अविष्कार हुआ वह गुरुकुल यानी विद्यालय का ही हुआ। व्यक्ति जंगलों से सभ्यता की ओर चला। स्कॉट इंटरनेशलन स्कूल हरमू राची में आयोजित ब्लेसिंग डे के अवसर पर आयोजित मोटिवेशलन कार्यक्रम में एनके मुरलीधर ने बच्चों को संबोधित किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आने वाले समय में अवसरों की कमी नहीं होगी क्योंकि यह परिवर्तन का दौर है। प्रतियोगिता के अनुकूल अपने मन और विचार को बनाना अतिआवश्यक है। हम क्या करते हैं और हम क्या कर सकते हैं इन दो प्रश्नों के बीच जिंदगी की सफलता सुनिश्चित हो जाती है।

इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य सदान आलम ने कहा कि आने वाले दिनों में आपकी परीक्षा और आप तनाव महसूस कर रहे होंगे। लेकिन तनाव तब नहीं होता अगर आप हर दिन अभ्यास करते रहते। उन्होंने कई उदाहरण के साथ बच्चों को संबोधित किया। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर कुणाल कश्यप ने कहा कि हम स्कूल के बच्चों को उनकी सफलता पर लैट टॉप का पुरस्कार देने वाले हैं। दसवी में 95 प्रतिशत लाने वाले और 12 वीं में 90 प्रतिशत अंक लाने वाले छात्रों को लैपटाप दिया जाएगा। उन्होंने अपने अनुभव शेयर करते हुए कहा कि हमारे बच्चे उस आर्थिक पृष्ट भूमि से आते हैं जिन्हें माता-पिता या धर में कोई व्यक्ति शैक्षणिक सहयोग नहीं कर पाता है। ऐसे में हमारा काम और अधिक चुनौती वाला हो जाता है। अभिभावक से संवाद के क्रम में कई बार ऐसा अवसर आता है जब हम उनसे बच्चों के शिक्षा पर ध्यान देने को कहते हैं तब माता-पिता या अभिभावक यह कहते हैं कि सर हम कुछ पढ़ें लिखे नहीं है किस प्रकार बच्चे की कॉपी देख सकते हैं। लेकिन उनमें से एक ऐसी मां भी मिली जो बोली कि मैं पढ़ी लिखी नहीं हूं सर लेकिन सही और गलत के चिन्ह को पहचान कर अपने बच्चों की हर गलतियों पर पूछ ताछ करती हूं। आज स्कूल से राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिभा सामने आ रही है और हमें अपने छात्रों पर जो अधिकांश सामान्य परिवार के हैं उनकी सफलता पर गर्व है।

देश में 2030 तक 1.1 अरब लोगों के पास होगा इंटरनेट, एक करोड़ जॉब की संभावना

अल्फा बेटा कंपनी के एक सर्वे के अनुसार देश में मौजूदा कुल कर्मचारियों में 2 करोड़ 7 लाख कर्मचारियों को अगले वर्ष तक नौकरी जारी रखने के लिए डिजिटल स्किल सीखने की जरूरत है। ऐसे में आप भी डिजिटल स्किल हासिल कर भविष्य की नौकरियों के योग्य बन सकते हैं।

एस एंड पी ग्लोबल द्वारा जारी एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारत में चल रहे डिजिटल परिवर्तन से आने वाले वर्षों में ई कॉमर्स सेक्टर के विकास में और तेजी आएगी। क्योंकि टेक्नोलॉजी के बढ़ते चलन और सस्ते इंटरनेट के कारण लगातार इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। मौजूदा समय में देश में 69 करोड़ लोग इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। जिसमें जनवरी 2023 के एक आंकड़े के अनुसार 46 करोड़ से अधिक युवा सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं। एस एंड पी ग्लोबल के ताजा सर्वे में ये सामने आया है कि अगर इसी तरह भारत डिजिटल सेक्टर में प्रगति करता रहा तो 2030 तक 1.1 अरब भारतीयों के पास इंटरनेट होगा। जबकि 2020 में देश में इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों की संख्या केवल 50 करोड़ थी। अब युवाओं के लिए काम की खबर ये है कि 2030 तक भारत में 9 करोड़ से अधिक नौकरियां निकलेंगी। जिसमें कंस्ट्रक्शन सेक्टर, आईटी

इंडस्ट्री और डिजिटल सेक्टर प्रमुख होंगे। ई कॉमर्स सेगमेंट बढ़ने से अकेले डिजिटल सेक्टर में करोड़ों नौकरियां होंगी। मैंकिंजी ग्लोबल इंस्टीट्यूट के अनुसार आने वाले वर्षों में जॉब में बने रहने के लिए दुनियां में 7 करोड़ से लेकर 37 करोड़ तक युवाओं को नई स्किल्स सीखनी होंगी। ऐसे में ये तय है कि आने वाले वर्षों में केवल उन्हीं युवाओं को नौकरियां मिलेंगी जिन्होंने कुछ न कुछ स्किल हासिल कर रखी होगी। अगर आप भी अनस्किल्ड हैं और रोजगार की आपको तलाश है तो रअक्रअछळअ के एडवांस सर्टिफिकेशन इन डिजिटल मार्केटिंग प्रोग्राम का हिस्सा बनिये और पाइये 3 महीने का ऑनलाइन प्रोग्राम। जिसमें आप 20 से ज्यादा टूल्स और मॉड्यूल्स सीखेंगे। इसके बाद 2 महीने की ऑन जॉब ट्रेनिंग का मौका। इस ट्रेनिंग से आपको पता चलेगा कि कैसे कॉरपोरेट सेक्टर में आप काम करेंगे।

प्रोफेशनल डिजिटल मार्केटिंग क्या कहता है सर्वे

एमेजन वेब सर्विसेज और अल्फा बेटा के एक सर्वे के अनुसार देश में मौजूदा कुल कर्मचारियों में 2 करोड़ 7 लाख कर्मचारियों को अगले वर्ष तक नौकरी जारी रखने के लिए डिजिटल स्किल सीखने की जरूरत है। यानी तेजी से बदलते डिजिटल परिवेश के कारण नौकरियों का ढांचा बदल रहा है। यानि आने वाले समय में नौकरियों के ढांचे बदल रहे हैं

100 फीसद प्लेसमेंट असिस्टेंस
100 घंटे लाइव इंटरेक्टिव क्लासेस
20 से ज्यादा लर्निंग टूल्स
8+ लाइव प्रोजेक्ट्स
गूगल सर्टिफाइड अनुभवी फैकल्टी द्वारा प्रशिक्षण
साप्ताहिक डाउट क्लीयरिंग सेशन
एक्सपर्ट्स के साथ मास्टर क्लास
कम्प्लीमेंट्री कोर्स-सॉफ्ट स्किल्स

आपको क्यों सीखनी चाहिए डिजिटल मार्केटिंग

भारी डिमांड : आज के समय में डिजिटल मार्केटिंग क्षेत्र में स्किल्ड युवाओं की भारी डिमांड है। लिंक्डइन के अनुसार ऑनलाइन मार्केटिंग सेक्टर 2023 में लाखों युवाओं के लिए नौकरी के दरवाजे खोल रहा है। क्योंकि हर कंपनी, हर ब्रांड ऑनलाइन मार्केटिंग पर लाखों करोड़ों रुपए खर्च कर रही है।

हाई पेइंग जॉब्स : डिजिटल मार्केटिंग फील्ड में स्किल्ड युवाओं की कमी होने के कारण इस फील्ड में करिअर बना रहे युवाओं को आकर्षक सैलरी पर नौकरी दी जा रही है।

फास्ट ग्रोइंग इंडस्ट्री : डिजिटल मार्केटिंग इंडस्ट्री इस समय सबसे तेजी से ग्रोथ कर रही है। आने वाले 4 सालों में इस इंडस्ट्री के 75 हजार करोड़ के बनने के आसार हैं।

बेटर जॉब सिक्यूरिटी : इस क्षेत्र में काम करने जा रहे युवाओं को नौकरी की चिंता करने की जरूरत नहीं है। क्योंकि अब ऑनलाइन टिकटिंग से लेकर, कपड़ा, इलेक्ट्रिक सामान व राशन डिलीवरी तक अधिकांश काम ऑनलाइन ही रहे हैं।

मल्टीपल स्किल ओरिएंटेड जॉब : डिजिटल मार्केटिंग स्किल्ड युवा को नौकरी की कमी नहीं रहेगी क्योंकि वह इस स्किल के अंदर एसईओ, सोशल मीडिया मैनेजर, एसईएम एक्सपर्ट्स, एनालिटिक्स मैनेजर, कंटेंट मार्केटिंग मैनेजर आदि स्किल्स को हासिल कर लेता है।

डिजिटल मार्केटिंग मॉक टेस्ट

सफलता के साथ बनाएं अपना करियर

देश की जानी - मानी ऐडटेक कंपनी सफलता ने युवाओं की मदद के लिए कई प्रोफेशनल और स्किल ओरिएंटेड शॉर्ट और लॉन्ग टर्म कोर्सेज की शुरूआत की है जहां से आप घर बैठे खुद को एक किसी फील्ड का प्रोफेशनल बना सकते हैं। यहां डिजिटल मार्केटिंग के अलावा भी कई कोर्स मौजूद हैं। इतना ही नहीं सरकारी नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए भी सफलता पर लगभग सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोर्सेज हैं।

यहां से पढ़कर सैकड़ों युवाओं ने सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में शानदार नौकरियां हासिल की हैं। तो फिर देर किस बात की आज ही सफलता से जुड़ें और अपना शानदार करियर बनाएं। आप अपने फोन में डाउनलोड करके भी इन कोर्सेज से जुड़ सकते हैं।